हिन्दी दैनिक

RNI : CTHIN/25/A1911

लोकतंत्र प्रहरी

● वर्ष-01 ● अंक- 146 ● भिलाई, शनिवार 13 दिसम्बर 2025 ● हिन्दी दैनिक ● पृष्ठ संख्या-8 ● मूल्य - 2 रुपया ● संपादक- संजय तिवारी, मो. 9200000214

आंध्र प्रदेश के मारेडुमिल्ली में भीषण हादसा

खाई में गिरी बस,9 लोगों की दर्दनाक मौत,कई लोग घायल

आंध्रप्रदेश/ एजेंसी

आंध्रप्रदेश के मारेडमिल्ली घाट में एक बड़ा सड़क हादसा हुआ, जहां यात्रियों से भरी एक बस खाई में गिर गई। इस हादसे में 9 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। यह घटना सुकमा जिले के सीमा क्षेत्र में घटी, जिससे आसपास के इलाकों में अफ्रा-तफ्री मच गई। स्थानीय प्रशासन और राहत टीमें तुरंत मौके पर पहुंची और बचाव कार्य शुरू किया। हादसे के बाद घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज जारी है। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, बस अरुकु से रायलसीमा के चित्तूर जा रही थी, तभी मारेडमिल्ली घाट के पास अचानक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हादसे के सही कारणों का पता लगाने की कोशिश कर रही है। मारेडमिल्ली घाट में हुए दर्दनाक बस हादसे में अब तक 9 शव बरामद किए जा चुके हैं। चूंकि घटना स्थल पहाड़ी क्षेत्र में था, जहां मोबाइल नेटवर्क उपलब्ध नहीं था, इसलिए सूचना मोथुगुंटा के अधिकारियों तक पहुंचने में कुछ समय लगा। हालांकि, सूचना मिलते ही वे तुरंत मौके पर पहुंचे और राहत कार्य शुरू किया। अधिकारियों ने घायल यात्रियों को चिंतूर सरकारी अस्पताल भेजा, जहां उनका इलाज जारी है। अधिकारियों के अनुसार, मृतकों की संख्या में और वृद्धि हो सकती है, क्योंकि राहत और बचाव कार्य जारी है। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू ने

इस हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने जिला अधिकारियों को तुरंत मौके पर पहुंचने और पीड़ितों को हर संभव सहायता प्रदान करने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ग (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, अल्लूरी सीतारामाराजू जिले के चिंतूर के पास तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक निजी बस के दुर्घटनाग्रस्त होने से कई लोग गहरे सदमे में हैं। यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है कि इस हादसे में कई लोगों की जान चली गई। मैंने अधिकारियों से इस दुर्घटना के बारे में बात की और पीड़ितों को दी जा रही सहायता के बारे में जानकारी प्राप्त की। मुझे उम्मीद है कि घायलों को शीघ्र बेहतर चिकित्सा सहायता मिलेगी। उन्होंने आगे कहा कि मैंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि घायलों को बेहतर मेडिकल सहायता मिले, इसके लिए सभी जरूरी कदम उठाए जाएं। सरकार इस हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के साथ खड़ी रहेगी। मुख्यमंत्री ने सभी विभागों को तालमेल से काम करने और घायलों को बेहतरीन इलाज सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। गृह मंत्री वंगालापुडी अनिता ने भी दुख जताया और पुलिस से विस्तृत जानकारी मांगी। उन्होंने आदेश दिया कि घायलों को सबसे अच्छा मेडिकल केयर और सभी जरूरी सहायता मिले।

आंध्र प्रदेश बस हादसे पर पीएम मोदी ने जताया दुख, मुआवजे का किया ऐलान

आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीतारामाराजू में बस खाई में गिरने से आठ तीर्थयात्रियों की मौत हो गई और कई अन्य घायल हो गए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे पर दुख जताया है। प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से पीड़ितों के लिए अनुग्रह राशि का ऐलान किया गया है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने हादसे के पीड़ित परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त की। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, आंध्र प्रदेश के अल्लूरी सीताराम राजू जिले में एक दुखद बस दुर्घटना में हुई मौतों के बारे में जानकर दुख हुआ। मैं शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करता हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं।

संक्षिप्त समाचार

कांग्रेस सरकार की लापरवाही से हिमाचल की 3577 पंचायतों के विकास पर ब्रेक

शिमला। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता संदीपनी भारद्वाज ने कांग्रेस सरकार और पंचायती राज मंत्री अनिरुद्ध सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि प्रदेश की 3577 पंचायतों के विकास कार्यों को जानबूझकर ठप किया गया है और 15वें वित्त आयोग के तहत केंद्र से आए ?170 करोड़ अब तक पंचायतों तक नहीं पहुंचाए गए हैं। यह सरकार की प्रशासनिक नाकामी नहीं बल्कि साफ-साफ लापरवाही और वित्तीय अव्यवस्था का प्रमाण है। संदीपनी भारद्वाज ने कहा कि सितंबरङ्कअक्टूबर 2025 में केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई पहली किस्त पंचायतों तक न पहुंचना बेहद चिंताजनक है। इसी फंड से गांवों में स्वच्छता, पेयजल, सड़क मरम्मत, रिटेनिंग वॉल, पंचायत भवन, सार्वजनिक स्थल, महिला व युवक मंडलों के कार्य होने थे, लेकिन आज ये सभी विकास कार्य ठप पड़े हैं। उन्होंने कहा कि जब पंचायतों के खातों में पैसा ही नहीं पहुंचा तो उपयोगिता प्रमाण पत्र, प्रगति रिपोर्ट और दूसरी किस्त की प्रक्रिया कैसे आगे बढ़ेगी?

बेगूसराय में कपड़ा व्यवसायी की गोली मारकर हत्या

बेगूसराय। बिहार के बेगूसराय जिले के वीरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार को अज्ञात अपराधियों ने एक कपड़ा व्यवसायी की गोली मारकर हत्या कर दी और फरार हो गए। बेगूसराय जिले में पिछले दो दिन में हत्या की यह दूसरी घटना है। पुलिस के अनुसार, घटना वीरपुर थाना क्षेत्र के परबंदा बाबा स्थान के पास की है। अपराधियों ने सुबह कपड़ा व्यवसायी मोहम्मद शहजाद की गोली मारकर हत्या की। बताया जाता है कि शहजाद सुबह अपनी बाइक से अपने घर पिपरा दौदराज गांव से वीरपुर स्थित अपनी दुकान जा रहा था, तभी अपराधियों ने इस घटना को अंजाम दिया। बाद में अपराधी हथियार लहराते फरार हो गए। इधर, घटना की सूचना मिलने के बाद वीरपुर पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की छानबीन में जुट गई है। वीरपुर के थाना प्रभारी रविन्द्र कुमार ने बताया कि पुलिस पूरे मामले की छानबीन कर रही है। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया इस घटना के पीछे आपसी विवाद का मामला सामने आ रहा है।

संसद में तमिलनाडु सरकार पर बरसे अनुराग ठाकुर

दीये जलाने,हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ के आरोप लगाया

नई दिल्ली/ एजेंसी

तमिलनाडु के मदुरै जिले में तिरुपरमकुंद्रम पहाड़ी पर स्थित अरुलमिगु सुब्रमण्य स्वामी मंदिर में कार्तिगई दीपम त्योहार को लेकर उठा बवाल अब बढ़ता जा रहा है। भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को संसद में इस मुद्दे पर तमिलनाडु सरकार को घेरा। सांसद ठाकुर ने कहा, 'भारत का एक राज्य सनातन धर्म-विरोध का चेहरा बन गया है। इस राज्य के मंत्रियों ने सनातन धर्म के खिलाफ बयान दिए हैं।' अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में रामलला की

प्राण प्रतिष्ठा की तो तमिलनाडु के मंदिरों में इसके प्रसारण पर रोक लगा दी गई थी। भाजपा सांसद ने दावा किया कि इस दौरान मंदिरों के दरवाजे बंद कर दिए गए थे। उन्होंने कहा कि इसके खिलाफ लोगों को कोर्ट का रुख करने के लिए मजबूर किया गया। उन्होंने कहा कि हाल ही में मद्रास हाईकोर्ट की मदुरै पीठ ने तमिलनाडु सरकार को कड़ी फटकार लगाई है। ठाकुर ने कहा कि मदुरै पीठ ने 'कार्तिगई दीपम' को लेकर जारी निर्देशों को अधिकारियों की ओर से जानबूझकर पालन न करने के आरोप लगाए। उन्होंने कहा, 'हिंदू श्रद्धालुओं पर लाठियां बरसाई गईं। कोर्ट के आदेश के बावजूद उन्हें महादीपम जलाने के अनुमति नहीं दी गई। मेरा सवाल है कि पुलिस ने हाईकोर्ट के आदेश क्यों नहीं माने? हिंदुओं को क्यों रोका गया?' अनुराग ठाकुर ने कहा कि तमिलनाडु सरकार की ओर से हाईकोर्ट के निर्देश की अवमानना की गई।

अजमेर में चलती बाइक में अचानक लगी आग.....

अजमेर। अजमेर के सीआरपीएफ ग्रुप केंद्र-1 के पास स्थित गोल्फ कोर्स रोड पर बुधवार को एक चलती मोटरसाइकिल में अचानक आग लग गई। बाइक कुछ ही मिनटों में पूरी तरह जलकर खाक हो गई। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें बाइक से उठते धुएं और आग की लपटों के बीच लोगों में अफरा-तफरी देखी गई। जानकारी के अनुसार, बाइक सवार विष्णु मेघवंशी अपनी होंडा सुपर डीलक्स पर बस स्टैंड की ओर जा रहे थे। रास्ते में अचानक बाइक बंद हो गई। वह गाड़ी की जांच कर ही रहे थे कि इंजन से धुआं निकलने लगा। इससे पहले कि वह कुछ समझ पाते, मोटरसाइकिल ने आग पकड़ ली।

राहुल ने संसद में सरकार को फ्रेंडशिप रिक्वेस्ट भेजी

पीएम मोदी जी चर्चा करिए...हम आपके साथ खड़े हैं-राहुल गांधी

नई दिल्ली/ एजेंसी

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शुक्रवार को संसद में भारत में बिगड़ते वायु प्रदूषण पर तत्काल और व्यवस्थित बहस की मांग की है। इसे एक जन स्वास्थ्य आपातकाल बताते हुए कहा कि यह सभी दलों के लिए चिंता का विषय है। सरकार ने इस चर्चा के लिए तत्परता दिखाई। शून्यकाल के दौरान बोलते हुए कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के सबसे बड़े शहर जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे अधिकांश प्रमुख शहर

जहरीली हवा की चादर में लिपटे हुए हैं। लाखों बच्चे फेफड़ों की बीमारियों से ग्रस्त हो रहे हैं। उनका भविष्य बर्बाद हो रहा है। लोग कैंसर से पीड़ित हो रहे हैं। बुजुर्गों को सांस लेने में तकलीफ हो रही है। यह एक दिलचस्प मुद्दा है क्योंकि मुझे पूरा विश्वास है कि इस मुद्दे पर सरकार और हम सभी के बीच पूर्ण सहमति होगी। इसके अलावा, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष ने इस बात पर जोर दिया कि यह उन दुर्लभ मुद्दों में से एक है जिन पर सदन में पूर्ण सहमति बन सकती है। उन्होंने कहा कि यह कोई वैचारिक मुद्दा नहीं है।और आगे कहा कि सरकार और विपक्ष दोनों की इस पर प्रतिक्रिया देने की जिम्मेदारी है। उन्होंने सरकार से पूर्ण बहस की अनुमति देने और ठोस उपाय करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि इस पर दलगत राजनीति छोड़कर सभी पार्टियों को साथ बैठना चाहिए और अगले 5-10 साल के लिए एक ठोस प्लान बनाना चाहिए।

सख्ती से संरक्षित किया जाएगा

जबरन वक्फ संपत्तियों पर कब्जा नहीं कर सकता......

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बृहस्पतिवार को कहा कि वक्फ संपत्तियों को मौजूदा नियमों के तहत सख्ती से संरक्षित किया जाएगा और कोई भी उन्हें जबरन अधिग्रहित नहीं कर सकता है। नदिया के कृष्णानगर में एक जनसभा को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि उनकी सरकार ने अल्पसंख्यकों के लिए कई कल्याणकारी उपाय किए हैं, जिनमें 10,000 कब्रिस्तानों का निर्माण और ओबीसी आरक्षण लाभों का विस्तार शामिल है। उन्होंने कहा, हमने स्पष्ट रूप से कहा है कि वक्फ संपत्ति में नियमों का पालन होगा। अब मुतवल्ली (मस्जिद के

न्यासी) इसका पालन करेंगे। हम किसी को भी वक्फ संपत्ति हासिल करने की अनुमति नहीं देंगे। विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने आरोप लगाया कि चुनाव में मुस्लिम समुदाय से भारी समर्थन हासिल करने के बावजूद मुख्यमंत्री ने उन्हें नजरअंदाज कर दिया है।

महाकुंभ के आयोजन के बाद माघ मेला-2026 की तैयारियां अंतिम चरण में

लखनऊ । महाकुंभ-2025 के सफल आयोजन के बाद अब राज्य सरकार माघ मेला-2026 को भी अभूतपूर्व, व्यवस्थित और सौंदर्यपूर्ण स्वरूप देने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में माघ मेले की तैयारियां लगभग पूरी हो चुकी हैं। हाल ही में मुख्य सचिव के समक्ष प्रतीक चिन्ह का अनावरण, सेक्टरवार रंग योजना और अवसंरचनात्मक सुधारों पर विशेष चर्चा हुई थी। इस बार अनुमानित है कि प्रयागराज में 12 से 15 करोड़ श्रद्धालु संगम पर पवित्र स्नान करेंगे। जिनमें प्रतिदिन आने वाले लाखों कल्पवासी भी शामिल होंगे।

सिगरेट-तंबाकू के शौकीनों को झटका

संसद से पास कानून लागू....जानिए अब कितनी ढीली करनी होगी जेब

नई दिल्ली। सिगरेट-तंबाकू के शौकीनों को झटका: सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क (संशोधन), 2025 अधिसूचित कर तंबाकू और उससे बनी सभी श्रेणियों पर उत्पाद शुल्क में बड़ा इजाफा कर दिया है। केंद्रीय उत्पाद शुल्क अधिनियम, 1944 के तहत सिगरेट पर अब तक 200 से 735 रुपये प्रति हजार स्टिक तक उत्पाद शुल्क लगता था। संशोधित कानून के लागू होने के बाद यह सीमा कई गुना बढ़ाकर 2,700 रुपये से 11,000 रुपये प्रति हजार सिगरेट कर दी गई है। इस अधिनियम के तहत सिगरेट, सिगार, हुक्का तंबाकू, चबाने वाला तंबाकू, जर्दा और सुगंधित तंबाकू सहित सभी उत्पादों पर उत्पाद शुल्क और सेस में वृद्धि की गई है। साथ ही, यह अधिनियम सरकार को तंबाकू उपकर

समाप्त होने के बाद भी केंद्रीय उत्पाद शुल्क बढ़ाने के लिए वित्तीय गुंजाइश प्रदान करता है। नए कानून में निर्मित तंबाकू पर शुल्क में भी वृद्धि की गई है। चबाने वाले तंबाकू पर शुल्क 25 प्रतिशत से बढ़कर 100 प्रतिशत हो जाएगा, जबकि हुक्का तंबाकू पर शुल्क 25 प्रतिशत से बढ़कर 40 प्रतिशत हो जाएगा। पाइप और सिगरेट में इस्तेमाल होने वाले धूम्रपान मिश्रणों पर शुल्क 60 प्रतिशत से बढ़ाकर 325 प्रतिशत कर दिया गया है। सरकार का कहना है कि इस कानून का उद्देश्य लोगों को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों से बचाना और इसके सेवन पर अंकुश लगाना है। इससे पहले, राज्यसभा में चल रही बहस का जवाब देते हुए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि सिगरेट पर लगाए गए अतिरिक्त शुल्क को राज्यों के साथ साझा किया जाएगा, और स्पष्ट किया कि यह शुल्क उत्पाद शुल्क है, उपकर नहीं। सीतारमण ने सदन को आश्वासन दिया था कि तंबाकू किसानों और बीड़ी श्रमिकों पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा।

30 लाख लोग जनगणना को देंगे अंजाम

2027 में होने वाली जनगणना के लिए कैबिनेट ने दी 11718 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी

नई दिल्ली/ एजेंसी

कैबिनेट ने शुक्रवार को तीन महत्वपूर्ण फैसलों का मंजूरी दी। कैबिनेट ने जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपये के बजट को मंजूरी दी है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने कोयला लिंकेज नीति में सुधार के लिए कोलसेटू नीति को भी मंजूरी दी है। सरकार ने खोपरा 2025 सीजन के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को भी नीतिगत मंजूरी दे दी है। कैबिनेट की बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने जनगणना 2027 की जानकारी दी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि विश्व का सबसे बड़ा प्रशासनिक और सांख्यिकीय अभ्यास होगा। जनगणना 2027 अब तक की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना होगी। जनगणना केंद्र का विषय है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि देश में जनगणना अधिनियम, 1948 और जनगणना नियम, 1990 के तहत इसे किया जाता है। पिछली जनगणना 2011 में हुई थी। कोविड महामारी के कारण जनगणना 2021 आयोजित नहीं की जा सकी। इससे पहले 16 जून 2025 को जनगणना 2027 की राजपत्र अधिसूचना जारी की गई। जनगणना 2027 की अनुमानित लागत 11,718 करोड़ रुपये होगी केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जनगणना

की संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 को 00:00 बजे होगी। बर्फ से ढके क्षेत्रों के लिए यह तिथि 1 अक्तूबर 2026 को 00:00 बजे होगी। वैष्णव ने कहा, जनगणना 2027 दो चरणों में आयोजित की जाएगी। पहले चरण में मकान सूचीकरण और आवास जनगणना होगी। इसे अप्रैल से सितंबर 2026 तक अंजाम दिया जाएगा। दूसरे चरण में जनसंख्या की गिनती होगी। यह फरवरी 2027 से शुरू होगी। बर्फ से ढके क्षेत्रों में सितंबर 2026 से शुरू होगी। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देते हुए केंद्रीय मंत्री ने बताया कि जाति गणना को भी जनगणना 2027 में शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस बार स्व-गणना का भी विकल्प प्रदान किया जाएगा। जनगणना-एक-सेवा विभिन्न मंत्रालयों/राज्य सरकारों और अन्य हितधारकों को उपयोगकर्ता के अनुकूल, मशीन-पठनीय और कार्रवाई योग्य प्रारूप में डैशबोर्ड जैसी सुविधाओं के साथ डेटा उपलब्ध कराएगी। जनगणना के दौरान राष्ट्रव्यापी जागरूकता, समावेशी भागीदारी, अंतिम छोर तक जुड़ाव और जमीनी कार्यों के समर्थन के लिए लक्षित और व्यापक प्रचार अभियान चलाया जाएगा। इस कार्य में लगभग 30 लाख जमीनी कार्यकर्ता शामिल होंगे और 1.02 करोड़ मानव-दिवस का रोजगार सृजित होगा। कोयले से जुड़ी सुधार नीति को कैबिनेट की मंजूरी केंद्रीय कैबिनेट ने 'कोयला लिंकेज नीति में सुधार: कोलएसईटीयू' को भी नीतिगत मंजूरी दी है।

महाराष्ट्र में माइक्रोसॉफ्ट का निवेश

एआई हब, 45 हजार लोगों के लिए रोजगार

नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस ने शुक्रवार को माइक्रोसॉफ्ट के चेयरमैन और सीईओ सत्य नडेला से मुलाकात की और भारत के पहले एआई-संचालित प्लेटफॉर्म महाक्राइमओएस एआई का अनावरण किया, जिसका उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच में तेजी लाना है। मुख्यमंत्री फड़णवीस ने फेसबुक पर लिखा कि महाराष्ट्र ने डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में एक नया मानक स्थापित किया है। सत्य नडेला से मिलकर बेहद खुशी हुई, जहां हमने महाक्राइमओएस एआई का अनावरण किया - भारत का

पहला एआई-संचालित प्लेटफॉर्म, जिसका उद्देश्य साइबर अपराधों की जांच में तेजी लाना है। 23 पुलिस स्टेशनों से 1100 तक विस्तार; नागपुर से राज्यव्यापी स्तर तक, महाराष्ट्र नागरिक सुरक्षा के लिए एआई-संचालित शासन को बढ़ावा दे रहा है!

राष्ट्र के नव निर्माण में आदिवासी समाज के वीर शहीदों का योगदान अनुपम : मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय

राजाराव पठार ग्राम करेंझर में वीर मेला महोत्सव के अवसर पर आयोजित शहीद वीर नारायण सिंह के श्रद्धांजलि सभा में हुए शामिल

बालोद। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि राष्ट्र व समाज के नव निर्माण में आदिवासी समाज के अमर शहीदों एवं महापुरूषों का योगदान अनुपम एवं अद्वितीय योगदान है। उन्होंने कहा कि जब जब राष्ट्र व समाज पर विपत्ति आई है, आदिवासी समाज ने उनका डट कर मुकाबला कर विघटनकारी तत्वों को मुहतोड़ जवाब दिया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय बालोद जिले के गुरूर ब्लॉक के ग्राम करेंझर में आयोजित विराट वीर मेला महोत्सव के अवसर पर अपना उद्गार व्यक्त कर रहे थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। मुख्यमंत्री एवं अतिथियों ने 3 दिवसीय विराट वीर मेला के अंतिम दिवस पर बुधवार को आयोजित शहीद वीर नारायणसिंह श्रद्धांजलि सभा में शामिल होकर अमर शहीर वीरनारायण सिंह को विनम्र श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने के पश्चात मुख्यमंत्री ने सर्वप्रथम भगवान बूढ़ादेव, राजाराव बाबा और शहीद वीरनारायण सिंह को पूजा अर्चना कर उन्हें नमन किया। उन्होंने आदिवासी समाज की संस्कृति, इतिहास और विरासत को अत्यंत वैभवशाली बताते हुए उसकी भूरी-भूरी सराहना की। इस अवसर पर उन्होंने ग्राम करेंझर में मेला स्थल के समीप तालाब निर्माण हेतु 15 लाख, मेला आयोजन हेतु आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा प्रदान कि जाने वाली 10 लाख रूपये की सहयोग राशि को बढ़ाकर 20 लाख रूपये करने तथा राजाराव पठार स्थित देवस्थल में किचन शेड निर्माण करने की घोषणा की। इसके अलावा उन्होंने मेला स्थल पर कुल 71 लाख 93 हजार रूपये के विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण भी किया। इस अवसर पर उन्होंने ने आदिवासी समाज के मांगों एवं समस्याओं के निराकरण हेतु समाज प्रमुखों के साथ राजधानी रायपुर में बैठकर उनका निराकरण करने की बात कही। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने किया। वहीं विशिष्ट अतिथि के तौर पर आदिम जाति कल्याण मंत्री रामविचार नेताम, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री टंकराम वर्मा, कांकेर विधानसभा क्षेत्र के विधायक आशाराम नेताम, राज्य अनुसूचित जनजाति आयोग के अध्यक्ष रूपसाय मंडावी, जिला पंचायत अध्यक्ष तारिणी पुष्पेन्द्र चंद्राकर, पूर्व विधायक ब्रम्हानंद नेताम, प्रीतम साहू, भाजपा प्रदेश महामंत्री यशवंत जैन, भाजपा जिलाध्यक्ष चेमन देशमुख, पुर्व नपाध्यक्ष राकेश यादव, वीर मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष उमेंदीराम गंगराले सहित अकबर राम कोर्राम, तुकाराम कोर्राम एवं अन्य समाज प्रमुखों के अलावा कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल, तथा विशाल संख्या में सामाजिक प्रतिनिधी एवं आदिवासी समाज के लोग उपस्थित थे।

मोदी की गारंटी के सभी वायदों को पूरा किया गया : विष्णुदेव

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि दुनिया में आदिवासी संस्कृति का एक समृद्धि इतिहास है। इस अवसर पर उन्होंने आदिवासियों के हितों के संरक्षण एवं देश-दुनिया में विशिष्ट पहचान दिलाने हेतु पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय अटल बिहारी वाजपेयी एवं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदानो का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटलबिहारी वाजपेयी के द्वारा अपने कार्यकाल के दौरान आदिवासियों के विकास एवं उनके हितों के संरक्षण हेतु सर्व प्रथम जनजाति कार्य मंत्रालय की स्थापना की थी। आज जनजाति कार्य मंत्रालय का बजट हमारे राज्य के आधे बजट से भी अधिक है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के योगदानों के फलस्वरूप देश में राष्ट्रपति जैसे सर्वोच्च पद पर आदिवासी समाज की महिला विराजमान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में आज देश और दुनिया में आदिवासी समाज के इतिहास एवं विरासत को विशिष्ट पहचान मिला है। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने भगवान बिरसा मुण्डा, शहीद वीर नारायण सिंह एवं गैंदसिंह नायक के अदम्य वीरता, साहस एवं राष्ट्र भक्ति का उल्लेख करते हुए उसे अतुलनीय बताया। उन्होंने कहा कि हमारे सरकार के द्वारा मोदी की गारंटी के तहत किए गए सभी वायदों को पूरा किया गया है। हमारी सरकार ने राज्य में सत्ता की बागडोर संभालने के पश्चात तत्काल 18 लाख प्रधानमंत्री आवास निर्माण की स्वीकृति एवं प्रति क्विंटल 3,100 रूपये की दर से धान खरीदी, मेहनतकश तेंदुपत्ता संग्राहकों के हित में चरण पादुका योजना लागू करने के अलावा तेंदुपत्ता मानक बोरा में वृद्धि करते हुए 5,500 रूपये करने का निर्णय लिया। इसके अलावा भूमिहीन किसान न्याय योजना जैसे जनहितैषी योजना शुरू करने के अलावा राज्य के शिक्षित युवाओं के हितों को ध्यान में रखते हुए पीएससी घोटाले का निष्पक्ष जाँच करने का भी निर्णय लिया है।

सरकार राज्य के विकास के लिए कोई कसर नही छोड़ेगी

उन्होने छत्तीसगढ़ प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाने तथा पूरी देश और दुनिया में विशिष्ट पहचान दिलाने हेतु आदिवासी समाज एवं छत्तीसगढ़ की जनता से विनम्र आशीर्वाद भी मांगा। उन्होंने कहा कि केन्द्र व राज्य सरकार के संयुक्त प्रयासों से राज्य में नक्सलवाद समाप्ति की ओर है। उन्होंने कहा कि बस्तर सहित संपूर्ण छत्तीसगढ़ में नक्सलवाद अपनी अंतिम सांसे गिन रहा है। नक्सलवाद की समाप्ति के पश्चात् बस्तर सहित समूचे छत्तीसगढ़ में हम विकास की नई गंगा बहाएंगे। उन्होंने राज्य की जनता को आश्वस्त करते हुए कहा कि हमारी सरकार राज्य के विकास के लिए कोई कसर नही छोड़ेगी। मुख्यमंत्री ने आदिवासी समाज के लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि राजाराव पठार में आगे भी अनेक विकास कार्य किए जाएंगे। उन्होने किसी भी समाज एवं राष्ट्र के निर्माण के लिए शिक्षा को सबसे बड़ा अस्त्र बताते हुए आदिवासी समाज को आने वाले पीढ़ी को शिक्षित एवं ज्ञानवान बनाने की दिशा में कार्य करने को कहा। मुख्यमंत्री ने केन्द्र व राज्य सरकार द्वारा आदिवासी समाज के कल्याण हेतु संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं के संबंध में भी विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के अंतर्गत कुल 80 हजार करोड़ रूपये की राशि का प्रावधान किया गया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज प्रमुखों के मांग पर राजधानी रायपुर में समाज प्रमुखों के साथ बैठक आयोजित आदिवासी समाज के मांगों एवं समस्याओं की निराकरण की दिशा में आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने की भी बात कही। मुख्यमंत्री ने राजाराव पठार में विशाल एवं भव्य वीर मेला महोत्सव के आयोजन की भूरी-भूरी सराहना की।

मुख्यमंत्री पूरी तरह से आपके साथ खड़े हैं : रामविचार

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए पूर्व केन्द्रीय मंत्री अरविंद नेताम ने राज्य के विकास में सबसे बड़ी बाधक नक्सलवाद का लगभग समाप्तप्राय होने पर राज्य व केन्द्र सरकार के प्रयासों की भूरी-भूरी सराहना की। उन्होंने कहा कि कुछ वर्षों तक नक्सलवाद की समाप्ति असंभव एवं दुष्कर लगता था। लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह एवं छत्तीसगढ़ सरकार के ठोस एवं कारगर प्रयासों के फलस्वरूप पूरे देश के साथ-साथ छत्तीसगढ़ में भी समाप्ति की ओर है। इस अवसर पर उन्होंने राजाराव पठार में विराट वीर मेला महोत्सव के आयोजन के महत्व एवं उददेश्यों पर प्रकाश डालते हुए समाज के मांगों एवं समस्याओं की ओर मुख्यमंत्री एवं छत्तीसगढ़ सरकार का ध्यान भी आकृष्ट कराया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए आदिम जाति कल्याण एवं कृषि मंत्री राम विचार नेताम ने कहा कि आप सभी के बीच आकर मुझे अत्यंत खुशी हो रही है। मैं आपको विश्वास दिलाना चाहता हूँ कि सरकार और आपके मुख्यमंत्री पूरी तरह से आपके साथ खड़े हैं, किसी भी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। हमारा संकल्प स्पष्ट है, प्रदेश के हर वर्ग का समग्र विकास। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा विकास के कई नए कार्य तेजी से आगे बढ़ाए जा रहे हैं। राजधानी रायपुर में नव निर्मित नया म्यूजियम हमारी संस्कृति को संरक्षित करने के साथ-साथ रोजगार के नए अवसर भी प्रदान करेगा।

मुख्यमंत्री लगातार बस्तर के विकास में जुटे : केदार

वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि जिन मुद्दों के लिए हमारे पूर्वजों ने संघर्ष किया, वे साकार हो रहे हैं। वन अधिकार की लंबी लड़ाई का परिणाम है कि आज उनके परिजनों को उनका अधिकार मिल रहा है। शहीद वीर नारायण सिंह ने देश और संस्कृति के लिए अपना सर्वस्व समर्पित किया। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश खुशहाली की ओर बढ़ रहा है और बस्तर वर्षों पुरानी नक्सली पीड़ा से मुक्त हो रहा है। यहां के लोगों के जीवन में खुशहाली आ रही है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, निर्माण और विकास की मजबूत नींव बस्तर में रखी जा रही है। मुख्यमंत्री द्वारा रोडमैप तैयार कर लगातार बस्तर के विकास में जुटे हैं। उन्होने धर्मांतरण को रोकने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि आदिवासी संस्कृति की रक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि बस्तर में तीन मेडिकल कॉलेज और एक विश्वविद्यालय स्थापित हुए हैं। दिल्ली में आदिवासी बच्चों के लिए बने छात्रावास से उन्हें डॉक्टर और इंजीनियर बनने में बड़ी सहायता मिल रही है। समारोह में स्वागत भाषण प्रस्तुत करते हुए वीर मेला आयोजन समिति के अध्यक्ष यूआर गंगराले ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं अतिथियों के समक्ष समाज के प्रमुख मांगों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का आभार प्रदर्शन पूर्व विधायक ब्रम्हानंद नेताम ने किया। इस अवसर पर आदिवासी समाज के लोक कलाकारों के द्वारा रेला, मांदरी, हुलकी आदि परंपरागत लोक विधाओं एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की जीवंत प्रस्तुति भी दी गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने आदिवासी समाज के रचनाकार हेमवती ठाकुर के द्वारा रचित पुस्तक 'आदिशक्ति माँ अंगारमोती' एवं मरई राधेश्याम बस्तरिया की पुस्तक 'घोटुल पुंदाना' पुस्तक का भी विमोचन किया।

शिव महापुराण कथा में शिव-पार्वती विवाह प्रसंग ने भाव-विभोर किया

बेमेतरा। बेमेतरा की कृषि उपज मंडी इन दिनों आध्यात्मिक ऊर्जा से गुंजायमान है, जहां दंडी स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती द्वारा शिव महापुराण कथा का भव्य आयोजन जारी है। कथा का पांचवा दिन भी श्रद्धा, भक्ति और आध्यात्मिक अनुभूति से परिपूर्ण रहा। बेमेतरा के साथ ही कवर्धा, खमरिया और नवागढ़ सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचकर दिव्य कथा श्रवण का लाभ ले रहे हैं। प्रवचन में स्वामी ज्योतिर्मयानंद सरस्वती ने शिव-पार्वती विवाह प्रसंग को अत्यंत भावपूर्ण और शास्त्रोक्त विधि से प्रस्तुत किया। उन्होंने बताया कि धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष–ये चारों पुरुषार्थ शिव आराधना से सहजता से प्राप्त होते हैं, क्योंकि शिव ही ज्ञान, ऊर्जा, प्राण और समग्र सृष्टि के आधार हैं। स्वामी ने कहा कि शिव ने शक्ति को आदिशक्ति जगदम्बा के रूप में प्रकट कर सृष्टि की रचना का शुभारंभ किया। आदिशक्ति की अष्टभुजाएं अपार सामर्थ्य का प्रतीक हैं, जिनकी उपासना से मनुष्य को दिव्य बल प्राप्त होता है। सूत जी महाराज के पुराण वचनों का उल्लेख करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि आदिशक्ति जगत को मोहिनी रूप में संचालित करती हैं, वहीं शिव कर्पूर-गौर रूप धारण कर कामदेव को भी मोहित कर देते हैं। धतूरा, शमीपत्र, अक्षत और जलाभिषेक शिव को अत्यंत प्रिय हैं, जो उनके सर्वांग पूजा का आधार है। गौ महिमा पर बोलते हुए स्वामी ने कहा कि गौ सेवा ही देव सेवा है, क्योंकि 33 करोड़ देवता गौ माता के शरीर में वास करते हैं। उन्होंने बताया कि मृत्यु के समय मनुष्य का कोई साथ न दे, परंतु गौ माता का दर्शन और स्पर्श ही जीव को मोक्ष की ओर ले जाता है। स्वामी ने बताया कि सलधा स्थित सपाद लक्ष्मेश्वर धाम में सवा लाख शिवलिंग स्थापना का विराट आयोजन चल रहा है, जहां देश-विदेश से श्रद्धालु अपने और अपने परिजनों के नाम से शिवलिंग अर्पित कर रहे हैं। यहां एक शिवलिंग से सवा लाख शिवलिंगों का जलाभिषेक होने का अदभुत पुण्य प्राप्त होगा। धाम में गौ सेवा, विद्यार्थी शिक्षा और लोककल्याण के विविध कार्य भी संचालित हैं। कथा के समापन में स्वामी ने कहा कि शिव स्मरण मात्र से ही जीव को पुण्य प्राप्त होता है, और पार्थिव पूजा करने वाला भक्त सायुज्य मुक्ति का अधिकारी बन जाता है। उन्होंने बताया कि काशी शिव को अत्यंत प्रिय है और उसका निर्माण स्वयं भगवान शिव ने किया है।

भक्तों ने स्वामी के दिव्य प्रवचनों का आनंद लिया और कथा स्थल पूरे दिन शिवमय माहौल से आलोकित रहा। आयोजन में मुख्य रूप से मानस केसरी प्रमोद शास्त्री नगरपालिका अध्यक्ष विजय सिन्हा के साथ पार्षद गौरव साहू, लक्की साहू, चांदनी रोशन दत्ता, रश्मि फणेन्द मिश्रा, केशव प्रसाद तिवारी, सुनिल नामदेव, शत्रुघ्न सिंह साहू के साथ बड़ी संख्या में महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे।

धान खरीदी केंद्र में सुगम और पारदर्शी व्यवस्था से किसान आसानी से बेच रहे धान

कवर्धा। छत्तीसगढ़ सरकार की किसान हितैषी नीतियों का सीधा लाभ इस वर्ष कबीरधाम जिले में धान खरीदी व्यवस्था में स्पष्ट दिखाई दे रहा है। टोकन तुंहर हाथ ऐप ने किसानों को घर बैठे ही सरलता से टोकन प्राप्त करने की सुविधा दी है, जिससे खरीदी केंद्रों में अनावश्यक भीड़, भागदौड़ और प्रतीक्षा जैसी समस्याएँ लगभग समाप्त हो गई हैं। केंद्रों में बारदाना उपलब्धता, तौल, भंडारण और भुगतान की सभी व्यवस्थाएँ इस बार पहले से कहीं अधिक पारदर्शी, सुव्यवस्थित और समयबद्ध हैं। इन्हीं सुविधाओं का लाभ ग्राम छांटा के किसान भोलाराम चंद्रवंशी को मिला है। 5.57 एकड़ भूमि वाले भोलाराम चार एकड़ में धान और शेष में गन्ने की खेती करते हैं। इस सीजन उन्होंने 84.40 क्विंटल धान बेचा और बताते हैं कि पूरे खरीदी प्रक्रिया के दौरान उन्हें एक भी बार किसी प्रकार की समस्या या असुविधा का सामना नहीं करना पड़ा। तौल से लेकर भुगतान तक उनका संपूर्ण कार्य निर्धारित समय में और बिना किसी भागदौड़ के पूरा हो गया। समर्थन मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल मिलने से उनकी आमदनी में वृद्धि हुई है। वे बताते हैं कि उचित मूल्य से मिली यह आय उनके परिवार के सपनों को नई दिशा दे रही है। वर्तमान में वे अपने परिवार के लिए पक्का मकान बना रहे हैं और कहते हैं कि पहले जो सपने दूर लगते थे।

उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के दो वर्षों में कवर्धा विधानसभा को मिली विद्युत विकास की नई रफ्तार, विभिन्न कार्यो के लिए 390 करोड़ रूपए स्वीकृत

कवर्धा। उपमुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा के नेतृत्व में बीते दो वर्षों में कवर्धा विधानसभा में बिजली अधोसंरचना का निरंतर विस्तार हुआ है। सुदूर वनांचल इलाकों में सब-स्टेशन स्थापना की शुरुआत से लेकर गांव-गांव तक बिजली पहुंचाने, पुराने आपूर्ति तंत्र को दुरुस्त करने और आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराने तक हर स्तर पर कार्य किया गया है। जिससे किसानों को सिंचाई में आसानी हुई है, वहीं आम नागरिकों को बेहतर घरेलू विद्युत सुविधाएं मिल रही हैं। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा ने कवर्धा की बिजली व्यवस्था को मजबूत एवं सक्षम बनाने का जो संकल्प लिया था, वह अब धरातल पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। बिजली अधोसंरचना के इन कार्यों ने विकास को नई ऊँचाई दी है और क्षेत्र को प्रगति की सतत धारा से जोड़ा है। उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से कवर्धा विधानसभा के सुदूर वनांचल और दुर्गम क्षेत्रों में विद्युत अधोसंरचना विकास को प्राथमिकता दी गई है। आरडीएस योजना अंतर्गत 6 महत्वपूर्ण कार्यों के लिए 341 करोड़ 46 लाख रुपए स्वीकृत हुए हैं। इस राशि का उपयोग ग्रामीण क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति व्यवस्था को मजबूत करने, पुराने ढांचे के नवीनीकरण और नई लाइनों के विस्तार, ट्रांसफार्मर की संख्या और क्षमता बढ़ाने जैसे कार्य किए जा रहे है। इसके अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में घरेलु उपयोग व कृषि पंपो के लिए आपूर्ति हेतु अलग-अलग फीडर की व्यवस्था की जा रही है। ताकि दोनों प्रयोजनों हेतु विद्युत आपूर्ति निर्बाध हो तथा लाईन लॉस को घटाया जा सके। इसी प्रकार वनांचल क्षेत्र झलमला, सिल्हाटी क्षेत्रों में विद्युत सब-स्टेशन स्थापना और व्यापक विद्युतीकरण कार्यों के लिए कुल 46.13 करोड़ रुपए स्वीकृत किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप यह इलाके अब निर्बाध और गुणवत्तापूर्ण बिजली उपलब्धता की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री आंतरिक विद्युतीकरण योजना के तहत कवर्धा विधानसभा में 75 कार्यों के लिए 2.करोड़ 47 लाख रुपए की स्वीकृति मिली है, जिससे गांवों के भीतर विद्युत सुविधाओं का विस्तार तेजी से हो रहा है। पिछले दो वर्षों में कवर्धा विधानसभा में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने के लिए व्यापक स्तर पर विस्तार किया गया है। इसमें 6.94 किमी 33 के.वी. लाइन, 247.07 किमी 11 के.वी. लाइन तथा 1175.82 किमी एल.टी. लाइन का विस्तार शामिल है। इन कार्यों ने ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति को अधिक स्थिर, विश्वसनीय और गुणवत्तापूर्ण बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

बेमेतरा में 17 दिसम्बर को जिला स्तरीय महिला खेलकूद एवं युवा उत्सव का भव्य आयोजन

बेमेतरा। बेमेतरा जिले में युवाओं को खेल और सांस्कृतिक गतिविधियों से जोड़ते हुए उनकी प्रतिभाओं को निखारने के उददेश्य से जिला स्तरीय महिला खेलकूद एवं युवा उत्सव का आयोजन 17 दिसंबर को शासकीय पी.जी. महाविद्यालय बेमेतरा में किया जा रहा है। यह आयोजन युवा वर्ग में उत्साह, प्रतिस्पर्धा और सांस्कृतिक समृद्धि को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

महिला खेलकूद प्रतियोगिता : दो आयु वर्गों में रोमांचक मुकाबले

विगत वर्षों की तरह इस वर्ष भी महिलाओं के लिए खेल प्रतियोगिताएँ दो आयु वर्गों में आयोजित होंगी 09 से 18 वर्ष तक, 18 से 35 वर्ष तक इन आयु वर्गों में निम्न खेलों का आयोजन किया जाएगा जिसमे एथलेटिक्स (100 मी., 400 मी. दौड़, तवा फेंक), खो-खो, हॉकी, बैडमिंटन, वॉलीबॉल, कुश्ती, बास्केटबॉल, फुटबॉल, वेटलिफ्टिंग, रस्साकशी 7 पहले इन प्रतियोगिताओं का आयोजन विकासखंड स्तर पर किया जाएगा, जहां प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी ही जिला स्तरीय प्रतिस्पर्धा में शामिल होंगी।

युवा उत्सव : कला, संस्कृति और नवाचार का मंच

जिला स्तरीय युवा उत्सव में 15 से 29 वर्ष के युवक-युवतियाँ अपनी कला और प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। साथ ही, संगतकारों की उम्र 18 से 40 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। इस उत्सव में शामिल प्रमुख विधाएँ सामूहिक एवं लोक विधाएँ: लोक नृत्य, पंथी नृत्य, राउत नाचा, सुआ नृत्य, करमा नृत्य, लोकगीत, एकांकी, रॉक बैंड 7 एकल प्रतियोगिता मे कहानी लेखन, वाद-विवाद, चित्रकला, नवाचार, कविता लेखन, पारंपरिक वेशभूषा प्रतियोगिता सामूहिक नृत्यों में अधिकतम 10 प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे तथा रिकॉर्डेड संगीत की अनुमति नहीं होगी। सभी प्रतिभागियों को अपने पंजीयन प्रपत्र में संपूर्ण जानकारी भरकर जमा करनी होगी। विस्तृत जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रतिभागी निम्न कार्यालयों से संपर्क कर सकते हैं विकासखंड शिक्षा अधिकारीः बेमेतरा, साजा, बेरला, नवागढ़ जिला खेल अधिकारी, खेल एवं युवा कल्याण विभाग, बेमेतरा 7 युवा ऊर्जा और महिला शक्ति को मंच देने की शानदार पहल 7 यह जिला स्तरीय आयोजन न केवल खेल और संस्कृति को बढ़ावा देगा, बल्कि युवाओं और महिलाओं में आत्मविश्वास, रचनात्मकता और नेतृत्व क्षमता को भी मजबूत करेगा। 17 दिसंबर को बेमेतरा जिले में प्रतिभाओं का यह महाकुंभ एक यादगार आयोजन बनने जा रहा है।

16 दिसम्बर को प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन

बेमेतरा। जिले के ऐसे इच्छुक अभ्यर्थी जो निजी क्षेत्रों में रोजगार करना चाहते है, उन्हे अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र, बेमेतरा कार्यालय परिसर रुम न. 64 एवं 65 में 16 दिसम्बर 2025 को प्रातः 11:00 बजे से दोप. 03:00 बजे तक प्लेसमेंट कैम्प का आयोजन किया जा रहा है। जिसमें नियोक्ता के 10 पद, योग्यता, 10 वीं, वेतनमान 14000-16000 आयु 18 से 35 वर्ष, कार्यक्षेत्र, बेमेतरा, साजा, नवागढ़, बेरला, आवेदक के पास स्मार्ट फोन व बाइक अनिवार्य है, सभी पद पुरुष आवेदक हेतु भर्ती किया जाना है। जिला रोजगार कार्यालय नियोजक (निजी संस्था) तथा आवेदक के मध्य एक प्लेटफार्म उपलब्ध कराता है तथा यह नियुक्ति केवल निजी क्षेत्र के संस्थाओं में कार्य हेतु किया जाता है। अतः पद, संस्था, कार्य, वेतन व अन्य पूर्ण जानकारी कैम्प में उपस्थित नियोजक या प्रतिनिधि से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है।

होटल संचालको के मध्य विवाद मामले में कार्रवाई

मारपीट प्रकरण में दोनो पक्षों से 5 आरोपी गिरफ्तार, योगेश दोसा एवं गौतम होटल के संचालकों के मध्य रंजिश प्रकरण

डोंगरगांव नगर । नगर में पखवाड़ेभर पुर्व गत माह 20 नवंबर की रात्रि श्रीरामद्वार चौक समीप विवाद एवं मारपीट प्रकरण में आखिरकार पुलिस ने कार्रवाई की है। प्रकरण में दोनों पक्षों योगेश दोसा एवं गौतम होटल के मारपीट के अधिकतर आरोपी गिरफ्तार किये गए हैं। उल्लेखनीय है कि होटल संचालकों के मध्य विवाद से उपजे मारपीट के मामले में नागपुर से कुछ लोग शामिल थे, जिनकी नागरिकों द्वारा गुर्गे समझकर पिटाई कर दी गई थी। पुलिस द्वारा आधिकारिक जानकारी मुताबिक 20 नवंबर की रात्रि में नगर के गौतम होटल के पास दो पक्षो में विवाद व मारपीट की सूचना पर मौके पर पुलिस की टीम पहुंची थी। मेनरोड स्थित योगेश दोसा एवं गौतम होटल के संचलको द्वारा पुरानी रंजिश को लेकर वाद विवाद एवं मारपीट होने की। पुष्टि हुई थी। मारपीट की घटना में प्रार्थी भान बाई यादव पति भानु यादव, 50 वर्ष, वार्ड 11 सिनेमा लाईन डोंगरगांव की रिपोर्ट पर अपराध क्र 361/25 बीएनएस की धारा 296, 115(2), 351(2), 191(2), 333 दर्ज की गई थी।

इसी प्रकार प्रार्थी योगेश देवांगन पिता त्रिलोचन देवांगन, 33 वर्ष, निवासी वार्ड 02 जेन्टस क्लब मैदान के पास डोगरगांव के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराने पर अपराध क्रमांक 363/2025 धारा 296 115(2), 191(2), 49, 109 बीएनएस एवं का अपराध कायम कर विवेचना में लिया गया था। पुलिस ने उक्त प्रकरण में पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा, एएसपी राहुल देव शर्मा व एसडीओपी दिलीप सिसोदिया के दिशानिर्देश में थाना प्रभारी निरीक्षक कृष्णा पाटले द्वारा टीम गठित कर अपराध की विवेचना एवं आरोपियों की पतासाजी की जा रही थी।

योगेश दोसा पक्ष से 2 गिरफ्तार

पुलिस की माने तो विवेचना दौरान अपराध क्रमांक 361/25 धारा 296, 115(2), 351(2), 191(2), 333 बीएनएस के आरोपी योगेश देवांगन पिता त्रिलोचन देवांगन, 33 वर्ष, निवासी डोंगरगांव तथा त्रिलोचन देवांगन, पिता स्व भरतलाल देवांगन, 62 वर्ष, निवासी डोंगरगांव को गिरफ्तार कर न्यायालय पेश किया गया है। इसके अलावा अन्य आरोपी नागपुर अस्तपाल में उपचाररत होने से गिरफ्तारी नही की जा सकी है।

गौतम हॉटल पक्ष से 3 गिरफ्तार

पुलिस ने बताया कि अपराध क्र 363/2025 धारा 296 115(2), 191(2), 49, 109 बीएनएस में आरोपी सुजल मोंगरे पिता विक्की कुमार मोंगरे, 19 वर्ष, साकिन इंदिरा आवास, शुभम सोनकर पिता स्व सुरेश सोनकर, 19 वर्ष, साकिन पवन ज्वेलर्स के सामने, राजेन्द्र यादव पिता स्व शंकर लाल यादव, 33 वर्ष, साकिन वार्ड 12, तीनों डोंगरगांव को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया है। प्रकरण में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी बाकी है।

संक्षिप्त समाचार

एसआईआर के विरोध में नई दिल्ली में 14 को जंगी प्रदर्शन छत्तीसगढ़ के कांग्रेसजन बड़ी संख्या में लेंगे भाग

रायपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर छत्तीसगढ़ के निर्वाचित विधायक, पार्षद, जिलाध्यक्ष सहित अनेक कार्यकर्ता 14 दिसंबर को दिल्ली में मतदाता सूची के गहन परिक्षण (एसआईआर) के विरूद्ध विशाल प्रदर्शन करेंगे। कांग्रेस के पूर्व विधायक विकास उपाध्याय ने बताया कि देश में वोट चोर गद्दी छोड़ का नारा कांग्रेस ने दिया है, जिसके तहत अब 14 दिसंबर को अखिल भारतीय के स्तर पर नई दिल्ली में धरना एवं प्रदर्शन किया जाएगा। इसमें छत्तीसगढ़ से प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज एवं जिलाध्यक्ष सहित अनेक पदाधिकारी शामिल होंगे। उन्होंने बताया कि वर्तमान में हवाई जहाज तथा ट्रेन सेवाएं बाधित हैं। इसलिए हम प्राईवेट टैक्सी एवं बस लेकर दिल्ली की ओर कुच करेंगे। प्रदेश में कांग्रेस कमेटी के बैनर तले एसआईआर का विरोध जारी है। छत्तीसगढ़ में 11 दिसंबर तक यह प्रक्रिया चलेगी। कुल मतदाता केन्द्र के अनुसार बीएलओ बनाए गएह हैं। मतदाता सूची 2003 को इसका आधार बनाया गया है। रायपुर में मोहल्ला बदलने वाले तथा शहर से विवाहिता महिलाएं अन्य स्थानों पर चली जाती है जिसके कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इस समय बीएलओ के द्वारा राजनीतिक दलों के एजेंट भी इसे सफल बनाने के लिए प्रयास कर रहे हैं।

छत्तीसगढ़ में ग्रीन बजट के लिए वित्त विभाग ने मांगे प्रस्ताव

रायपुर। छत्तीसगढ़ में पहली बार ग्रीन बजट आने वाला है. इस बजट में हरित निवेश एवं और संरचना जलवायु, परिवर्तन शमन अनुकूलन, प्रदूषण, स्वच्छता और परिपत्र व्यवस्था शामिल होगी, इसके लिए वित्त विभाग ने वरिष्ठ अफसरों से प्रस्ताव मंगाए हैं. छत्तीसगढ़ सरकार वित्त वर्ष 2025-26 के बजट में पहली बार ग्रीन बजट (हरित बजट) पेश करने की तैयारी में जुटी हुई है, जो राज्य के पर्यावरण संरक्षण और टिकाऊ विकास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। यह बजट न केवल पर्यावरण विभाग तक सीमित रहेगा, बल्कि कृषि, ऊर्जा, जल संसाधन और अन्य क्षेत्रों के खर्चों को पर्यावरणीय प्रभाव के आधार पर ट्रैक करेगा। वित्त विभाग ने अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारियों से ग्रीन बजट के लिए प्रस्ताव मंगाए हैं, ताकि अनुमानित राशि का संकलन हो सके। यह कवायद जेंडर बजट की तर्ज पर की जा रही है, जहां महिला-केंद्रित योजनाओं के साथ कम भागीदारी वाली योजनाओं को भी शामिल किया जा रहा है। ग्रीन बजट एक आधुनिक वित्तीय उपकरण है, जो सरकारी खर्चों को जलवायु परिवर्तन, नवीकरणीय ऊर्जा और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से जोड़ता है। भारत में केंद्र सरकार ने 2017-18 से ग्रीन बजट की शुरुआत की थी। अब कई राज्य जैसे महाराष्ट्र, कर्नाटक और तेलंगाना इसे अपना चुके हैं। छत्तीसगढ़ में यह पहला प्रयास होगा, जो राज्य के जंगलों (देश के 44 प्रतिशत वन क्षेत्र) और नदी-झीलों को ध्यान में रखते हुए विशेष रूप से प्रासंगिक है।

मजदूर का अपहरण कर दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

रायपुर। राजधानी रायपुर में एक मजदूर का अपहरण कर उसके साथ अप्राकृतिक कृत्य करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। रायपुर में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां ट्रेन पकड़ने आए एक युवक का अपहरण करके उसके साथ यौन शोषण किया गया। साथ ही पीड़ित की पिटाई कर उसका वीडियो बनाकर परिजनों से फिरौती मांगी गई। लेकिन किसी तरह जान बचाकर निकले युवक ने पुलिस से शिकायत की। मामले में कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पीड़ित युवक ने बताया कि रामानुजगंज से वह मजदूरी करने गुजरात के सूरत जा रहा था। इसके लिए वह ट्रेन पकड़ने रायपुर रेलवे स्टेशन पहुंचा था। इसी दौरान आरोपी गोविंद उर्फ गोविंदा धृतलहरे उससे मिला और उसे जल्द बस या ट्रेन की कनेक्टिविटी दिलवा देने का विश्वास दिलाकर अपने बाइक में बैठाकर ले गया। आरोपी उसे घुमाते हुए शहर से दूर एक अज्ञात स्थान पर ले गया और एक कमरे में बंधक बना लिया। पीड़ित ने बताया कि आरोपी उसे कमरे में ले जाकर पहले मारपीट करने लगा और विरोध करने पर धमकाया।

गांजा तस्करी करते तीन गिरफ्तार हुए

रायपुर। रायपुर जिले की अभनपुर पुलिस ने गांजा तस्करी करते 3 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों से 750 ग्राम गांजा जप्त किया है। मिली जानकारी के अनुसार एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट की टीम को सूचना प्राप्त हुई कि चार पहिया वाहन में सवार कुछ व्यक्ति वाहन में गांजा रखकर अभनपुर की ओर आ रहे है। जिस पर वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट तथा थाना अभनपुर पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा थाना अभनपुर क्षेत्रांतर्गत चण्डी मोड़ अभनपुर तिराहा के पास आरोपियों को पकड़ने हेतु नाकेबंदी पाईंट लगाया गया।

आपका मुख्यमंत्री आपके समाज के बीच का है, आपका भाई है....

आप आगे बढ़ें, सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ी है-मुख्यमंत्री साय

- बस्तर संभाग के सातों जिलों और नुवाबाट के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत कर दर्शकों को किया मंत्रमुग्ध
- बस्तर अब शांति, समरसता और समृद्धि की ओर अग्रसर-मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय

रायपुर/ संवाददाता

आपका मुख्यमंत्री आपके समाज के बीच का है, आपका भाई है....आप आगे बढ़ें, सरकार हर कदम पर आपके साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज बस्तर ओलिंपिक 2025 के तहत संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के शुभारंभ के अवसर पर संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री श्री साय ने आज जगदलपुर के स्थानीय इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में संभाग स्तरीय बस्तर ओलिंपिक का विधिवत शुभारंभ किया। उन्होंने समूचे बस्तर संभाग के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्चपास्ट प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि सरकार बस्तर के गांव-गांव तक विकास की धारा पहुंचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है, जिसके परिणामस्वरूप बस्तर अब शांति, समरसता और समृद्धि की ओर निरंतर अग्रसर हो रहा है और प्रदेश तथा देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर के युवाओं ने बड़ी संख्या में इस महती आयोजन में भाग लेकर इसे सफल और ऐतिहासिक बनाया है। सबसे अधिक हर्ष की बात यह है कि बस्तर ओलम्पिक में नुवाबाट के प्रतिभागियों ने भी उत्साहपूर्वक शामिल होकर इसे एक विशेष आयाम प्रदान किया है। बड़ी संख्या में बेटियों और बहनों की सहभागिता यह प्रमाणित करती है कि बस्तर में महिला सशक्तिकरण नई दिशा ले रहा है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सरकार बस्तर के युवाओं को समाज की मुख्यधारा से जोड़कर उन्हें विकास में सहभागी बनाने के लिए कटिबद्ध है। यही कारण है कि बस्तर के युवा लोकतंत्र में आस्था एवं विश्वास के साथ आगे आ रहे हैं और विकास यात्रा में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता के विजेता आने वाले समय में खिलाड़ियों के लिए रोल मॉडल बनेंगे। सरकार बस्तर के युवाओं को बेहतर अवसर एवं प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करेगी। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय ओलम्पिक स्पर्धाओं में गोल्ड, सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीतकर आने वाले खिलाड़ियों को क्रमशः तीन-तीन करोड़, दो करोड़ तथा एक करोड़ रुपए की सम्मान निधि प्रदान की जाएगी। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री श्री अरुण साव ने कहा कि बस्तर ओलम्पिक न केवल युवाओं को खेल के माध्यम से आगे बढ़ाने की पहल है।

ग्राम पचेड़ा के शारदा स्व सहायता समूह बनी अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा

- झरिया अल्कालाइन वाटर प्लांट से किया 22 लाख रूपए का व्यापार
- राज्योत्सव जैसे बड़े कार्यक्रम से लेकर शासकीय कार्यालयों में कर रहीं हैं आपूर्ति

रायपुर। संवाददाता

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विजन के अनुरूप लखपति दीदियां किस तरह अपने उद्यम से अपना संसार बदल रही हैं इसका सुंदर उदाहरण जिले के अभनपुर ब्लॉक के ग्राम पचेड़ा में झरिया अल्कलाइन वाटर बाटलिंग प्लांट चलाने वाली शारदा समूह की महिलाएं हैं। इन्होंने एक छोटी सी शुरूआत करते हुए अपना व्यवसाय खड़ा कर चुकी हैं और झरिया के नाम से अपना ब्रांड बना चुकी हैं। राज्योत्सव-2025 में इस समूह के द्वारा अल्कलाइन वाटर की सप्लाई की गई है। आज इनके द्वारा करीब 22 लाख रूपए का व्यापार कर लिया गया है। यह सब अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा बन रही है। हर दिन करीब 5 हजार बोतल पानी बनाने वाले इस प्लांट से अब मंत्रालय, जंगल सफारी, आईआईआईटी, एनआरडीए, पर्यावास भवन में भी सप्लाई होने लगी है। यह प्लांट नवा रायपुर अटल नगर विकास प्राधिकरण (एनआरडीए) और राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के संयुक्त प्रयास से स्थापित किया गया है। आधुनिक तकनीक से लैस इस प्लांट में दो प्रयोगशालाएं स्थापित की गई हैं, जहां जल की शुद्धता और उसका पीएच स्तर जो सामान्यतः 8 से 8.5 के बीच रखा जाता है- की नियमित जांच होती है। जल को 500 एमएल की काँच की बोतलों में पैक किया जाता हैयह प्लांट ग्रामीण महिलाओं के लिए जीवन बदलने वाली पहल है। इस परियोजना के माध्यम से महिलाओं को सीधा रोजगार मिला है।

नगर नगम ने वायु प्रदूषण नियंत्रण के लिए उठाए सकारात्मक कदम...

- जहां पर आम जनों की अधिक आवाजाही होती है, उन स्थानों पर प्राथमिकता के साथ वाटर मिस्ट व्हीकल को चलाया जाये- महापौर
- दो वाटर मिस्ट व्हीकल को हरी झंडी किया शुभारम्भ

रायपुर। संवाददाता

रायपुर नगर पालिक निगम ने राजधानी शहर रायपुर की वायु गुणवत्ता में सुधार की दिशा में एक महत्वपूर्ण और दूरदर्शी कदम उठाया। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) खड़गपुर द्वारा विकसित और परिक्षित अभिनव तकनीक प्रमिति को रायपुर नगर पालिक निगम ने आधिकारिक रूप से अपनाया है। इस तकनीक का शुभारंभ आज रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे द्वारा सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, आयुक्त श्री विश्वदीप, एमआईसी सदस्य श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर, सर्वश्री मनोज वर्मा, अवतार भारती बागल, भोलाराम साहू, अमर गिदवानी, नंदकिशोर साहू, खेम कुमार सेन, एमआईसी सदस्य प्रतिनिधि श्री संतोष हियाल सहित गणमान्यजनों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, अधीक्षण अभियंता श्री इमरान खान, सेवानिवृत्त अधीक्षण अभियंता संविदा श्री बी. एल. चंद्राकर, कार्यपालन अभियंता श्री प्रदीप यादव, श्री अंशुल शर्मा जूनियर, सहायक अभियंता श्री योगेश कडु, उप अभियंता श्री रमेश पटेल सहित अन्य अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में दो वाटर मिस्ट व्हीकल को हरी झंडी दिखाकर रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के समक्ष किया गया।

जीवन की सफलता केवल डिग्री लेने में नहीं, बल्कि संस्कृति एवं संस्कारों को अपनाकर जीवन जीने में-राजस्व मंत्री टंकराम वर्मा

मतदाता सूची का शुद्धीकरण

लोकतंत्र को मजबूत करने की दिशा में आवश्यक कदम-सांसद अग्रवाल

- सोनिया गांधी वोटर आईडी विवाद पर सांसद बृजमोहन का तीखा प्रहार 'दूध का दूध, पानी का पानी होना चाहिए

रायपुर। संवाददाता

रायपुर लोकसभा सांसद और वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल ने आज एक महत्वपूर्ण बयान जारी करते हुए कहा कि मतदाता सूची का समय-समय पर पुनरीक्षण लोकतांत्रिक व्यवस्था के स्वास्थ्य और पारदर्शिता के लिए अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया से न केवल मतदाता लाभान्वित होते हैं, बल्कि राजनीतिक दलों और चुनाव लड़ने वाले सभी प्रत्याशियों को भी इससे निष्पक्ष एवं विश्वसनीय वातावरण प्राप्त होता है। श्री अग्रवाल ने कहा कि, मतदाता सूची का शुद्धीकरण लोकतंत्र का पवित्रीकरण है। जब मतदाता सूची सही होती है तभी जनादेश की पवित्रता सुरक्षित रहती है। हम सबको, चाहे मतदाता हों, राजनीतिक दल हों अथवा उम्मीदवार—इस प्रक्रिया को सकारात्मक रूप से सहयोग देना चाहिए। इस मौके पर सांसद अग्रवाल ने विपक्ष के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी कई बार जनता के जनादेश को स्वीकार करने में हिचक दिखाती रही है। कांग्रेस अपनी लगातार हो रही पराजयों को समझने के बजाय अनावश्यक आपत्तियाँ और भ्रम फैलाने में लगी रहती है।

विभिन्नताओं को दूर करने नई गाइडलाइन दरों में बदलाव, रायपुर में जमीनों का नया रेट

रायपुर। छत्तीसगढ़ राज्य के रायपुर जिले में गाइड लाईन दरों का विगत आठ साल से पुनरीक्षण नही हुआ था। इस दौरान नगरीय निकाय विशेषकर रायपुर निगम के वार्डो का परिसीमन वर्ष 2019 एवं 2024 को दो बार हो चुका था। परन्तु उक्त दो बार हुए नगर निगम के वार्डो के परिसीमन के बावजूद अद्यतन परिसीमन अनुसार गाइड लाईन तैयार नही हुआ था। जिससे सम्पत्ति के वर्तममान वार्ड एवं गाइड लाइन का वार्ड भिन्न-भिन्न था। जिससे लोगों को सम्पत्ति के गाइड लाइन दर को जाने में अत्यधिक असुविधा एवं भ्रन्ति होती थी। जैसे नगर निगम रायपुर के वार्ड नं. 9 गाइड लाईन में वार्ड नं. 26 का क्षेत्र आता था. इसी प्रकार नगर निगम रायपुर के वार्ड नं. 7 गाइड लाईन में वार्ड नं. 26 एवं 27 का क्षेत्र आता था। ऐसे ही पूरे निगम क्षेत्र में वर्तमान परिसीमन का वार्ड क्रमांक एवं पूर्व प्रचलित गाइड लाईन के वार्ड क्रमांक/क्षेत्र में भिन्नताएं थी। वर्ष 2017-18 से अब तक रायपुर नगर निगम एवं उसके आस-पास के क्षेत्रों में अनेक प्रमुख मार्ग, कालोनी, व्यवसायिक क्षेत्र / काम्पलेक्स, औद्योगिक क्षेत्र, नवीन बसाहट आदि विकसित हो गये है।

मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना का दूसरा चरण शुरू हुआ......

- ग्रामीण परिवहन को नई रफ्तार : मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने किया योजना के द्वितीय चरण का शुभारंभ
- बस्तर और सरगुजा में परिवहन क्रांति, ग्रामीण बस योजना का विस्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर और सरगुजा अंचल के सुदूर वनांचलों में ग्रामीण परिवहन को नई दिशा देने वाली मुख्यमंत्री ग्रामीण बस योजना ने आज एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय से योजना के द्वितीय चरण का औपचारिक शुभारंभ किया तथा वर्चुअली हरी झंडी दिखाकर बसों को रवाना किया। दूसरे चरण में बस्तर और सरगुजा संभाग के 10 जिलों के 23 मार्गों पर 24 नई बसों का संचालन प्रारंभ हुआ है, जिससे 180 गांव सीधे बस सुविधा से जुड़ गए हैं। कार्यक्रम के द्वितीय चरण में शामिल अनेक ग्रामीण उसी बस में सवार होकर पहुंचे, जिसे योजना के प्रथम चरण में प्रारंभ किया गया था। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से आत्मीय चर्चा करते हुए बताया कि अब दूरस्थ इलाकों से ब्लॉक मुख्यालयों तक पहुंचना पहले की तुलना में काफी सहज और सुगम हो गया है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने धान खरीदी केंद्र पेन्ड्रा एवं कोडगार का किया व्यापक निरीक्षण

किसानों को पारदर्शी धान खरीदी व्यवस्था का दिया आश्वासन

रायपुर/ संवाददाता

गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले के प्रभारी एवं पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने जिले में धान खरीदी की व्यवस्था की समीक्षा और किसानों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए पेन्ड्रा और कोडगार स्थित धान खरीदी केंद्रों का विस्तृत निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने भुगतान प्रक्रिया, टोकन वितरण, किसान सेवा तथा धान के रख-रखाव की व्यवस्थाओं का बारीकी से जायजा लिया। मंत्री श्री अग्रवाल ने धान खरीदी समितियों के प्रबंधकों से कटा हुआ टोकन, किसानों की संख्या, धान उपार्जन की गुणवत्ता एवं उपलब्ध संसाधनों की स्थिति की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विशेष रूप से यह निर्देश दिया कि छोटे एवं सीमांत किसानों, जिनकी दो एकड़ तक की खेती है, उन्हें प्राथमिकता देते हुए टोकन जारी किए जाएं ताकि उन्हें लंबा इंतजार न करना पड़े और उनकी खरीदी सुगमता पूर्वक हो सके। श्री अग्रवाल ने कहा कि किसानों को खरीद केंद्रों के चक्कर नहीं काटने पड़ेंगे और पूरा सिस्टम पारदर्शी एवं सहज बनाया जाएगा। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि धान खरीदी केंद्रों में किसी भी प्रकार के कोचियों या बिचौलियों को प्रवेश नहीं दिया जाएगा, जिससे किसान सीधे समिति से अपना उचित मूल्य प्राप्त कर सकें। उन्होंने किसानों से संवाद करते हुए यह भी पूछा कि क्या उन्हें धान बेचने में किसी प्रकार की कोई समस्या या भुगतान में कोई बाधा तो नहीं आ रही है, तथा समिति वाले उनसे अवैध धन की मांग तो नहीं कर रहे। इसके साथ ही उन्होंने किसानों से कहा कि यदि किसी भी स्तर पर रिश्वत, दबाव या अनुचित व्यवहार हो तो वे तत्काल शिकायत करें। मंत्री श्री अग्रवाल ने किसानों को आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की

सरकार किसानों से एक-एक दाना धान खरीदने के लिए प्रतिबद्ध है। निरीक्षण के दौरान विधायक श्री प्रणव कुमार मरपच्ची, जिला पंचायत अध्यक्ष सुश्री समीरा पैकरा, कलेक्टर श्रीमती लीना कमलेश मंडावी एवं पुलिस अधीक्षक श्री एस आर भगत भी उपस्थित थे। उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठकर स्थिति की समीक्षा कर आवश्यक सुझाव दिए। इस दौरान स्थानीय अधिकारियों ने वर्तमान खरीदी प्रक्रिया के महत्व, उसमें आई चुनौतियों और उन्हें दूर करने के उपायों पर चर्चा की। मंत्री श्री अग्रवाल ने कहा कि सरकार की पहली प्राथमिकता किसानों के हितों की सुरक्षा और उन्हें सम्मानजनक मूल्य दिलाना है। धान उपार्जन केंद्रों में गुणवत्ता नियंत्रण एवं धान के सही रख-रखाव की व्यवस्था को और बेहतर बनाया जाएगा ताकि किसान का उत्पादन नष्ट न हो और उसका उचित बाजार मूल्य मिल सके। उन्होंने कहा कि डिजिटल एवं तकनीकी विधियों को अपनाकर धान खरीदी प्रक्रिया को पारदर्शी एवं त्वरित बनाया जाएगा। गौरेला पेन्ड्रा मरवाही जिले में धान खरीदी को लेकर जिम्मेदारी के उच्चतम स्तर पर काम किया जा रहा है। किसानों को उनके उत्पादन का उचित मूल्य दिलाने के लिए सरकार व विभाग सक्रिय है, जिससे जिले के कृषि क्षेत्र में मजबूती आएगी तथा ग्रामीण आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। मंत्री ने समस्त अधिकारियों को निर्देश दिए कि किसानों की समस्याओं को गंभीरता से लें और हर संभव सहायता दें।

संपादकीय

आठ दशकों की दोस्ती, भारत-रूस संबंधों का अगला अध्याय

भारत और रूस के बीच संबंधों का सफर करीब आठ दशक पुराना रहा है और अब तक दोनों देशों ने हर मौके पर एक-दूसरे के लिए सहयोग के दरवाजे खुले रखे हैं। इस लिहाज से देखें, तो रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत की दो दिवसीय राजकीय यात्रा एक मजबूत बुनियाद पर खड़े भारत-रूस के संबंधों को नया आयाम देने की नई कड़ी है।मगर पुतिन इस बार जिन परिस्थितियों में भारत आए और खुले मन से भारत की स्थिति को समझते हुए सहयोग को मजबूत करने के लिए साथ चलने पर सहमति जाहिर की, वह बेहद अहम है। यह छिपा नहीं है कि पिछले कुछ समय से अमेरिका की ओर से दंडात्मक शुल्क और प्रतिबंध लगाने की घोषणा से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक जटिल स्थिति पैदा हुई है। ऐसे में इसके असर के दायरे में आने वाले देशों के सामने अब नए विकल्प खोजने की चुनौती है। इसी क्रम में भारत और रूस शुक्रवार को दोनों देशों के बीच पहले से चली आ रही आर्थिक और व्यापारिक साझेदारी को मजबूत करने के लिए एक पंचवर्षीय योजना पर सहमत हुए हैं।हालांकि दोनों देशों के बीच परस्पर और दीर्घकालिक हितों पर आधारित संबंधों के अलावा एक पारंपरिक मित्रता का सहयोग भी हमेशा रहा है। मगर अब नए सिरे से भी भारत और रूस के बीच कई मसलों पर सहमति बनी है। पुतिन के साथ बातचीत के बाद रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और आर्थिक सहयोग जैसे अहम क्षेत्रों में साझेदारी को और मजबूत करने पर जोर दिया गया।इसके अलावा, आप्रवासन, स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा, खाद्य सुरक्षा, खाद और समुद्री सहयोग से संबंधित कई अहम समझौते हुए हैं। यह उम्मीद भी जताई गई है कि वार्षिक द्विपक्षीय व्यापार को बढ़ा कर सौ अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाया जाएगा। दुनिया भर में जिस तरह नवनिर्माण के लिए लोगों की जरूरत बढ़ी है, उसके मद्देनजर भी दो समझौते हुए हैं, जिसमें दोनों देशों में मानव श्रम की आवाजाही एक नई शक्ति और अवसर का वाहक बनेगी।वहीं, रूस तेजी से बढ़ती भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए ईंधन की निर्बाध आपूर्ति जारी रखने के लिए तैयार है और वह 'मेक इन इंडिया' में भी सहयोग करेगा। साथ ही, ध्रुवीय जल में भारतीय नाविकों को प्रशिक्षित करने के लिए सहयोग, साजो-सामान के साथ-साथ हिंद महासागर के मार्ग पर भी जिस तरह बात आगे बढ़ने की संभावना है, वह सहयोग के नए आयाम तैयार कर सकता है।

पुतिन की भारत यात्रा - रूस के साथ सोलह ऐतिहासिक समझौतों पर हस्ताक्षर - तीन घोषणाएँ भी लेकिन भोज को लेकर भारत में सत्ता और विपक्ष के बीच तकरार भी

रमेश शर्मा

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा में हुये समझौतों से अमेरिका सहित विभिन्न यूरोपीय देश विश्व के भावी शक्ति संतुलन की समीक्षा कर रहे हैं, वहीं राष्ट्रपति द्वारा पुतिन के सम्मान में दिये गये भोज को लेकर सत्ता और विपक्ष के बीच नई तकरार आरंभ हो गई है। काँग्रेस का कहना है कि इस भोज में श्री राहुल गाँधी और श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को नहीं बुलाया जाना लोकतंत्र की गरिमा के विरुद्ध है। हालांकि इस भोज में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता श्री शशि थरूर शामिल हुये थे।

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन दो दिवसीय भारत यात्रा के बाद मॉस्को लौट गए हैं। उनकी यह यात्रा देश और दुनियाँ में नई बहस का विषय बन गई है। पुतिन की इस यात्रा में दोनों देशों के बीच कुल 16 समझौतों पर हस्ताक्षर हुये और तीन अन्य विषयों पर सहमति भी बनी। श्री पुतिन की यह यात्रा साधारण परिस्थिति में नहीं थी और न दोनों के देशों के बीच हुये समझौते ही साधारण हैं। रूस और यूक्रेन युद्ध के बाद अमेरिका और यूरोप के अधिकांश देश रूस पर दबाव बना रहे हैं। दूसरी ओर भारत की अर्थ व्यवस्था में समृद्धि के बाद अमेरिका ने भारत को घेरने केलिये एक ओर टैरिफ बढ़ाया और अन्य देशों पर यह दबाव भी बनाया कि वे भारत को तेल न दे। अमेरिका यहीं रुका उसने चीन की ओर भी अपने रूख में नरमी दिखाई और बंगलादेश के सत्ता परिवर्तन में चीन के साथ मिलकर अभियान चलाया। बंगलादेश की नई सरकार भारत की कट्टर विरोधी है। इस अंतराष्ट्रीय समीकरण के बीच रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की भारत यात्रा हुई। प्रधानमंत्री श्रीनरेंद्र मोदी से बातचीत के बाद श्री पुतिन ने भारत को कच्चा तेल, नैचुरल गैस, रिफाइनिंग पेट्रोकेमिकल और न्यूक्लियर क्षेत्र में सप्लाई बढ़ाने की घोषणा की और संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में भारत को स्थायी सीट देने का समर्थन करने की घोषणा भी की। इसके साथ वर्ष 2026 में होने वाली ब्रिक्स देशों की बैठक की अध्यक्षता भारत को देने का भी समर्थन किया। पुतिन की इस यात्रा और हुये इन समझौतों से एक बात बिल्कुल स्पष्ट है कि भारत और रूस दोनों ने अमेरिका और यूरोपीय देशों के किसी दबाव की कोई परवाह नहीं की।

भारत और रूस के बीच प्रमुख समझौते – रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की इस यात्रा में भारत और रूस के बीच सोलह बड़े समझौतों पर हस्ताक्षर हुये और तीन अन्य विन्दुओं पर सहमति बनी। जो बड़े समझौते हुये उनमें कच्चे तेल का आयात, रक्षा आयुध निर्माण और तकनीकि अनुसंधान में साझेदार और न्यूक्लियर प्लांट लगाने में सहयोग जैसे विन्दु हैं। सिविल न्यूक्लियर क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने का भारत को अधिक लाभ मिलेगा। अभी भारत के अधिकांश बिजली संयंत्र कोयले पर आधारित हैं। भारत इन्हें छोटे न्यूक्लिअर रिएक्टर प्लांट्स में बदलना चाहता है। रूस अब भारत को सहयोग करेगा। इससे भारत को अपने 2047 के लक्ष्य को पूरा करने में सहायता मिलेगी। भारत ने वर्ष 2047 तक छोटे न्यूक्लियर रिएक्टर्स से 100 गीगावाट बिजली बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया है। भारत इस तकनीक से अभी केवल आठ गीगावाट बिजली ही बना पा रहा है। एक अन्य समझौता आपसी व्यापार पर हुआ। अब दोनों देश नौ लाख करोड़ रुपये तक लेकर जाएंगे। इसमें रूस भारतीय सामान की खरीदारी बढ़ायेगा।अभी दोनों देशों के बीच 5 लाख 80 हजार करोड़ रुपये का सालाना व्यापार होता है, जिनमें भारत द्वारा रूस से 5 लाख 39 हजार करोड़ रुपये का सामान खरीदा जाता है और रूस केवल 41 हजार करोड़ रुपये का सामान भारत से खरीदता है। इससे भारत को भारी घाटा होता है। एक समझौता यह भी हुआ कि भारत और रूस मिलकर युद्धक सामग्री का निर्माण भी करेंगे। अब तक भारत रूस से हथियार खरीदता था लेकिन अब दोनों मिलकर हथियार बनायेंगे। भारत अब मेक इन इंडिया के तहत रिसर्च एंड डेवलपमेंट, को-डेवलपमेंट और को-प्रोडक्शन पर जोर देगा। भारत अब रशिया से तकनीक लेकर अपने ही देश में बना सकेगा। एक समझौता स्पेस सेक्टर को लेकर हुआ। जिसके अंतर्गत दोनों देश अंतरिक्ष में मानव को भेजने की तकनीक पर साथ काम करेंगे। इससे दोनों देशों के बीच नेविगेशन, डीप स्पेस और रॉकेट इंजन के विकास करने का भी हुआ।

एक समझौता दोनों देशों द्वारा अपनी आवश्यकतानुसार एक दूसरे को श्रम शक्ति की आपूर्ति करने, गैर कानूनी तौर पर श्रमिकों की आवाजाही को रोकने में सहयोग करने का हुआ। इससे भारतीय प्रतिभा को रूस में काम करने का रास्ता खुला। अब भारतीय लोगों को रूस में काम करने के नए अवसर मिलेंगे। क्षेत्रफल की दृष्टि से रूस दुनियाँ का सबसे बड़ा देश है लेकिन उसकी जनसंख्या केवल 15 करोड़ है। वहां कामगारों का भी संकट है। इस समझौते से भारत के दस लाख लोगों को रूस में नौकरी मिलने के द्वार खुले हैं। चूँकि अमेरिकी कंपनिया अपने यहाँ छटनी कर रही हैं। इसका सीधा प्रभाव भारतीय युवाओं पर पड़ा है। एक समझौता भारत और रूस द्वारा मिलकर युद्धक सामग्री का निर्माण करने का हुआ। अब तक भारत रूस से हथियार खरीदता था लेकिन अब रूस भारत के साथ तकनीकि भी साझा करेगा और दोनों देश मिलकर हथियार बनायेंगे। भारत अब मेक इन इंडिया के तहत रिसर्च एंड डेवलपमेंट, को-डेवलपमेंट और को-प्रोडक्शन पर जोर देगा। भारत अब रशिया से तकनीक लेकर अपने ही देश में बना सकेगा। एक समझौता स्पेस सेक्टर को लेकर हुआ। जिसके अंतर्गत दोनों देश अंतरिक्ष में मानव को भेजने की तकनीक पर साथ काम करेंगे। इससे दोनों देशों के बीच नेविगेशन, डीप स्पेस और रॉकेट इंजन के विकास का सहयोग बढ़ेगा।

एक अन्य समझौता रूसी कंपनी जेएशजी ऊरलकेम और भारत की राष्ट्रीय केमिकल्स व फर्टिलाइजर्स लिमिटेड के बीच हुआ इसके अनुसार अब भारतीय कंपनी को रूस में उर्वरक प्लांट लगा सकती है।

आतंकवाद के खिलाफ भी दोनों देशों के बीच सहमति बनी है और राष्ट्रपति पुतिन ने कहा है कि वो आतंकी फंडिंग को रोकने और उन पर प्रतिबंध लगाने के लिए भारत के साथ मिल कर काम करेंगे। इसी मुलाकात में ये भी ऐलान हुआ है कि भारत और रूस के बीच अधिक से अधिक व्यापार भारत की करेंसी रुपये और रूस की करेंसी रूबल में होगा। एक समझौता इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर बनाने पर हुआ। ये कॉरिडोर मुम्बई को ईरान के चाबहार पोर्ट होकर सड़क के रास्ते ईरान के उत्तरी छोर पर पहुंचेगा और वहां से समुद्र के रास्ते ये रूस को इस कॉरिडोर से जोड़ेगा। यह कॉरिडोर बन जाने के बाद भारत से रूस सामान पहुंचाने में 20 से 25 दिन ही लगेंगे। जबकि अभी 30 से 35 दिन लगते हैं।

भोज के आमंत्रण पर सत्ता और विपक्ष के बीच तकरार – रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यह भारत यात्रा ब्रिटेन से लेकर अमेरिका और पाकिस्तान से लेकर सऊदी अरब तक के मीडिया की सुर्खियों में रही। अमेरिका और चीन ने सबसे टेड़ी नजर से देखा। ऐसी ही तिरछी नजर भारतीय विपक्ष की भी देखी गई। पुतिन की इस यात्रा पर विपक्ष ने कुछ प्रश्न उठाये और मीडिया से साँझा भी किये। लेकिन राष्ट्रपति भवन में पुतिन के सम्मान में दिये गये भोज को विपक्ष ने मुद्दा बनाया और श्री राहुल गाँधी और श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को निमंत्रण न देने को लोकतांत्रिक परंपराओं का हनन बताया। काँग्रेस का कहना है कि श्री राहुलगाँधी लोकसभा में और श्री मल्लिकार्जुन खड़गे राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। इसलिये प्रोटोकॉल के नाते इन दोनों की भेंट रूस के राष्ट्रपति के साथ सुनिश्चित की जाना चाहिए थी और भोज का आमंत्रण दिया जाना चाहिए था। हालाँकि सत्ता पक्ष ने भले श्री राहुल गाँधी और श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को आमंत्रित नहीं किया लेकिन उनकी पार्टी के वरिष्ठ नेता श्री शशि थरूर को आमंत्रण भेजा गया था। वे भोज में शामिल भी हुये। लेकिन काँग्रेस इससे संतुष्ट नहीं थी। उसका जोर श्री राहुल गाँधी और श्री मल्लिकार्जुन खड़गे पर ही बना रहा। काँग्रेस ने लोकतंत्र हनन होने और सरकार पर तानाशाह का आरोप दोहराया। हालाँकि राष्ट्रपति भवन की ओर से स्पष्ट किया गया है कि यह राष्ट्रपति जी का अधिकार है कि वे किसे बुलाते हैं और किसे नहीं। दूसरी ओर सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया कि विदेशी राष्ट्रपति से भेंट का निर्णय भारत सरकार ने नहीं लिया था, यह तो उन देशों का ÷प्रोटोकॉल÷ करता है। यह अतिथि की इच्छा पर निर्भर करता है कि वे किससे भेंट करें और किस से नहीं।

राष्ट्रपति भवन और भारत सरकार का स्पष्टीकरण अपनी जगह हैं। लेकिन राजनैतिक गलियारों में श्री राहुल गाँधी और श्री मल्लिकार्जुन खड़गे को न बुलाये जाने के तीन कारण माने जा रहे हैं। इनमें सबसे पहला श्री राहुल गाँधी द्वारा अपनी विदेश यात्राओं में भारत सरकार की आलोचना को माना जा रहा है। इसी वर्ष श्री राहुल गाँधी दो बार अमेरिका गये। उन्होंने अपनी दोनों यात्राओं में लगभग वे सभी आरोप दोहराये जो वे देश के भीतर दोहराते हैं। वे कहते हैं कि लोकतांत्रिक मूल्य समाप्त हो गये, संविधान खतरे में है तथा अर्थ व्यवस्था गिर रही है। इस आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता कि भोज के दौरान भी श्री राहुल गाँधी ऐसा कुछ बोल सकते थे। इससे वातावरण प्रभावित होता। दूसरा उनकी ऐसे अमेरिकी नेताओं से तथाकथित बढ़ती निकटता मानी जा रही है। जो रूस के विरुद्ध हैं। यह माना जाता है कि श्री राहुल गाँधी के ÷अंकल÷ सैम पित्रोदा और जार्ज सोरेस के बीच निकटता है। चूँकि राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की यह भारत यात्रा अमेरिका और चीन की रणनीति में सेंध लगाने वाली थी। संभव है इसलिये हो सकता है कि भारत सरकार ने सावधानी बरती हो। और तीसरा कारण महत्वपूर्ण कार्यक्रमों में श्री राहुल गाँधी का अनुपस्थित रहना भी माना जा रहा है। इनमें गणतंत्र दिवस समारोह और सीजेआई शपथ ग्रहण समारोह जैसे कार्यक्रम शामिल हैं। विदेशी अतिथि के आगमन पर आमंत्रितों का स्थान सुनिश्चित रहता है। उसपर नेम प्लेट लगती है। यदि कोई अनुपस्थित रहता है तो वह चेयर खाली रहती है। श्री राहुल गाँधी अनुपस्थित रहते तो यह गरिमा के अनुकूल नहीं होता।

अब कारण कुछ भी हो, सत्य चाहे जो हो लेकिन भारत सरकार ने पूरी रणनीति से काम लिया। श्री शशि थरूर को आमंत्रित करके प्रमुख प्रतिपक्षी दल का प्रतिनिधित्व भी हो गया और बिना किसी आशंका के समझौते भी हो गये। इस भोज में श्री शशि थरूर ने जो भी चर्चा की वह भारत की विदेश नीति के अनुरूप थी। श्री शशि थरूर वही राजनेता हैं जिन्हें भारत सरकार ने पुलवामा आतंकी घटना और सर्जिकल स्ट्राइक के बाद सर्वदलीय प्रतिनिधि मंडल में विदेश भेजा था। विदेश जाकर श्री शशि थरूर ने वही सब कहा जो भारत सरकार का पक्ष था। हालाँकि भारत के भीतर श्री राहुल गाँधी और श्री मल्लिकार्जुन खड़गे का कथन बहुत अलग था। लेकिन श्री शशि थरूर ने विदेश जाकर पार्टी लाइन के बजाय सरकार की लाइन के अनुरूप बात कही।

वस्तुतः इन भारतीय राजनीति में सत्ता और विपक्ष के बीच एक नये तनाव का स्वरूप उभर रहा है। हरेक विन्दु पर सरकार की आक्रामक आलोचना करना और मीडिया में प्रमुख स्थान बनाना विपक्ष का पहला प्रयास होता है। विपक्ष छोटे से छोटे विन्दु को भी इतनी आक्रामकता से प्रस्तुत करते हैं कि वह मीडिया में सुर्खी बने। उसी की झलक श्री पुतिन की इस यात्रा में रही। विपक्ष ने पुतिन की यात्रा में हुये समझौतों का विश्लेषण करके कोई बात नहीं की। केवल भोजन के आमंत्रण को मुद्दा बनाकर मीडिया में स्थान बनाया और वे चर्चा में बने रहे।

बदनाम हुए तो क्या, नाम तो हुआ

(अक्षय शुक्ला)

बधाई हो! प्रदूषण में नंबर वन बनने के बाद अब नोएडा को एक और तमगा मिल गया है, यातायात नियम तोड़ने वालों में अव्वल आने का। यातायात निदेशालय ने एक आरटीआई के जवाब में बताया है कि साल के पहले दस महीनों में यूपी में ट्रैफिक रूल तोड़ने के सवा करोड़ से अधिक चालान हुए हैं। इनमें 19 लाख से अधिक चालान के साथ नोएडा टॉप पर तो 10 लाख से अधिक चालान के साथ गाजियाबाद तीसरे नंबर पर। ये सब तो ई-चालान के वो आंकड़े हैं जो गाड़ी नंबर के आधार पर रेकॉर्ड में आए हैं, वरना उल्लंघन तो इससे कई गुना अधिक होता है।

नोएडा क्या, एनसीआर के किसी भी शहर में चले जाएं, हर दूसरा शख्स बिना हेल्मेट, बगैर सीट बेल्ट, गलत दिशा में जाते और सिग्नल जंप करता दिख जाएगा। रफ्तार और नशे के कॉकटेल के मामले भी कम नहीं। मोबाइल पर बात करते ड्राइव करना और नो पार्किंग में गाड़ी खड़े करना भी लोगों को कूल लगता है। ताज़ा बुखार चढ़ा है एसयूवी से स्टंट का। हालांकि नोएडा में ऐसा करने वाली डेढ़ सौ से अधिक गाड़ियों पर इस साल 37 लाख रुपये के चालान का दावा पुलिस कर रही है। दावे तो बहुत हैं, पर हकीकत यह है कि हाई सिक्यॉरिटी नंबर प्लेट ज़रूरी होने के बावजूद कई गाड़ियां ऐसे स्टाइलिश नंबर लिखे दौड़ती दिखती हैं, जो आसानी से पढ़े ही नहीं जा सकते। कुछ तो इनसे भी आगे हैं, जो नंबर प्लेट की जगह बड़े-बड़े अक्षरों में अपनी जाति का ऐलान करते हुए निकलते हैं। फिर एक वर्ग है उनका जो नियम कानून को जेब में रखकर चलना अपनी शान समझते हैं। इनकी पहचान है गहरे काले शीशों वाली गाड़ी, जिसके आगे राजनीतिक दलों का झंडा लहराता रहता है, जिसके बाद ये बेखौफ घूमते हैं। मानो हर नियम तोड़ने का ग्रीन सिग्नल हो यह झंडा। कई जगह होता भी यही है, ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को ये गाड़ियां दिखती ही नहीं। दिखें भी तो कैसे, ऊपर से डंडा पड़ने का डर जो है। जानता नहीं मेरा बाप कौन हैज.. कहने वाले इन महानुभावों से आंखें चुराते हुए पुलिसकर्मी दोपहियां वालों को पकड़ने में ही अपनी ताकत लगाए रखते हैं।

सालाना रेकॉर्ड दिखाने के लिए बीच-बीच में यातायात सुरक्षा माह चला दिया जाता है। जैसे अभी नवंबर में किया, जिसमें नोएडा में तीन लाख से अधिक चालान और 500 से अधिक गाड़ियां ज़ब्त की गईं। गाजियाबाद में भी ऐसे ही अभियान में दो लाख से अधिक चालान तो फरीदाबाद में 40 हज़ार से अधिक वाहनों से करीब 30 लाख रुपये जुर्माना वसूला गया।

इनमें सबसे अधिक चालान बिना हेलमेट चलने वाले दोपहिया चालकों के हुए हैं। यह तब है, जब सड़क हादसों के सबसे ज्यादा शिकार यही होते हैं। इन्हें जागरूक करने के लिए हेलमेट के बिना पेट्रोल न देने का नियम भी बनाया गया, पर मजाल है कोई सुधर जाए। हेलमेट को लोगों ने सुरक्षा के बजाय चालान से बचने का साधन बना लिया है। उसे गोद में रखकर चलते हैं, जहां ट्रैफिक पुलिसकर्मी दिखा या तेल भरवाना हो तो पहन लिया या कहें सिर पर रख लिया जो न होने के ही बराबर है। गिरे तो सबसे पहले हेलमेट ही सिर से उछलकर दूर गिरता है।

हम नहीं सुधरेंगे की टैगलाइन लगाकर निकलने वाले इन जांबाज़ों की बदौलत ही आपके शहर का नाम रोशन हुआ है। अब आप और हम कितने भी नियम फॉलो करते रहें, किसी को कोई फर्क नहीं पड़ता। चलिए, सफाई में न सही, प्रदूषण और ट्रैफिक रूल तोड़ने में तो अव्वल आए। यही सोचकर खुश हो लें कि बदनाम हुए तो क्या हुआ, नाम तो हुआ।ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।

आक्रान्ता के नाम पर खंजर भौंपने की चाल

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

जीवन के विभिन्न सोपानों को सुव्यवस्थित करने हेतु समूची दुनिया में देश, काल और परिस्थितियों के अनुरूप अनुशासन निर्धारित किये गये थे। इन्हीं अनुशासनों ने मान्यताओं, रीतियों और परम्पराओं के रास्ते आगे बढते हुए रूढियों का रूप ले लिया। क्षेत्र विशेष के चालाक लोगों ने विलासता भरी स्वार्थपूर्ति हेतु रूढियों को अन्धविश्वास में बदला और भय दिखाकर कट्टरता की स्थापना कर दी। स्थान विशेष से निकल कर समूचे संसार में जीवकोपार्जन के लिए पहुंचे लोगों ने अपने साथ अपनी क्षेत्रीय मान्यताओं को भी विस्तार देना प्रारम्भ किया।

कहीं प्यार से तो कहीं भय दिखाकर, कहीं लालच देकर तो कहीं जबरजस्ती, कहीं बलपूर्वक तो कहीं मनगढन्त चमत्कारों की कहानियां सुनाकर, कहीं तर्क-वितर्क-कुतर्क का सहारा लेकर तो कहीं हत्या की धमकी देकर इस तरह के प्रयास होते रहे। आक्रान्ताओं के जुल्मों से नष्ट हुई क्षेत्रों की सांस्कृतिक विरासत ने समय मिलते ही अपनी पुनर्स्थापना के प्रयास शुरू कर दिये जिसे आक्रान्ताओं के गुलामों की पीढियों ने थोपी गई पद्धति के पक्ष में विरोध करना प्रारम्भ कर दिया। षडयंत्र के तहत कट्टरता की थाथी को विस्तार देने में लगी मानवता विरोधी जमातों ने थोपी गई संस्कृति, बाध्यता के कारण स्वीकारी गई मान्यताओं और मनगढन्त व्याख्याओं को प्रचारित करने हेतु अभियान चलाया। अतीत के दुःखद संदर्भो को मनमाने ढंग से जीवित रखा गया। एक वर्ग विस्तारवादी नीतियों पर आमादा हुआ तो दूसरा पुरातन के पुनर्जागरण में लग गया। सत्ता सुख के लालची लोगों ने समाज सेवा के क्षेत्र का पैसों की चमक से अतिग्रहण कर लिया। क्षेत्रीय संस्कृति को आस्था और आस्था को धर्म से जोडा जाने लगा। षडयंत्रकारियों की एक बडी जमात मीरजाफर बनकर अपने ही देश का सौदा करने में जुट गई। इतिहास गवाह है कि ऐसे मीर जाफरों का दुःखद अंत होता रहा परन्तु लालची दलालों ने सौदागरों की भूमिका का परित्याग नहीं किया। ऐसे लोगों को आयातित संस्कृतियों के मूल स्थान से सहायता, सहयोग और संसाधन मिलते रहे। परिणामों के रूप में समूचे संसार को आतंकी, दहशदगर्दो और कट्टरपंथियों की बढती जमातें मिलीं जिन्होंने अवसर मिलते ही पूर्व निर्धारित षडयंत्रों को मूर्त रूप देना शुरू कर दिया। बरगलाकर गजवा-ए-दुनिया का इकबाल बुलंद करने वालों की संख्या बढाई जाती रही। अनेक मुस्लिम राष्टों में गैर मुस्लिम लोगों को प्रताडित किया जाने लगा, उपयोग की वस्तु समझा जाने लगा और किया जाने लगा उनका खुला शोषण। संयुक्त राष्ट संघ के मूलभूत उद्देश्यों की दबाव के हथियारों से हत्या होती चली गई। मानवाधिकार जैसे शब्दों को भाषणों, पुस्तकों और कथानकों तक सीमित कर दिया गया। मालूम हो कि बंगाल में विधान सभा के चुनाव सन् 2026 में प्रस्तावित हैं। ऐसे में बिहार से सीख लेकर एनडीए के विरोधी दलों की शह पर अयोध्या विवाद को पुनः हवा दी जाने लगी है ताकि वोटों का ध्रवीकरण किया जा सके। उल्लेखनीय है कि उत्तर प्रदेश के अयोध्या शहर में 6 दिसंबर 1992 को ही विवादित ढांचा गिराया गया था जिसे एक वर्ग बाबरी मस्जिद के रूप में मान्यता देता रहा है जबकि न्यायालय द्वारा उसे प्रमाणों के आधार पर रामजन्म भूमि के रूप में घोषित किया जा चुका है। न्यायालय के फैसले के बाद से ही षडयंत्रकारियों की एक बडी जमात देश को पुनः साम्प्रदायिक आग में झौंकने की तैयारी में जुट गये थे। सफेदपोश धन-पशुओं ने मानवता पर पुनः कुठाराघात करने के लिए वही 6 दिसम्बर की तारीख का चयन किया और पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले के रेजीनगर में अयोध्या की बाबरी मस्जिद के मॉडल पर आधारित एक मस्जिद की नींव रखवा दी। इस हेतु तृणमूल कांग्रेस के कद्दावर नेता और विधायक हुमायूं कबीर को दायित्व सौंपा गया था। पश्चिम बंगाल सरकार ने देश के सौहार्द को बिगाडने वाले इस आयोजन को पूरा संरक्षण दिया। हुमायूं ने आयोजन मंच से जमकर जहरीले तीर चलाये। कभी संविधान की दुहाई पर उपासना स्थल के निर्माण के नाम पर अपने कृत्य को जायज ठहराया तो कभी 33 साल पुरानी विवादित ढांचे गिराने वाली घटना को जख्म बताया। कभी देश की 40 करोड़ मुस्लिम बसाहट की ताकत दिखाई तो कभी राज्य में चार करोड़ मुसलमानों का भय। आयोजन मंच पर सऊदी अरब के धार्मिक नेताओं को बुलाकर कट्टरता का दिग्दर्शन करने वाले आयोजक ने रामजन्म मंदिर के निर्माण की रीति अपनाई और ईंटों का प्रतीकात्मक संग्रह किया। क्रूर आक्रान्ता बाबर के नाम पर विकसित होने वाले 25 बीघा के विशाल परिसर में मुख्य मस्जिद तीन कट्ठा जमीन पर बनाने की योजना है। इस पूरे स्थल को 300 करोड से अधिक धनराशि से विकसित करने घोषणा करते हुए हुमायूं ने गुप्त दान के रूप में एक मुस्त 80 करोड मिलने का दावा भी किया। पुरातन संस्कृति के ऊपर आयातित रीतियों को थोपकर कट्टरता परोसने वालों के मंसूबों को सुखद कदापि नहीं कहा जा सकता। संख्याबल के साथ-साथ धनबल को रेखांकित करने वाले हुमायूं ने क्रूर आक्रान्ता के नाम पर देश की छाती पर एक और खंजर भौंपने की चाल को मूर्त रूप दे दिया और सरकारें अपने संविधान की बेडियों में कैद होने का रोना रोतीं रहीं। देश में जब तक धर्म के नाम पर आस्था के साथ खिलवाड होता रहेगा तब तक कट्टरता को समाप्त करना असम्भव नहीं तो कठिन अवश्य है। इस हेतु निजिता से जुडी श्रद्धा को नितांत व्यक्तिगत कारक माने बिना वैचारिक परिवर्तन नहीं हो सकता। धार्मिक कट्टरता का उन्माद फैलाने वालों को चिन्हित करके उनके विरुद्ध कडी कार्यवाही होना ही चाहिए तभी विकास के वास्तविक स्वरूप के दिग्दर्शन हो सकेंगे। इस बार बस इतना ही। अगले सप्ताह एक नई आहट के साथ फिर मुलाकात होगी।

सीएम साय ने संभाग स्तरीय बस्तर ओलम्पिक का किया विधिवत शुभारंभ

जगदलपुर। बस्तर ओलम्पिक 2025 के तहत संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का स्थानीय इंदिरा प्रियदर्शिनी स्टेडियम में विधिवत शुभारंभ करते हुए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने समूचे बस्तर संभाग के खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान बस्तर संभाग के सभी सातों जिलों के खिलाड़ियों ने आकर्षक मार्च पास्ट प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रतियोगिता शुभारंभ समारोह को सम्बोधित करते हुए कहा कि बस्तर के युवाओं ने इतनी बड़ी संख्या में स्पर्धा में भाग लेकर इस महत्ती आयोजन के सहभागी बने। सबसे ज्यादा खुशी की बात यह है कि बस्तर ओलम्पिक में नुआ बाट के अधिकाधिक प्रतिभागियों ने शामिल होकर इसे ऐतिहासिक बना दिया है। साथ ही बड़ी संख्या में हमारी बेटियां और बहनें हिस्सा लेकर महिला सशक्तिकरण को साबित कर रही हैं। सरकार बस्तर के युवाओं को समाज की मुख्यधारा में शामिल कर विकास में सहभागी बनाने के लिए कटिबद्ध होकर कार्य कर रही है। यही वजह है कि बस्तर के युवा लोकतंत्र में आस्था एवं विश्वास से जुड़ रहे हैं, वहीं विकास के मार्ग में आगे आकर भूमिका निभा रहे हैं। बस्तर ओलम्पिक खेल प्रतियोगिता के विजेता विकास के मॉडल होगें। भविष्य में बस्तर के खिलाड़ी ओलम्पिक में मेडल हासिल कर आएं, इस दिशा में सरकार यहां के युवाओं को बेहतर अवसर तथा प्रशिक्षण प्रदान करेगी और सरकार अंतरराष्ट्रीय स्तर के ओलम्पिक प्रतिस्पर्धा में गोल्ड मेडल, सिल्वर मेडल एवं ब्रॉन्ज मेडल जीतने वाले खिलाड़ियों को तीन-तीन करोड़ एवं दो करोड़ रुपए की सम्मान निधी प्रदान करेगी। सरकार बस्तर के गांव-गांव में विकास की धारा पहुंचे, इस दिशा में सरकार हर संभव प्रयास कर रही है, जिससे अब बस्तर शान्ति-समरसता और समृद्धि की ओर निरन्तर अग्रसर होकर प्रदेश एवं देश के विकास में सहभागी बन रहा है। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने कहा कि बस्तर प्राकृतिक संसाधनों से परिपूर्ण है और इस धरा का समग्र विकास करने के लिए सार्थक प्रयास किया जा रहा है। बस्तर ओलम्पिक यहां के युवाओं को खेल की दृष्टि से आगे बढ़ाए जाने की पहल के साथ उन्हें विकास में सहभागिता निभाने प्रोत्साहित करना है।

बस्तर में खेल के अधोसंरचना को और बेहतर किया जाएगा, ताकि खिलाडियों को उचित मंच दिया जा सके। उन्होंने खिलाड़ियों को प्रेरित करते हुए कहा कि खेल जितना सिखाता है हार से भी हमको अच्छा करने की प्रेरणा देता है। इस दौरान उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और कहा कि बस्तर ओलम्पिक युवाओं को विकास के मुख्यधारा से जोड़ने का सकारात्मक प्रयास है। सरकार इस दिशा में लगातार पहल कर बस्तर के अंदरूनी ईलाके के युवाओं को ज्यादा मौके देकर उन्हें प्रोत्साहित कर रही है। भविष्य में इस दिशा में और बेहतर पहल किया जाएगा। इस अवसर पर वन मंत्री केदार कश्यप और ओलम्पिक में ब्रॉन्ज मेडल सहित अन्य अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में पदक जीतने वाली खिलाड़ी पद्मश्री एमसी मेरीकॉम ने भी बस्तर ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें अपनी शुभकामनाएं दीं।संचालक खेल एवं युवा कल्याण तनुजा सलाम ने स्वागत उद्बोधन में अवगत कराया कि बस्तर ओलम्पिक के संभाग स्तरीय प्रतियोगिता में बीजापुर, दंतेवाड़ा, कांकेर, कोण्डागांव, नारायणपुर एवं बस्तर जिले के साथ ही नुवा बाट के करीब तीन हजार 500 खिलाड़ी हिस्सा ले रहें है। बस्तर के लिए गौरव का क्षण होने के साथ ही बस्तर के सुनहरे भविष्य के लिए सरकार का बहुत ही अच्छा निर्णय है। इस बस्तर ओलम्पिक में तीन स्तर की स्पर्धा से के जरिये बस्तर प्रतिभाओं को एक मंच दिया जा रहा है। उक्त प्रतियोगिता में गत वर्ष के एक लाख 65 हजार की अपेक्षा तीन लाख 92 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने पंजीयन करवाया ये परिवर्तन की बयार है। जिसमें दो लाख 27 हजार से ज्यादा महिला प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। आरंभ में खिलाड़ियों द्वारा मशाल प्रवलित कर आतिशबाजी की गई। वहीं रंगारग सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत माता रूकमणी कन्या आश्रम तथा अन्य विद्यालयों की छात्राओं द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दी गई। इस अवसर पर विधायक चित्रकोट विनायक गोयल, विधायक दंतेवाड़ा चैतराम अटामी सहित अन्य जनप्रतिनिधी और कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, आईजी सुंदरराज पी. कलेक्टर हरिस एस, पुलिस अधीक्षक शलभ सिन्हा तथा जिला प्रशासन के अन्य अधिकारी, राष्ट्रीय खिलाड़ी किरण पिस्दा एवं खुशबू नाग, सातों जिलों के नोडल अधिकारी, खेल अधिकारी, खेल प्रशिक्षक एवं खिलाड़ियों के साथ बड़ी संख्या में खेलप्रेमी गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

बस्तर खेल प्रतिभाओं का गढ़, अब आपकी बारी प्रदेश एवं देश का नाम रोशन करने की : बॉक्सर मैरी कॉम

जगदलपुर। बस्तर ओलम्पिक के भव्य शुभारम्भ कार्यक्रम में भारत की प्रसिद्ध अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाज़ और ओलम्पियन मैरी कॉम विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुईं। मंच पर पहुँचते ही उन्होंने छत्तीसगढ़ी में जय जोहार कहकर दर्शकों का अभिवादन किया, जिसके बाद पूरे स्टेडियम में उत्साह का माहौल बन गया। मैरी कॉम ने अपने संबोधन में कहा कि बस्तर खेल प्रतिभाओं का गढ़ है। यहाँ के युवा खिलाड़ी जन्मजात प्रतिभा वाले हैं और कठिन परिस्थितियों के बावजूद बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि प्रदेश और देश का नाम रोशन करने की बारी आपकी है। उन्होंने कहा कि खेल जीत-हार के साथ अनुशासन, मेहनत और आत्मविश्वास का नाम है। उन्होंने कहा कि मैं चाहती हूँ कि बस्तर के खिलाड़ी आगे बढ़कर राष्ट्रीय ही नहीं, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी छत्तीसगढ़ की पहचान बनाएँ। कार्यक्रम में उन्होंने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए बस्तर ओलम्पिक के आयोजन की सराहना की और कहा कि ऐसे आयोजन ग्रामीण व आदिवासी अंचलों के खेल प्रतिभाओं को आगे आने का बड़ा मंच देते हैं। बस्तर ओलम्पिक के उद्घाटन अवसर पर मौजूद हजारों दर्शकों ने मैरी कॉम का गर्मजोशी से स्वागत किया।

केशकाल विकासखंड में राष्ट्रीय साक्षरता महापरीक्षा का सफल आयोजन

कोण्डागांव। कलेक्टर नुपूर राशि पन्ना के नेतृत्व और जिला पंचायत सीईओ अविनाश भोई के मार्गदर्शन में विकासखंड केशकाल में गत रविवार को राष्ट्रीय साक्षरता महापरीक्षा का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस परीक्षा के लिए 6142 शिक्षार्थियों ने पंजीयन कराया था, जिनमें से 164 परीक्षा केंद्रों के माध्यम से 4875 शिक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया। इस महापरीक्षा का उददेश्य समाज के उन लोगों को औपचारिक शिक्षा से जोड़ना है, जो किसी कारणवश शिक्षा से वंचित रह गए थे। इसा महापरीक्षा में महिला-पुरुष शिक्षार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया। परीक्षा को शांतिपूर्ण और सुव्यवस्थित तरीके से संचालित करने में शिक्षक, संकुल समन्वयक और संकुल प्रभारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शीतलहर से राहत देने कोंडागांव नगर पालिका क्षेत्र में रोजाना अलाव की व्यवस्था

कोण्डागांव। नगर पालिका क्षेत्र में इन दिनों शीतलहर जारी है, जिससे आमजन को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ठंड के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए कोंडागांव नगर पालिका प्रशासन द्वारा प्रतिदिन शहर के प्रमुख सार्वजनिक स्थलों पर अलाव की व्यवस्था की जा रही है। बस स्टैंड, जिला अस्पताल परिसर सहित कई अन्य भीड़भाड़ वाले स्थानों पर अलाव जलाए जा रहे हैं, जिससे रात्रि के समय ठंड से ठिठुर रहे लोगों को बड़ी राहत मिल रही है। नगरवासियों द्वारा इस पहल की सराहना भी की जा रही है। नगर पालिका अध्यक्ष नरपति पटेल ने कहा कि हम रोजाना वार्डों का निरीक्षण कर रहे हैं। बस स्टैंड और जिला अस्पताल में बाहर से आने वाले लोगों को किसी तरह की असुविधा न हो, इसी को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका द्वारा अलाव की व्यवस्था की जा रही है। यह सेवा प्रतिदिन जारी रहेगी। नगर पालिका उपाध्यक्ष जकसेतु उसेंडी ने कहा कि वे प्रतिदिन वार्डों और सार्वजनिक स्थानों का भ्रमण के दौरान कई बार रात में देखा है कि बस स्टैंड पर यात्री लंबे समय तक बस का इंतजार करते हैं और ठंड के कारण उन्हें परेशानी होती है। इसे देखते हुए अलाव की व्यवस्था की गई है। इसी तरह जिला अस्पताल में भी ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले लोग रात में रुकते हैं, इसलिए उनके लिए भी अलाव जलाया जा रहा है।

परिसरों की साफ-सफाई एवं आवारा कुत्तों के पर्यवेक्षण के लिए प्रशिक्षण संपन्न

कोण्डागांव। जनपद पंचायत कोंडागांव के सभाकक्ष में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत कोंडागांव के मार्गदर्शन में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा 07 नवम्बर 2025 को अंतरिम पारित आदेश के परिपालन में परिसरों की साफ सफाई तथा आवारा कुत्तों के पर्यवेक्षण हेतु नोडल अधिकारी एवं निरीक्षणकर्ता अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम रखा गया। उल्लेखनीय है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा उक्त आदेशानुसार संस्थागत क्षेत्रों के आवारा कुत्तों के काटने की घटना में वृद्धि को संज्ञान में लेकर जन सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं आवारा कुत्तों के प्रबंधन के संबंध में दिशा-निर्देश दिये गये हैं। निर्देश के परिपालन में ग्रामीण क्षेत्र में भी जनता को कुत्ते काटने से राहत एवं बचाव हेतु प्रयास एवं ग्राम पंचायत स्तर में प्रचार-प्रसार किये जा रहे हैं और इस संबंध में ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी और निजी शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों, सार्वजनिक खेल परिसरों, स्टेडियम, बस स्टैण्ड की पहचान कर ली गई है। ऐसे समस्त चिन्हांकित परिसरों के लिये नोडल अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। ये नोडल अधिकारी इन परिसरों में स्वच्छता, साफ-सफाई एवं परिसर को आवारा कुत्तों से मुक्त रखने के लिये जिम्मेदार होंगे। प्रत्येक चिन्हांकित ऐसे परिसर में नोडल अधिकारी का नाम, पदनाम एवं मोबाइल नंबर प्रदर्शित करने के निर्देश जारी किये गये हैं। नोडल अधिकारी के कार्यो की निगरानी रखने इन परिसरों के लिये निरीक्षणकर्ता अधिकारी नियुक्त किये गये हैं। इन निरीक्षणकर्ता अधिकारियों के कर्तव्य एवं दायित्व तय किये गये हैं। ग्रामीण क्षेत्रो में आवास कुत्तों के संबंध में किसी भी प्रकार की शिकायत हो तो निदान हेतु 1100 नम्बर पर कोई भी व्यक्ति शिकायत दर्ज करा सकता है। शिकायत प्राप्त होने पर बकायदा इसका डेटा संधारित किया जाएगा तथा निराकरण की समीक्षा भी की जायेगी। जनपद पंचायत स्तर पर कार्य के लिये नियुक्त किये गये नोडल अधिकारी, निरीक्षणकर्ता अधिकारियों, का प्रशिक्षण आज प्रशिक्षण कराया गया है। प्रशिक्षण के दौरान जनपद पंचायत कोण्डागांव के सभी सरपंच, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत कोंडागांव, जिला अंकेक्षण जिला पंचायत कोण्डागांव, विकास विस्तार अधिकारी, वरिष्ठ आं.ले.परी. एवं करा.रो.अधिकारी, सहायक विकास विस्तार अधिकारी, कार्यक्रम अधिकारी, विकासखण्ड समन्वयक (आवास), सभी ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने धान खरीदी केंद्रों का किया निरीक्षण

कोण्डागांव। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने कोंडागांव विकासखंड के धान उपार्जन केंद्र कुम्हारपारा और बफना एवं माकड़ी विकासखंड के धान उपार्जन केंद्र अमरावती और माकड़ी का निरीक्षण किया। उन्होंने उक्त केंद्रों में टोकन, बारदाना की उपलब्धता, इलेक्ट्रानिक तौल यंत्र, आर्द्रतामापी यंत्र, डनेज और स्टेकिंग व्यवस्था सहित बारदाना की उपलब्धता की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक तौल मापी यंत्र से धान की बोरी की वजन की जांच करवाई और किसानों से निर्धारित वजन अनुसार खरीदी के निर्देश दिए। उन्होंने उपार्जन केंद्रों में आए किसानों से भी संवाद किया और एक एक कर उनकी समस्याएं जानी। कलेक्टर ने कहा कि वन अधिकार पत्र प्राप्त वाले किसानों का चिन्हांकित कर ऐसे प्रकरणों का जल्द से जल्द निराकरण करें, ताकि वे अपना धान बेच सकें। कलेक्टर ने कहा कि किसानों को धान बेचने में कोई दिक्कत न हो और कोई भी समस्या हो तो विभागीय अधिकारी को तुरंत सूचित करें।

सेजस पावरास सुकमा की छात्राओं को मिली सौगात, सरस्वती साइकिल योजना से खिले नन्हें सपने

सुकमा। स्वामी आत्मानंद इंग्लिश मीडियम हायर सेकेंडरी स्कूल, सुकमा में का दिन छात्राओं के लिए बेहद खास रहा। कक्षा नौवीं में अध्ययनरत 32 छात्राओं को शासन की महत्वाकांक्षी निःशुल्क सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत साइकिलें वितरित की गईं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य महिला आयोग की सदस्य अधिवक्ता दीपिका शोरी उपस्थित रहीं। विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला पंचायत अध्यक्ष सोयम मंगम्मा, अनिल राठी, शैलेन्द्र ठाकुर, अनिता नागे, पोया तथा संस्था की प्राचार्या ट्रीजा दास शामिल हुईं।

छात्राओं को संबोधित करते हुए दीपिका शोरी ने कहा कि जीवन में उच्च स्थान प्राप्त करने का सबसे मजबूत आधार शिक्षा है। जो बच्चियां शिक्षा के माध्यम से आगे बढ़ती हैं, वही समाज का भविष्य तय करती हैं। उन्होंने अपनी शिक्षा-यात्रा को साझा करते हुए छात्राओं को प्रेरित किया और कहा कि संवेदनशील सरकार की यह योजना उन बच्चियों के लिए वास्तविक वरदान है, जो दूर-दराज क्षेत्रों में साधन के अभाव के कारण शिक्षा से वंचित रह जाती थीं। उनकी बातें सुन छात्राओं ने गहरी गंभीरता से उन्हें आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम का सबसे हर्षित क्षण तब आया जब 32 बच्चियों को साइकिलें प्रदान की गईं। साइकिल हाथ में आते ही उनकी आँखों में खुशी की चमक और चेहरों पर आत्मविश्वास साफ झलक रहा था।

इन साइकिलों के माध्यम से अब छात्राएं न केवल समय से स्कूल पहुँच सकेंगी बल्कि शिक्षा के प्रति उनका मनोबल भी और अधिक मजबूत होगा। जिला पंचायत अध्यक्ष सोयम मंगम्मा और प्राचार्या ट्रीजा दास ने भी इस योजना को शिक्षा को बढ़ावा देने की दिशा में राज्य शासन का अभिनव और दूरदर्शी कदम बताया। उन्होंने कहा कि इससे सुकमा जैसे आदिवासी अंचल में बालिकाओं की शिक्षा यात्रा और सशक्त होगी।

शासन की सकारात्मक पहल–भविष्य की ओर बढ़ता कदम – सुकमा जिले में संचालित यह योजना शिक्षा के अधिकार को जमीन पर उतारने का सशक्त प्रमाण है। सरकार की इस पहल ने न केवल छात्राओं के जीवन में नई ऊर्जा भरी है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भरता की ओर भी अग्रसर किया है। यह कार्यक्रम सुकमा जिले में बेटियों की शिक्षा, सुरक्षा और सशक्तिकरण को समर्पित एक प्रेरणादायी संदेश बनकर उभरा है– जहाँ साइकिलें पहुंचीं, वहाँ सपने आगे बढ़ चले।

दिव्यांग छात्र छात्राओं को कृत्रिम अंग एवं सहायक उपकरण वितरण

नारायणपुर। कलेक्टर प्रतिष्ठा ममगाई के मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग द्वारा परियना में अध्ययनरत् एवं आवासीय विशेष आवश्यकता वाले दिव्यांग छात्रा लखेश्वरी पोटाई (कैलिपर्स), रंजीत (कैलिपर्स), मनीषा वडडे (बैशाखी), भार्या मण्डावी (दोनो पैरों का कैलिपर्स), पेनूज भोयना (कैलिपर्स एंव व्हीलचेयर), मंजीत नूरेटी (कैलिपर्स), संतोष नेताम (कैलिपर्स एवं व्हील चेयर), अविनाश यादव (व्हीलचेयर), ललिता पोटाई (जूता), आकाश कुमार (जूता), विकेश (कैलिपर्स) तथा लक्ष्मीनाथ, पिता सुकालू, ग्राम कुंदला जनपद पंचायत ओरछा को कृत्रिम हाथ बनाकर जगदलपुर कृत्रिम अंग केन्द्र से प्रदाय किया गया। कृत्रिम अंग, सहायक उपकरण मिलने से दिव्यांगों के दैनिक कियाकलाप, शैक्षणिक तथा अन्य गतिविधियों में गति बढ़ेगी। समस्त हितग्राहियों को 08 दिसम्बर 2025 को कृत्रिम अंग केन्द्र आड़ावाल, जगदलपुर जिला बस्तर भेजा गया था।

नियद नेल्लानार गांव पूवर्ती के खिलाड़ी विजय डोडी और ओरछा सलोनी की बने मशालवाहक

जगदलपुर। बस्तर ओलंपिक 2025 संभाग स्तरीय प्रतियोगिता का शुभारम्भ अत्यंत गरिमामय और उत्साहपूर्ण माहौल में किया गया। कार्यक्रम का औपचारिक आगाज मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, अन्य मंत्री गण एवं बॉक्सर मैरी कॉम ने किया। हजारों दर्शकों की मौजूदगी में मंच से मुख्यमंत्री द्वारा बस्तर ओलंपिक की मशाल प्रज्वलित की गई। इसके बाद यह गौरवशाली मशाल सुकमा जिले के सुदूर अंचल पूवर्ती के प्रतिभावान खिलाड़ी विजय डोडी और ओरछा ब्लॉक नारायणपुर जिले की निवासी सलोनी कवाची को सौंपा गया। कबड्डी खिलाड़ी विजय डोडी और खो-खो खिलाड़ी सलोनी कवाची ने पूरी ऊर्जा और गर्व के साथ ग्राउंड की परिक्रमा लगाते हुए मशाल को लेकर मुख्य प्रज्वलन स्थल तक पहुंचकर बस्तर ओलंपिक आयोजन की मशाल प्रज्वलित की। सुकमा और नारायणपुर जिले के लिए यह अत्यंत गर्व और भावनात्मक क्षण था, जब माओवाद-प्रभावित एवं दूरस्थ क्षेत्र के खिलाड़ी ने पूरे आत्मविश्वास के साथ हजारों दर्शकों के सामने दौड़ लगाई।

उनकी दौड़ के साथ दर्शकों का उत्साह भी चरम पर दिखा। बस्तर ओलंपिक के इस भव्य उद्घाटन ने एक बार फिर साबित कर दिया कि बस्तर की माटी में असीम खेल प्रतिभाएं पनप रही हैं और राज्य सरकार तथा प्रशासन के संयुक्त प्रयास से इन प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने की दिशा में मज़बूत कदम बढ़ाए जा रहे हैं।

आप नेता देवलाल नरेटी की मांग, निर्दोष आदिवासियों को तत्काल रिहा करे सरकार

भानुप्रतापपुर। आम आदमी पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री देवलाल नरेटी ने राज्य सरकार से जेलों में सालों से बंद निर्दोष आदिवासियों और गैर-आदिवासियों को तत्काल रिहा करने की जोरदार मांग की है। उन्होंने कहा है कि जब सरकार समर्पण करने वाले नक्सलियों के केस वापस लेने और उनके पुनर्वास की बात कर रही है, तो उन निर्दोष लोगों पर भी तत्काल विचार किया जाना चाहिए जिन्हें 'नक्सली' या 'नक्सल सहयोगी' बताकर फर्जी तरीके से जेलों में डाला गया है। नरेटी ने मीडिया को जारी बयान में इस बात पर जोर दिया कि ऐसे कई सामाजिक नेता और आम नागरिक हैं जो अपने-अपने क्षेत्रों में जनता के मुददों की लड़ाई लड़ते रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्व की कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी दोनों ही सरकारों के दौरान, सरकार के खिलाफ आवाज बुलंद करने वाले ऐसे लोगों को 'नक्सल' या 'नक्सल सहयोगी' बताकर संगीन धाराओं में सालों तक जेलों में यातनाएं झेलनी पड़ी हैं। पुनर्वास के साथ-साथ निर्दोषों की रिहाई जरूरी -आप नेता नरेटी ने कहा अभी जो नक्सली थे उनके लिए सरकार पुनर्वास की योजना तो बना रही है, लेकिन जो नक्सलियों के नाम पर जिन लोगों को फर्जी तरीके से अंदर किया गया है, उनके लिए भी सरकार को तत्काल सोचना चाहिए। उन्होंने मांग की कि इन सभी निर्दोष लोगों को तत्काल रिहा किया जाए और उन्हें भी मुख्य धारा में लौटकर अपने परिवार और समाज के साथ सामान्य जीवन जीने तथा काम करने का अवसर मिलना चाहिए। नरेटी ने वर्तमान भाजपा सरकार से इस मामले में ठोस रणनीति तैयार करने और निर्दोषों पर लगे केस वापस लेने की अपील की है।परिस्थितियाँ बदल गई हैं, अब बहाना नहीं चलेगा - संगठन महामंत्री ने कहा कि अब परिस्थितियाँ बदल गई हैं। सरकार खुद यह दावा कर रही है कि वर्तमान समय में जो नक्सल लीडर थे या तो मारे गए हैं या सरेंडर कर चुके हैं। उन्होंने तर्क दिया, नक्सल खात्मे के डेड लाइन तक नक्सल के नाम पर बंद पड़े निर्दोष लोगों को भी रिहा करनी चाहिए।

आपकी पूंजी आपका अधिकार अंतर्गत सुविधा शिविर 12 को टाउन हॉल में

कोंडागांव। भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग नई दिल्ली के निर्देशानुसार आपकी पूंजी आपका अधिकार अभियान के अंतर्गत दावा न की गयी वित्तीय संपत्तियों का पता लगाने और उन पर दावा करने में नागरिकों को सक्षम बनाने हेतु दावा सुविधा शिविर का आयोजन 12 दिसंबर को सुबह 11 बजे टाउन हॉल (सामुदायिक भवन) विकास नगर, कोंडागांव में किया जायेगा। अग्रणी जिला प्रबंधक ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि निर्धारित तिथि एवं समय पर शिविर में उपस्थित होकर बैंकों में लंबित अथवा दावा न की गई वित्तीय सम्पतियों से सम्बन्धित जानकारी प्राप्त करीं और दावा प्रक्रिया को समझ कर उसका लाभ उठा सकते हैं।

मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना अंतर्गत कुटीर उद्योग शुरू करने आवेदन आमंत्रित

आवेदक की आयु सीमा 18 वर्ष से 45 वर्ष के बीच

कोण्डागांव। राज्य शासन की मुख्यमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्र के अजा, अजजा एवं अपिव वर्ग को सेवा क्षेत्र सायकल रिपेयरिंग, मोबाइल रिपेयरिंग, इलेक्ट्रॉनिक रिपेयरिंग ब्यूटि पार्लर, फोटो कापी, वीडियोग्राफी, मंडप डेकोरेशन, कम्प्यूटर सेंटर होटल इत्यादि के लिये एक लाख रूपये एवं विनिर्माण क्षेत्र फेब्रिकेशन, दूध निर्माण, दोना पत्तल निर्माण, मोमबत्ती निर्माण, अगरबत्ती निर्माण, पशु चारा निर्माण, सिलाई कार्य, मसाला निर्माण, दलिया निर्माण, इत्यादि) के लिये 3 लाख रुपये तक का लोन बैंक के माध्यम से प्रदान किया जाता है, जिसमे 35 : अनुदान का लाभ दिया जाता है। इस योजना में हितग्राही को परियोजना लागत का 5: स्वयं लगाना होता है। आवेदक की आयु सीमा 18 वर्ष से 45 वर्ष के बीच होना है। आवश्यक दस्तावेज में पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र (अंकसूची) ग्राम पंचायत अनापत्ति प्रमाण पत्र, अनुभव प्रमाण पत्र, राशन कार्ड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, बैंक पासबुक, पैन कार्ड, छायाप्रति एवं अन्य दस्तावेज शामिल है। इच्छुक व्यक्ति जिला पंचायत कार्यालय कोण्डागांव स्थित सहायक संचालक छ.ग. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड रूम नंबर 20 में स्वरोजगार हेतु आवेदन जमा कर सकते हैं।

संक्षिप्त समाचार

रेलवे सुरक्षा बल, बचपन बचाओ आन्दोलन के सदस्य एवं जीआरपी के संयुक्त अभियान के दौरान मानव तस्करी के आरोपी को गिरफ्तार किये जाने के संबंध में

बिलासपुर। रेलवे सुरक्षा बल, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, रायपुर के द्वारा दिनांक 10 दिसम्बर, 2025 को श्री कर्मपाल सिंह गुर्जर, पोस्ट प्रभारी, रेलवे सुरक्षा बल, रायपुर को सूचना प्राप्त हुआ कि गाड़ी 12810 हावड़ा-मुंबई मेल में एक व्यक्ति 5-6 नाबालिग बच्चों को स्लीपर कोच में नागपुर की ओर ले जा रहा है, इस सूचना पर साथ बल सदस्यों, बचपन बचाओ आन्दोलनके सदस्य श्री सहा. प्रोग्राम ऑफिसर आशीष कुमार, जीआरपी प्रधान आरक्षी प्रिया भारती, चाइल्ड लाइन, रायपुर, विजय कुमार साहू के साथ सयुक्त रूप से उक्त गाड़ी के रायपुर स्टेशन आगमन पर गाड़ी के स्लीपर कोच स/2 × 3 को अटेंड किया गया उक्त गाड़ी को अटेंड करने पर एक संदिग्ध व्यक्ति नाम-फिरोज अली मंडल, पिता-स्व हैक़मद मंडल, उम्र-28 वर्ष, वर्तमान पता- रुम न.-7, प्लाट न.-22, एनसीसी मालवानी, मलाड वेस्ट, मालवानी मुंबई द्ध स्थाई पता - ग्राम देऊपचा, पोस्ट-काटसी, थाना- मुंतोसार, जिला- वर्धमान (प.बंगाल) है द्ध उक्त व्यक्ति के आसपास 06 नाबालिग बच्चे होना पाया गया द्ध उक्त सभी 06 बच्चों को हावड़ा स्टेशन से उक्त ट्रेन में बिठाकर काम कराने के लिए मुंबई लेकर जा रहा था द्ध सयुक्त टीम द्वारा सभी 06 नाबालिग बच्चों एवं उक्त व्यक्ति फिरोज अली मंडल को रायपुर स्टेशन उतार कर रेलवे स्टेशन चाइल्ड लाइन डेस्क कार्यालय लेकर गए द्ध जहां पर जाँच के दौरान मानव तस्करी का मामला पाए जाने पर जीआरपी रायपुर द्वारा उक्त आरोपी फिरोज अली मंडल, पिता-स्व हैक़मद मंडल को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 0147/25 धारा 143 ब्रह्स दिनांक 11 दिसम्बर, 2025 दर्ज किया गया द्ध रेलवे सुरक्षा बल द्वारा मानव तस्करी की रोकथाम हेतु आपरेशन ।।ड्ढ के तहत लगातार ड्राइव चलाया जा रहा है द्ध

यात्रियों को भुवनेश्वर - एलटीटी एवं एलटीटी - संबलपुर स्पेशल ट्रेन की सुविधा

बिलासपुर। यात्रियों की सुविधा के लिए 14 दिसंबर 2025 गाड़ी संख्या 08401को भुवनेश्वर से एलटीटी के लिए 23:00 बजे छूटेगी यह गाड़ी संबलपुर, टिटलागढ़ कांटाबाजी , महासमुंद होते हुए अगले दिन रायपुर स्टेशन पर 12:55 बजे, दुर्ग 14.00 बजे, नागपुर 18:20 बजे होते हुए अगले दिन 8:00 बजे एलटीटी (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) पहुंचेगी। वापसी में यह गाड़ी संख्या 08402 एलटीटी (लोकमान्य तिलक टर्मिनस) से संबलपुर के लिए दिनांक 16 दिसंबर 2025 को 11:00 बजे रवाना होगी। यह गाड़ी भुसावल,नागपुर गोंदिया होते हुए दुर्ग स्टेशन पर 06:00 बजे रायपुर स्टेशन पर 07:00 बजे, महासमुंद,कांटाबाजी के रास्ते होते हुए संबलपुर अगले दिन 15:30बजे पहुंचेगी। इस गाड़ी का वाणिज्यिक ठहराव भुवनेश्वर, कटक, डेकनाल, तालचेर रोड, अंगुल, संबलपुर, बरगढ़ रोड बालांगीर, कांटाभाजी, खरियार रोड, महासमुंद, रायपुर, दुर्ग, गोंदिया नागपुर, बडनेरा, अकोला, भुसावल नासिक रोड, इगतपुरी, कल्याण जंक्शन लोकमान्य तिलक टर्मिनस स्टेशनों पर दिया गया है। यात्रीगण विस्तृत जानकारी नेशनल ट्रेन इंक्वारी सिस्टम एनटीईएस ऐप पर ले सकते हैं।

जिला स्तरीय युवा महोत्सव 15 दिसम्बर से नृत्य, गीत, नाटक और कला की होगी शानदार प्रस्तुतियाँ

बिलासपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग द्वारा दो दिवसीय जिला स्तरीय युवा उत्सव का आयोजन 15 एवं 16 दिसम्बर को राज्य खेल प्रशिक्षण केंद्र बहतराई में किया जाएगा। कार्यक्रम में प्रतिभागी 15 दिसम्बर को सवेरे 10 बजे से लोक नृत्य, पंथी, राउत नाचा, सुआ, करमा नृत्य जैसी विधाओं में अपनी प्रस्तुति देंगे। इसके साथ ही 15 दिसम्बर को साईंस मेला, कहानी, कविता लेखन एवं 16 दिसम्बर को एकांकी नाटक, पारंपरिक वेशभूषा, लोकगीत, रॉकबैण्ड, वाद-विवाद, चित्रकला जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागी शामिल हो सकते है। युवा उत्सव में 15 से 29 वर्ष तक के प्रतिभागी एवं 18 से 40 वर्ष तक संगतकार भाग ले सकते है। विजेता प्रतिभागी एवं दलों को राज्य स्तरीय युवा उत्सव में भाग लेने का मौका मिलेगा। एक प्रतिभागी केवल एक ही विधा में भाग ले सकेगा। जिला स्तर पर विजेता प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र एवं पुरस्कार राशि प्रदान की जाएगी। लोकनृत्य, लोककला, चित्रकला, वाद-विवाद एवं कविता लेखन में चयनित प्रतिभागी एवं दल 10 से 12 जनवरी 2026 को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय युवा उत्सव में शामिल होंगे।

छत्तीसगढ़ रजत जयंती वर्ष 2025

ब्रेल प्रकाशन और उपलब्धियों पर विशेष आयोजन

■ संभागायुक्त श्री जैन ने की ब्रेल प्रेस के कार्यों की सराहना

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ रजत जंयती वर्ष 2025 के अवसर पर विशेष उपलब्धियों को प्रदर्शित करते हुये विशेष सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में ब्रेल लिपि के प्रकाशन एवं उपलब्धियों पर आधारित विशेष कार्यक्रम का आयोजन उपनियंत्रक ब्रेल प्रेस कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत दृष्टिबाधित बालिकाओं द्वारा राज्यगीत एवं सरस्वती वंदना गीत की प्रस्तुति से की गई। कार्यक्रम में संभागायुक्त श्री सुनील जैन ने ब्रेल प्रेस के कार्यकम की प्रशंसा करते हुये पूरी यूनिट का भी अवलोकन किया। उन्होंने ब्रेल प्रेस की स्थापना के शुरूआत से आज तक दृष्टिबाधितों हेतु पुस्तकों के मुद्रण कार्य एवं उनके पठन-पाठन को लेकर खुशी जाहिर की। समाज कल्याण विभाग के संयुक्त संचालक टी.पी. भावे ने अपने अनुभव बताते हुये कहा कि दृष्टिबाधितों को शासन भर्ती, पदोन्नति एवं योजनाओं के माध्यम से सुविधाएं दे रहा है, जो इनके रोजगार-स्वरोजगार का मार्ग प्रशस्त करती है। ब्रेल प्रेस की 25 वर्ष की उपलब्धि पर सहा. सांख्यिकीय अधिकारी श्री उत्तमराव माथनकर प्रकाश डाला। इस अवसर पर जिला पंचायत सदस्य श्रीमती राधा खिलावन पटेल एवं श्रीमती अरूणा चंद्रप्रकाश सूर्या, श्री चंद्रप्रकाश सूर्या विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। लायंस क्लब द्वारा छात्र-छात्राओं को गरम टोपी एवं मिष्ठान वितरण किया गया। नगर निगम में कार्यरत् तीन दृष्टिबाधित कर्मचारी भृत्य राकेश साहू, मनोज खाण्डे, अमित कोरी को सहायक राजस्व निरीक्षक पदोन्नति उपरांत संभागायुक्त श्री जैन द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया। ब्रेल प्रेस के पूर्व सेवानिवृत्त तकनीकी कर्मचारी श्री केके पाण्डे के साथ-साथ वर्तमान में लगातार ब्रेल यूनिट में विशेष कार्य के लिये सभी कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। इस अवसर पर उपनियंत्रक श्रीमती बबीता कमलेश, सहायक सांख्यिकी अधिकारी श्री प्रशांत मोकासे, श्री उत्तमराव माथनकर, पीडब्ल्यूडी आईकान श्री लीलाधर भांगे, श्रीमती सरस्वती जायसवाल, लांयस क्लब से श्री हर्ष पाण्डेय, अध्यक्ष, श्री रमेश अग्रवाल, सचिव श्री मनजीत अरोरा, श्री अरविंद गर्ग, श्री प्रशांत द्विवेदी, श्री प्रदीप शर्मा, सुश्री बीना दीक्षित, श्री संजय खुराना, दीक्षांत पटेल, अशोक अग्रवाल एवं संस्थाओं से श्री आर.जे. सिंह, श्रीमती ज्योती तिवारी, श्री संतोष सामंत, श्री राजेश सिंह, श्री बसंत श्रीवास, श्री संतोष देवांगन, श्री रमाशंकर शुक्ला, श्री दुर्गेश धीवर, श्रीमती रेखा चौहान, कु. पूर्णिमा पाण्डेय, श्रीमती अंजनी बर्मन, श्रीमती शालिनी त्रिपाठी, कु नीतू दीवान, श्री बलराम धीवर, कु. अंहिल्या यादव, श्री निर्मल बघेल विभागीय शासकीय एवं अशासकीय संस्थाओं के अधिकारी एवं कर्मचारी विशेष सहयोग रहा।

ट्रेन संख्या 12833में फर्जी ई-टिकट के साथ यात्रा करते यात्री पर कार्रवाई

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे, नागपुर मंडल में आज दिनांक 12-12-2025 को गाड़ी संख्या 12833 में नागपुर-गोंदिया के मध्य टिकट जांच के दौरान एक गंभीर अनियमितता का मामला सामने आया। ड्यूटी पर तैनात टीटीई श्री इंद्रजीत ने दो यात्रियों द्वारा एक ही सीट पर दावा किए जाने पर जांच की तो मामला संदेहास्पद पाया गया। तत्काल सतर्कता बरतते हुए श्री इंद्रजीत ने दोनों टिकटों को एचएचटी उपकरण में स्कैन कर सत्यापित किया, जिसमें एक टिकट वास्तविक और दूसरा निष्क्रिय (फ्लश्ड) पीएनआर के आधार पर तैयार किया गया फर्जी ई-टिकट निकला। पूछताछ में फर्जी टिकट रखने वाले यात्री ने बताया कि टिकट उसे नागपुर स्टेशन पर एक अज्ञात व्यक्ति द्वारा दिया गया था। जब यात्री ने टिकट उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति से संपर्क करने का प्रयास किया, तो उसने मामला समझते ही अपना मोबाइल बंद कर लिया। यह स्पष्ट संकेत है कि फ्लश्ड पीएनआर का उपयोग कर ई-टिकट पीडीएफ को डिजिटल रूप से एडिट कर नकली टिकट तैयार किया गया था। यह पूरा प्रकरण टीटीई श्री इंद्रजीत की सतर्कता, तत्परता एवं दायित्वपूर्ण कार्यशैली के कारण उजागर हो पाया। वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक, नागपुर मंडल श्री दिलीप सिंह इस प्रकरण की जानकारी दी गई और इस मामले को आगे आवश्यक कार्रवाई हेतु जीआरपी/आरपीएफ गोंदिया को सौंपा गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक श्री दिलीप सिंह ने सभी टीटीई एवं वाणिज्य कर्मचारियों को विशेष सतर्कता बरतने के स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने सभी को ऑनलाइन टिकट सत्यापन, पीएनआर की एचएचटी से अनिवार्य जांच और फर्जी टिकट मामलों में शून्य सहिष्णुता नीति अपनाने का कड़ाई से पालन करने के आदेश दिए हैं। वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधक श्री दिलीप सिंह ने मंडल के सभी यात्रियों से अपील की है कि वे अनधिकृत व्यक्तियों से टिकट न खरीदें और केवल अधिकृत एवं मान्य माध्यमों से ही टिकट लेकर यात्रा करें। उन्होंने यात्रियों से ऐसे मामलों में रेलवे प्रशासन को सहयोग करने की भी अपील की है।

बिलासपुर मंडल ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन के पदाधिकारियों की अनौपचारिक बैठक संपन्न

बिलासपुर। आज दिनांक 12 दिसम्बर 2025 को मंडल सभाकक्ष में मंडल स्तरीय ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन के पदाघिकारियों के साथ अनौपचारिक बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे एस मीना ने की 7 बैठक में रेलवे प्रशासन की ओर से वरि. मंडल कार्मिक अधिकारी डॉ अंशुमन मिश्रा, वरि. मंडल वित्त प्रबंधक श्रीमती पूनम चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ शांति पूर्ति, मंडल कार्मिक अधिकारी रुहीना तुफ़ैल खान तथा ऑल इंडिया एससी/एसटी रेलवे कर्मचारी संगठन बिलासपुर मंडल के अध्यक्ष श्री शिवमंगल, कोषाध्यक्ष श्री मंगराज कुमार तथा अन्य पदाधिकारी उपस्थित थे । बैठक के दौरान एससी/एसटी रेलवे कर्मचारियों के कल्याण से संबंधित 23 महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तृत, रचनात्मक एवं सकारात्मक चर्चा की गई। इनमें पेंशन पदोन्नति, कार्यस्थल की आवश्यकताएं एवं बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विषय शामिल थे। विभिन्न मुद्दों पर तत्काल कार्रवाई करते हुए समाधान प्रदान किया 7 रेल प्रशासन ने स्पष्ट किया कि कर्मचारियों के हितों, कल्याण एवं कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए विभाग निरंतर प्रतिबद्ध है और इसी भावना के साथ संवाद व सहभागिता की यह प्रक्रिया भविष्य में भी जारी रहेगी। अपर मंडल रेल प्रबंधक श्री जे एस मीना ने संगठन के पदाधिकारियों को आश्वस्त किया कि उनकी समस्याओं का समाधान करने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा।

सर्दियों में डाग बाइट की घटना में हुई बढ़ोतरी.......

बिलासपुर। सर्दियों का मौसम है और गली के कुत्तें लोगों पर कहर बरपा रहे हैं। शहर में इन दिनों अचानक डॉग बाइट के मामले बढ़ गए हैं। वहीं इस दौरान नगर निगम की कार्रवाई बंद होने से कई मोहल्ले और कालोनी से लोगों का रात में निकलना मुश्किल हो चुका है। आवारा कुत्ते इन दिनों आक्रामक दिखाई दे रहे हैं। इसका नतीजा यह है कि रोजाना कुत्तों के आंतक के शिकार लोग अस्पताल पहुंच रहे हैं। शहर में सिम्स और जिला अस्पताल में रोजाना 150 से अधिक मरीज रैबीज का इंजेक्शन लगवा रहे हैं। यह आंकड़ा महज दो अस्पतालों का है, निजी और सरकारी अस्पतालों की संख्या इससे कहीं ज्यादा है। ऐसे में डॉग बाइट के शिकार लोगों को राहत मिलती नजर नहीं आ रही है। बच्चों को बचाना चाहिए सिम्स में रोजाना 70 से 80 लोगों को रैबीज के इंजेक्शन लगाए जाते हैं। इसमें से आधे नए हैं। लोगों को स्ट्रीट डॉग से दूर रहना चाहिए। खासकर छोटे बच्चों को डॉग से बचाया जाना चाहिए। सिम्स में रोजाना 70 लोगों को रैबिज का इंजेक्शन लगाना पड़ रहा है, इसमें से 30 से 35 लोग नए मरीज रहते हैं, वहीं वहीं जिला अस्पताल में भी 30 से 40 लोग रोजाना इंजेक्शन लगाने पहुंच रहे हैं। जानकारों के मुताबिक सर्दियों का समय स्ट्रीट डॉग के लिए प्रजनन का समय होता है, ऐसे में कुत्ते आक्रामक व्यवहार करते हैं। हर गली और मोहल्ले में इनकी तादात बढ़ चुकी है। ऐसे में शाम होते ही लोगों का बाहर निकलना दूभर हो जाता है। डॉग बाइट के सबसे ज्यादा शिकार बच्चे और महिलाएं हो रही हैं।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह के अवसर पर आज तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन

बिलासपुर। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण सप्ताह (08 से 14 दिसंबर) के अवसर पर आज ज़ोनल सभागार, बिलासपुर में ऊर्जा संरक्षण पर आधारित तकनीकी संगोष्ठी का आयोजन किया गया । इस वर्ष का विषय हरित परिवर्तन ऊर्जा बचत रखा गया, जिसके अंतर्गत दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा ऊर्जा दक्षता, नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग, नवीन तकनीकों और विभिन्न उपलब्धियों पर विस्तृत चर्चा की गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश थे । इस अवसर पर प्रधान मुख्य विद्युत अभियंता श्री राजीव कुमार बरनवाल सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में कर्मचारी उपस्थित रहे । अपने संबोधन में महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश ने कहा कि ऊर्जा संरक्षण कोई एक सप्ताह का कार्यक्रम नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है । उन्होंने कहा कि ऊर्जा-दक्ष तकनीकों का उपयोग, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा, और कर्मचारियों की जागरूकता—इन्हीं तीन स्तंभों पर आधारित होकर भारतीय रेल वर्ष 2030 तक शुद्ध-शून्य कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के लक्ष्य की ओर तेजी से अग्रसर है । उन्होंने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे द्वारा सौर ऊर्जा उत्पादन, ऊर्जा-कुशल उपकरणों के उपयोग, मुख्यालय पर आधारित विद्युत आपूर्ति (एच.ओ.जी.), पुनर्जीवन ब्रेकिंग तथा परिचालन सुधारों के माध्यम से हासिल की गई महत्वपूर्ण ऊर्जा बचत की सराहना की । दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में स्थापित 6.63 मेगावॉट क्षमता के छत पर लगाए गए सौर संयंत्र, भिलाई में स्थापित 50 मेगावॉट भूमि आधारित सौर संयंत्र तथा आगामी 8.9 मेगावॉट अतिरिक्त सौर क्षमता से जुड़ी प्रगति के साथ ही ऊर्जा-कुशल पंखों, अधिक दक्षता वाले विद्युत उपकरणों, स्वचालित जल पंपिंग व्यवस्था, प्लेटफॉर्म प्रकाश व्यवस्था में किए गए सुधार तथा एच.ओ.जी. रैक के माध्यम से डीज़ल बचत जैसे महत्वपूर्ण प्रयासों का भी महाप्रबंधक ने उल्लेख किया । संगोष्ठी में विद्युत सामग्री निर्माता कम्पनी द्वारा नवीकरणीय ऊर्जा के उपयोग हेतु उन्नत ऊर्जा संचयन मॉड्यूल (बैटरी स्टोरेज प्रणाली) का प्रदर्शन भी किया गया, जिसने उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों का विशेष ध्यान आकर्षित किया ।

रेलवे के रायपुर मंडल में यात्री सुरक्षा बढ़ाने, यात्रा समय कम करने, सड़क-रेल समन्वय सुधारने और रेलवे अवसंरचना का आधुनिकीकरण के प्रगतिशील कार्य

बिलासपुर। भारतीय रेलवे के इंजीनियरिंग विभाग का मुख्य काम रेलवे की पूरी भौतिक संरचना का निर्माण, रख-रखाव और सुरक्षित संचालन सुनिश्चित करना है। ट्रैक (ञ्जह्म्ड्डष्द्म) का निर्माण और रखरखाव, नई रेल लाइन बिछाना, पुराने ट्रैक का नवीनीकरण, रेल, स्लीपर, बैलेस्ट आदि का प्रबंधन ट्रैक की जाँच अल्ट्रासोनिक टेस्टिंग से रेल की दरारों की जाँच,रेल फ्रैक्चर, रेल वेल्डिंग का कार्य,नए पुल बनाना,पुराने पुलों की मजबूती और मरम्मत,ब्रिज इंस्पेक्शन, लोड टेस्टिंग बाढ़/बारिश के समय ब्रिज की सुरक्षा पर निगरानी स्टेशन भवन, प्लेटफ़ॉर्म, शौचालय, ऑफिस, क्वार्टर का निर्माण/मरम्मत करना, वाटर सप्लाई और ड्रेनेज सिस्टम स्टाफ क्वार्टर और रेलवे कॉलोनी का मेंटेनेंस,रेलवे फेंसिंग, रिटेनिंग वॉल की मजबूती लेवल क्रॉसिंग गेट्स का रख-रखाव, मेंटेनेंस ब्लॉक लेना और काम पूरा करना, नई लाइन, गेज परिवर्तन बड़े ब्रिज और टनल निर्माण इत्यादि है ।इसी कड़ी में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल ने यात्री सुरक्षा बढ़ाने, यात्रा समय कम करने, सड़क-रेल समन्वय सुधारने और रेलवे अवसंरचना का आधुनिकीकरण करने के उद्देश्य से कई महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक और परिचालन सुधार सफ्लतापूर्वक पूर्ण किए हैं। इन उपलब्धियों से कई छत्तीसगढ़ में लाखों रेल यात्रियों और स्थानीय निवासियों, आमजन को प्रत्यक्ष लाभ प्राप्त होगा।

प्रमुख उपलब्धियां जिससे आमजन एवं यात्रियों को लाभ- 1. आर यू बी (रोड अंडर ब्रिज) के निर्माण के माध्यम से लेवल क्रॉसिंग से निजात सड़क सुरक्षा में सुधार और यातायात जाम को कम करने के लिए, रोड अंडर ब्रिज (आरयूबी) के निर्माण के बाद पांच प्रमुख लेवल क्रॉसिंग को स्थायी रूप से बंद कर दिया गया है: (1) लेवल क्रॉसिंग क्रमांक 387 (दावनबोड) निपानिया भाटापारा खंड । (2) लेवल क्रॉसिंग नंबर 393 (केसदा) हथबंद तिल्दा नेवरा सेक्शन। (3) लेवल क्रॉसिंग नंबर. डीडी-5 (बोरसी गेट) दुर्ग - मरौदा सेक्शन। (4) लेवल क्रॉसिंग नंबर डीडी-40 (जुनवानी गेट) सिकोसा यात्री हॉल्ट के पास। (5) लेवल क्रॉसिंग नंबर 413 (टेकरी गेट) मांढर-उरकुरा सेक्शन. एलसी नंबर 404 (जलसो गेट) बैकुंठ-सिल्यारी 20.12.2025 को बंद हो जाएगा और एलसी नंबर 378 (निपानिया गेट) निपानिया यार्ड 21.12.2025 को बंद हो जाएगा। एलसी संख्या 374 (भैसबोर गेट)-बिल्हा -दगोरी खंड, एलसी संख्या 405 (सिल्यारी गेट)-बैकुंठ-सिल्यारी खंड और एलसी संख्या 430 (कुगदा गेट)-कुम्हारी-डी केबिन खंड पर आरयूबी का बॉक्स पुशिंग कार्य कर लिया गया है । एलसी संख्या 401 (कुरूद गेट)-बैकुंठ-सिल्यारी खंड पर आरओबी का गर्डर लॉन्चिंग कार्य कर लिया गया है । इससे आमजन को गेट पर प्रतीक्षा नहीं करनी होगी, निर्बाध सड़क यातायात, बेहतर सुरक्षा के साथ ट्रेन संचालन होगा।

2. ट्रेन की गति में सुधार नया रायपुर में लूप लाइन नंबर05 में 15 किमी प्रति घंटे से की गति बढ़कर 30 किमी प्रति घंटे हो गई है। दल्लीराजहारा-ताडोकी खंड पर गति सीमा 80/90/100 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। मंदिर हसौद - अभनपुर खंड पर गति सीमा 50/80 किमी प्रति घंटा से बढ़ाकर 110 किमी प्रति घंटा कर दी गई है। आरवीएच-आरएसडी सेक्शन का दोहरीकरण हो गया है । जनता को लाभ: यात्रा का समय कम होना, समय की पाबंदी में सुधार और सेक्शन की क्षमता में वृद्धि।

21 दिसंबर को जिले में पल्स पोलियो अभियान

■ कलेक्टर ने अधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी, 2.78 लाख बच्चों को पिलाई जाएगी पोलियो ड्रॉप

बिलासपुर। जिले में 21 दिसंबर को आयोजित होने वाले पल्स पोलियो अभियान के तहत 5 वर्ष तक के 2 लाख 78 हजार 149 बच्चों को पोलियो ड्रॉप पिलाई जाएगी। इसके लिए जिले में 1490 बूथ स्थापित किए गए हैं, जहां टीमें सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक बच्चों का टीकाकरण करेंगी। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक आयोजित कर सभी विभागों को जिम्मेदारी सौंपी गई है। कलेक्टर श्री संजय अग्रवाल ने इस कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार और मुनादी करने के निर्देश दिए है। 22 और 23 दिसंबर को मॉप-अप दिवस में स्वास्थ्य टीमें घर-घर जाकर छूटे बच्चों को पोलियो ड्रॉप देंगी। महिला एवं बाल विकास विभाग आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करेगा। 21 दिसंबर को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता घर-घर संदेश देंगी और बच्चों को बूथ तक लाने में सहयोग करेंगी, जबकि सीडीपीओ और सुपरवाइजर इसका सुपरविजन करेंगे। जागरूकता के लिए 19 दिसंबर को ग्राम और विकासखंड स्तर पर तथा 20 दिसंबर को जिला स्तर पर रैली आयोजित की जाएगी।

सोने से पहले नहीं पीनी चाहिए चाय

जानिये क्यों?

क्या आप उन लोगों में से एक हैं जो रोजाना शाम की चाय पीना पसंद करते हैं, या अधिकतर? क्या आपको लगता है कि यह एक स्वस्थ आदत है? आपके लिए सबसे अच्छी बात क्या है - शाम के समय चाय पीना या न पीना? चिकित्सा विज्ञान के अनुसार, अच्छी नींद, इष्टतम लिवर डिटॉक्स, कम कोर्टिसोल (सूजन), और स्वस्थ पाचन के लिए सोने से 10 घंटे पहले (सोने से पहले) कैफीन से परहेज करना सबसे अच्छा है। जबकि चाय अपने आप में खराब नहीं है, जब पेय पीने की बात आती है, तो बहुत भ्रम और विचारों में गड़बड़ी होती है, जैसे कि इसे दूध के साथ या बिना पीना। यह, चीनी के साथ या बिना, इसे पीने के लिए सबसे अच्छा समय के साथ, इसे पीना या कम पीना। सामान्य काली चाय, जिसका अधिकांश लोग आनंद लेते हैं, एंटीऑक्सिडेंट (यौगिक जो सेलुलर क्षति को रोकते हैं और शरीर की सूजन को कम करने में मदद करते हैं) से भरपूर होते हैं, क्योंकि इसमें कैटेचिन, थायफ्लेविन और थायरुबिगिन जैसे पॉलीफेनोल्स की उपस्थिति होती है - जिनमें से सभी व्यक्ति के समग्र स्वास्थ्य को बढ़ावा देना।

चिकित्सकों के अनुसार, शाम के वक्त चाय सिर्फ इन्हीं लोगों को पीनी चाहिए

1. नाइट शिफ्ट में काम करने वाले लोग
2. जिन्हें एसिडिटी या गैस्ट्रिक की समस्या नहीं है
3. जिनका पाचन स्वस्थ हो
4. जो चाय के आदी नहीं हैं (शाम की चाय उपलब्ध नहीं है तो ठीक है)
5. नींद की समस्या जिन्हें नहीं होती है
6. जो रोजाना समय पर भोजन करते हैं
7. जो आधा या 1 कप से कम चाय पीते हैं

शाम की चाय से किसे बचना चाहिए?

1. जिन लोगों की नींद खराब होती है या वे अनिद्रा के शिकार होते हैं
2. जो चिंता से ग्रस्त हैं और तनावपूर्ण जीवन जीते हैं
3. जिन्हें अत्यधिक वात की समस्या है (शुष्क त्वचा और बाल)
4. जो लोग वजन बढ़ाना चाहते हैं
5. अनियमित भूख वाले लोग
6. जो हार्मोनल मुद्दों से पीड़ित हैं
7. जिनको कब्ज/एसिडिटी या गैस की समस्या है।
8. मेटाबोलिक और ऑटो-इम्यून बीमारियों वाले।
9. जिनका वजन कम है।
10. जो स्वस्थ त्वचा, बाल और आंत की इच्छा रखते हैं।

चाय पीने की आदत में करें ये बदलाव

पोषण और आहार विशेषज्ञों का कहना है कि एक स्वस्थ जीवन शैली के लिए अपनी चाय पीने की आदतों में निम्नलिखित बदलाव करने चाहिए-

1. मेवे, किशमिश या कोई फल खाएं और फिर दूध वाली चाय का विकल्प चुनें।
2. दूध डालकर चाय को ज्यादा न पीएं, यह चाय में कम से कम कुछ मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट को बनाए रखने में मदद करता है।
3. चाय को उबालने के बाद इसमें एक चम्मच दूध मिलाने से इसकी न्यूट्रिशन और भी अच्छी हो जाती है।
4. अगर आपको दिन में 3-4 कप पीने की आदत है, तो शुरुआत में आप अलग-अलग तरह की चाय जैसे ग्रीन टी या अलग-अलग फ्लेवर और पत्तियों वाली चाय पर स्विच कर सकते हैं। (कैमोमाइल टी, हिबिस्कस टी, रोज़ टी) और धीरे-धीरे इसे घटाकर प्रतिदिन 1 कप कर दें।
5. शाम के समय चाय पीने से बचें क्योंकि इससे नींद में खलल पड़ सकता है और सूजन भी हो सकती है।
6. खाली पेट चाय पीने से भूख कम लगती है और इसमें कोई पोषक तत्व नहीं होता है और इसलिए इसे हमेशा भोजन के बीच में लेना चाहिए।

चाय में दूध मिलाने से क्या होता है?

दूध मिलाने से चाय की पोषकता कैसे बदल जाती है, इसके बारे में चिकित्सकों का कहना है कि दूध जब चाय में डाला जाता है, तो इसकी कड़वाहट या कसैलापन कम हो जाता है- जो टैनिन की उपस्थिति के कारण होता है- जो इसे स्वादिष्ट बनाता है और स्वाद कलियों के लिए सुखदायक होता है। इसके अतिरिक्त, चीनी टैनिन की कसैलेपन का भी प्रतिकार करती है, यही कारण है कि काली चाय में दूध और चीनी को प्राथमिकता दी जाती है। हालांकि, दूध भी चाय की जैविक गतिविधियों को अपने एंटीऑक्सिडेंट को कम करके संशोधित करता है, जिससे यह सूजन और अम्लता का स्रोत बन जाता है। कैसिइन, एक दूध प्रोटीन, चाय में फ्लेवोनोइड और कैटेचिन के साथ कॉम्प्लेक्स बनाता है, जिससे अम्लता पैदा होती है। और चूंकि अधिकांश भारतीयों को सुबह सबसे पहले दूध वाली चाय पीने की आदत होती है, यह न केवल मौखिक स्वास्थ्य को खराब करता है बल्कि चयापचय गतिविधि को भी बाधित करता है और सूजन का कारण बन सकता है।

एक्सरसाइज के बाद लगती है थकान

तो खाएं ये Dry Fruits

स्वस्थ शरीर के लिए व्यायाम बहुत जरूरी है। नियमित व्यायाम से भी शरीर स्वस्थ रहता है और मूड भी फ्रेश रहता है। बहुत से लोग जिम में पसीना बहाकर मेहनत करने के बाद ही पानी, जूस और शेक का सेवन करते हैं। लेकिन जिम और एक्सरसाइज के बाद शरीर को एनर्जी की जरूरत होती है। ऐसे में शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन का सेवन कर सकते हैं। जिम और एक्सरसाइज के बाद प्रोटीन का सेवन करने से शरीर को पोषण मिलता रहता है और शरीर भी काफी स्वस्थ रहता है। एक्सरसाइज के बाद आप अखरोट का सेवन कर सकते हैं। आइए हम आपको बताते हैं कुछ ऐसे मेवे जिन्हें आप खा सकते हैं...

मूंगफली

मूंगफली के सेवन से आप अपने शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन, विटामिन-सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। खासतौर पर वर्कआउट के बाद इसका सेवन करने से शरीर को एनर्जी मिलती है। इसके अलावा मूंगफली खाने से आपकी हड्डियां भी मजबूत रहती हैं।

काजू

काजू शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। इसमें प्रोटीन, आयरन, फाइबर और विटामिन-सी जैसे पोषक तत्व होते हैं। यह आपकी मांसपेशियों को मजबूत बनाने और शरीर को स्वस्थ रखने में मदद करता है। आप जिम या एक्सरसाइज के बाद इसका सेवन कर सकते हैं। अगर आपका शरीर एक्सरसाइज के बाद थक गया है तो भी आप काजू खा सकते हैं। आप काजू को स्मूदी में मिला सकते हैं।

पिस्ता

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप पिस्ता का सेवन कर सकते हैं। पिस्ता में आयरन, सोडियम, प्रोटीन, विटामिन-सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं जो वजन घटाने में मदद करते हैं और इम्यून सिस्टम को मजबूत करते हैं। आप वर्कआउट के बाद पिस्ता खा सकते हैं।

कड़े छिलके वाला फल

शरीर को स्वस्थ रखने के लिए आप अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इसमें कैल्शियम, आयरन, फाइबर और फोलेट अच्छी मात्रा में होता है। वर्कआउट के बाद अखरोट खाने से आपकी मांसपेशियां मजबूत होती हैं और आपका शरीर भी स्वस्थ रहता है। आप इसे भिगो कर खा सकते हैं या यूं ही खा सकते हैं।

बादाम

बादाम आपकी सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होते हैं। इसमें प्रोटीन, आयरन, कैल्शियम और विटामिन-ई अच्छी मात्रा में होता है। नियमित रूप से बादाम खाने से शरीर में प्रोटीन की मात्रा पूरी होती है। इसके अलावा यह आपके मसल फाइबर्स को रिपेयर करने में भी मदद करता है। इसके सेवन से आपको तुरंत एनर्जी मिलती है।

चार धाम की करने जा रहे हैं यात्रा तो पहले जान लें इन अनसुनी बातों के बारे में

आपने लोगों को कहते सुना होगा कि जीवन में एक बार चारों धामों के दर्शन करने चाहिए। चार धाम यात्रा में यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ जैसे चार पवित्र स्थानों की यात्रा शामिल है। उत्तराखंड के गढ़वाल क्षेत्र में स्थित चार धाम यात्रा को भारत का सबसे पवित्र स्थान माना जाता है। ये चार प्राचीन मंदिर यमुनोत्री, गंगोत्री, मंदाकिनी और अलकनंदा के नाम से जानी जाने वाली चार पवित्र नदियों के आध्यात्मिक स्रोत को भी चिन्हित करते हैं। तो आइए आपको बताते हैं चार धाम यात्रा से जुड़े रोचक तथ्यों के बारे में।

चारधाम परिक्रमा

चारधाम यात्रा वास्तव में एक पवित्र परिक्रमा है। जब कोई तीर्थयात्री चार धाम यात्रा करता है, तो वह वास्तव में चार पवित्र स्थानों की परिक्रमा कर रहा होता है। यात्रा उत्तराखंड के सबसे पश्चिमी मंदिर यमुनोत्री से शुरू होती है और फिर गंगोत्री तक जाती है। वह फिर केदारनाथ और अंत में बद्रीनाथ मंदिर जाता है।

गर्म पूल

तप्त कुंड बद्रीनाथ धाम के आसपास स्थित एक थर्मल स्प्रिंग है। बद्रीनाथ के तीर्थयात्री मंदिर जाने से पहले इन गर्म झरनों में स्नान करते हैं। तप्त कुंड को अग्नि के देवता भगवान अग्नि का आसन माना जाता है। इसके अलावा कुंड का पानी औषधीय गुणों से भरपूर माना जाता है।

गौरी कुंड

गौरी कुंड एक और थर्मल स्प्रिंग है, जो केदारनाथ के रास्ते में पड़ता है। कुंड का नाम देवी पार्वती के नाम पर रखा गया है, जिन्हें गौरी के नाम से भी जाना जाता है। ऐसा माना जाता है कि उन्होंने इसी स्थान पर अपना योग संस्कार किया था। बता दें कि केदारनाथ धाम यात्रा गौरीकुंड से शुरू होती है।

भारतीय परम्परा है पैर छूना, भूल चुके हैं युवा

पैर छूना पारम्परिक भारतीय परम्परा है, जिसे हम आधुनिकता की दौड़ में लगभग पूरी तरह से भुला चुके हैं। वर्तमान में चल रही युवा पीढ़ी के साथ-साथ कमोबेश इस पीढ़ी के कर्ताधर्ता भी इस परम्परा को धीरे-धीरे पीछे छोड़ चुके हैं। आज की युवा पीढ़ी और उनके दादा-दादी, नाना-नानी की पीढ़ी की सोच में मतभेदों के चलते ही इस परम्परा को भुला दिया गया है। पुरानी पीढी के लोगों की सोच होती है कि अपने से बड़ों और आदरजनों के पैर छूने चाहिए, जबकि नई पीढी को पैर छूने की समूची अवधारणा ही गुजरे जमाने की पिछड़ी सोच लगती है। भारतीय संस्कृति अपनी विभिन्न संस्कृतियों और परंपराओं के लिए जानी जाती है। बड़ों के पैर छूना ऐसी परंपरा का एक उदाहरण है। चरण स्पर्श नामक वैदिक काल में भारत में बड़ों के पैर छूने की प्रथा को अपनाया गया था। चरण का अर्थ है पैर और स्पर्श का अर्थ है स्पर्श। हिन्दू परिवारों में बच्चों को बचपन से ही बड़ों का आदर करने की शिक्षा दी जाती है। हिंदू परंपरा के अनुसार, जब हम किसी बड़े व्यक्ति के पैर छूते हैं, तो आपको ज्ञान, बुद्धि, शक्ति और प्रसिद्धि की प्राप्ति होती है।

पौराणिक है यह परम्परा

पैर छूना पौराणिक समय से चलती आ रही भारतीय परम्परा है, जहाँ बड़ों व आदरजनक लोगों के पैर छुए जाते थे। बीते कुछ वर्षों में यह परम्परा खत्म सी हो गई है। हालांकि अभी पूरी तरह से इस परम्परा को युवा भी नहीं छोड़ सका है। कई परिवारों में हमें यह अभी भी दिखाई दे जाती है। हमारे यहां पुराने समय से ही यह परंपरा चली आ रही है कि जब भी हम भी हम अपने से बड़े किसी व्यक्ति से मिलते हैं तो उनके पैर छूते हैं। इस परंपरा को मान-सम्मान की नजर से देखा जाता है। आज की युवा पीढी को कई मामलों में इससे भी परहेज है। नई पीढ़ी के युवा कई बार घर परिवार और रिश्तेदारों के सामाजिक दवाब में अपने से बड़ों के पैर छूने की परम्परा का निर्वाह तो करते हैं, लेकिन दिल दिमाग से वह इसके लिए तैयार नहीं होते। इसलिए कई बार पैर छूने के नाम पर बस सामने कमर तक झुकते भर हैं। कुछ थोड़ा और कंधे तक झुककर इस तरह के हावभाव दर्शाते हैं, मानों पैर छू रहें हो, लेकिन पैर छूते नहीं।

पैर छूने वाले को दें दिल से आशीर्वाद

पैर छूने वाले व्यक्ति को हमेशा दिल से आशीर्वाद देना चाहिए, इसी से पैर छूने और छुआने वाले को सकारात्मक परिणाम मिलते हैं। इससे हमारे पुण्यों में बढ़ोतरी होती है। आशीर्वाद देने से पैर छूने वाले व्यक्ति की उम्र बढ़ती है और नकारात्मक शक्तियों से उसकी रक्षा होती है।

इसका अपना एक मनोवैज्ञानिक कारण है

यह एक वैज्ञानिक क्रिया भी है, जो कि हमारे शारीरिक, मानसिक और वैचारिक विकास से जुड़ी हुई है, साथ ही इसका अपना एक मनोवैज्ञानिक प्रभाव भी है।

वास्तुशास्त्र

इस दिशा में भूलकर भी ना रखें डस्टबिन

घर का हर कोना आज वास्तु शास्त्र के अनुसार बनाया और सजाया जाता है। कौन सी चीज कहाँ पर रखनी है इसके लिए भी वास्तु शास्त्र का सहारा लिया जाता है। वास्तु के मुताबिक किसी दिशा में क्या चीज रखी है इसका भी बहुत असर पड़ता है। वास्तु में हर चीज की एक निश्चित दिशा तय की गई है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर में रखी हर एक चीज में ऊर्जा होती है। वास्तु के इन नियमों का पालन ना करने पर घर के सदस्यों को कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ता है। घर में किसी सामान को सही दिशा में ना रखने के विपरीत परिणाम झेलने पड़ सकते हैं। घर की ऐसी ही एक वस्तु है डस्टबिन जिसे हम कचरा पात्र कहते हैं। वास्तु शास्त्र इस को रखने के बारे में जानकारी देता है। वास्तु के अनुसार अगर घर में रखा हुआ कूड़ादान सही स्थान पर नहीं है तो परिवार के सदस्यों पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। घर के सदस्यों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

आइए डालते हैं एक नजर वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के डस्टबिन को कहाँ पर रखा जाना चाहिए-

उत्तर-पूर्व दिशा में नहीं रखना चाहिए डस्टबिन

वास्तु के मुताबिक डस्टबिन कभी भी उत्तर-पूर्व की दिशा में ना रखें। उत्तर-पूर्व की दिशा देवताओं की दिशा मानी गई है। इस दिशा में कूड़ादान रखने से घर के सदस्यों पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। इसकी वजह से घर में वास्तु दोष भी हो सकता है। इसके प्रभाव से घर के सदस्यों का मानसिक स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। इसके अलावा पूर्व, दक्षिण-पूर्व और उत्तर की दिशा में भी डस्टबिन नहीं रखना चाहिए। इससे घर वालों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

डस्टबिन रखने की सही दिशा

वास्तु शास्त्र के मुताबिक डस्टबिन हमेशा घर के अंदर ही होना चाहिए। वास्तु शास्त्र के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम या उत्तर-पश्चिम दिशा की ओर रखना ही शुभ होता है। ये दिशाएं कूड़ा विसर्जन के लिए उचित मानी गई हैं। वास्तु में इन दिशाओं में डस्टबिन रखना अच्छा बताया गया है। इसके अलावा उत्तर-पश्चिम की दिशा में भी डस्टबिन को रखा जा सकता है। इन दिशाओं में डस्टबिन रखने से वास्तु दोष नहीं लगता है।

ऐसे रखें दिल का ख्याल

कुछ बहुत ही सामान्य आदतों या चीजों को अपनाने से आप दिल की अच्छी सेहत की दिशा में काम कर सकते हैं। इसमें खाने में सही और गलत फैट्स में से चुनाव करने जैसे तरीके भी शामिल हैं। आपको सिर्फ एक बार अपनी डाइट और रूटीन को लेकर प्लानिंग करनी है और फिर हमेशा उसपर अडिग रहना है। यह सोचने में जटिल काम लग सकता है लेकिन है नहीं। शुरुआत में हो सकता है थोड़ी दिक्कत आए लेकिन जिंदगी भर फिर इसका फायदा मिल सकता है। इससे न केवल आप अपना ध्यान रख सकते हैं बल्कि दूसरों को भी हेल्दी हार्ट के लिए प्रेरणा दे सकते हैं। दिल की सेहत को लेकर सबसे पहले स्ट्रेस करना छोड़ दीजिए क्योंकि ये भी दिल पर बुरा असर डाल सकता है।

थोड़ा ठहरकर शांति से नोट्स बनाइए कि आपको किस चीज पर काम करने की जरूरत है और बस धीरे-धीरे उस पर अमल करना शुरू कर दीजिए। आपको जिन चीजों का ख्याल रखना है, उसमें शामिल हैं-

- आपके परिवार में किसी भी प्रकार के हृदय रोग या अन्य बीमारियों की हिस्ट्री। यह वह बिंदु है जिसपर लोग अक्सर गौर करना भूल जाते हैं। जरूरी नहीं कि परिवार में किसी को हृदय रोग हों तो आपको भी होंगे ही लेकिन इसकी आशंका हमेशा हो सकती है। इसलिए आपके परिवार में यदि हाई बीपी, हाई शुगर, कोलेस्ट्रॉल आदि भी एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक आया है तो जरूरी है कि आप कम उम्र से ही अपने रूटीन में स्वास्थ्यवर्धक आदतों को डाल लें। साथ ही अपने मेडिकल चैकअप को समय पर कराते रहें। सबसे अच्छी बात यह है कि आज दिल की लगभग हर बीमारी का इलाज उपलब्ध है और इसके बाद आराम से सामान्य जीवन जिया जा सकता है। अगर आप सतर्कता रखेंगे तो निश्चिंतता से स्वस्थ जीवन जी पाएंगे।
- खर्राटों या स्लीप एप्निया को नजरअंदाज न करें। यदि आप लगातार नींद में बाधा महसूस कर रहे हैं और खर्राटे आपकी आदत बन चुके हैं तो डॉक्टर से सलाह लेकर इसके लिए उपाय करें। स्लीप एप्निया की स्थिति में आपके एयरवे में ब्लॉकेज हो जाता है जिससे सांस लेने में बाधा होने लगती है। जिससे रात में कई बार नींद में ही आपकी सांस रुक भी जाती है। यह हाई ब्लड प्रेशर, असामान्य हृदय गति और हार्ट फेलियर का कारण भी बन सकता है। अगर आपका वजन ज्यादा है तो आप में इसके होने की आशंका और भी बढ़ जाती है।
- वजन, शुगर, बीपी और कोलेस्ट्रॉल पर कड़ा नियंत्रण रखना। ये एक ऐसी बात है जो जानते ज्यादातर लोग हैं लेकिन इसे अमल में लाना भूल जाते हैं। जैसे रोज भोजन करना, नहाना आदि आपको याद रहता है वैसे ही उपरोक्त नियंत्रण को जीवन का हिस्सा बनाएं। सफेद दुश्मनों यानी नमक, शकर और चावल का सेवन कम से कम कर दें, भोजन में अधिक से अधिक फाइबर और गुड फैट्स जैसे ओमेगा-3 फैटी एसिड्स को डाइट में शामिल करें। साबुत अनाज, साबुत फल, हरी सब्जियां, आदि का सेवन करें।
- तनाव, स्ट्रेस जैसी स्थितियों से जितना हो सके दूर रहने का प्रयास करें। ये आपके दिल को बड़ी मुश्किल में डाल सकती हैं। मेडिटेशन, म्यूजिक आदि इसमें आपकी मदद कर सकते हैं।
- रोजाना कम से कम 15 मिनिट का व्यायाम और खुली ताजा हवा में डीप ब्रीदिंग चमत्कार की तरह काम करेंगी। इससे रक्त संचार तो सुचारू होगा ही, दिमाग को सकारात्मक ऊर्जा मिलेगी और वह सही तरीके से काम कर पाएगा।

30 की उम्र वाली महिलाएं अवश्य करें ये काम

हमेशा रहेंगी हेल्दी, चेहर पर रहेगी रौनक

हर महिला हर उम्र में खूबसूरत और फिट रहना चाहती है। इसके लिए जरूरी है कि महिलाएं शुरू से ही हेल्दी डाइट लें और अपनी फिटनेस पर ध्यान दें। लेकिन फिर भी कुछ आदतें ऐसी होती हैं जो महिलाओं की फिटनेस के लिए चुनौती बन जाती हैं और उन्हें स्वस्थ और फिट दिखने की इच्छा के साथ समझौता करना पड़ता है। ऐसे में हम यहां बता रहे हैं कि आपको 30 की उम्र से कौन सी आदतें अपनानी चाहिए, जो आपको लंबे समय तक फिट रहने में मदद कर सकती हैं।

यह महत्वपूर्ण क्यों है?

फिटडे के मुताबिक कम उम्र में फिट रहना आसान है। लेकिन अगर आप अपने 40 या 50 की उम्र में भी फिट दिखना चाहते हैं, तो बेहतर होगा कि आप 30 की उम्र से कुछ अच्छी आदतें अपना लें। यहां हम आपको बता रहे हैं कि आप खुद को फिट रखने के लिए कौन सी आदतें अपना सकते हैं।

अधिक पानी पीना

पानी की कमी से तेज बुढ़ापा, धीमा मेटाबॉलिज्म और कई अन्य समस्याएं हो सकती हैं। इसलिए बढ़ती उम्र के असर को कम करने के लिए ज्यादा से ज्यादा पानी पिएं।

स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करें

जैसे-जैसे आपकी उम्र बढ़ती है, आपकी मांसपेशियों को टोन करने और ताकत बनाने की आपकी क्षमता कम होती जाती है। अच्छा होगा अगर आप शेप में रहने के लिए स्ट्रेंथ ट्रेनिंग और कार्डियो वर्कआउट करें।

वर्कआउट में बदलाव करें

एक ही एक्सरसाइज को करने से आपकी ताकत ज्यादा नहीं बढ़ेगी। बेहतर होगा कि आप अलग-अलग वर्कआउट करें और हर महीने अपना वर्कआउट रूटीन बदलें।

पोस्ट वर्कआउट डाइट

वर्कआउट करने के आधे घंटे बाद अगर आप प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट खाते हैं तो आपकी मांसपेशियां मजबूत होंगी और ऊर्जा बनी रहेगी।

दौड़ते हुए जूते बदलते रहें

यदि आप व्यायाम करते हैं या नियमित रूप से दौड़ते हैं, तो अपने दौड़ने वाले जूतों को हर छह महीने में बदल दें। ऐसा करने से आप दौड़ते समय कई तरह के तनाव से बचे रहेंगे।

योग करें

शरीर में लचीलापन बनाए रखना, दिमाग को शांत करना, तनाव को मैनेज करना आदि उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करते हैं। इसलिए अच्छा होगा कि आप भी योग और ध्यान का अभ्यास करें।

मक्के की रोटी व छाछ के गिलास के साथ सरसों का साग

एक नजर इसकी रेसिपी पर

आवश्यक सामग्री

- सरसों के पत्ते - आधा किलो
- पालक कटी - ढाई सौ ग्राम
- प्याज कटा-2 से 3
- अदरक कटा - 1 टेबलस्पून
- लहसुन कटा - 1 टेबलस्पून
- हरी मिर्च कटी - 1 टेबलस्पून
- जीरा - 1 टी स्पून
- हल्दी - 1/2 टी स्पून
- लाल मिर्च पाउडर - 1 टी स्पून
- हींग - 1 चुटकी
- तेल - 1-2 टेबलस्पून
- नमक - स्वादानुसार

बनाने की विधि

सरसों का साग बनाने के लिए सबसे पहले सरसों के पत्ते लेकर उन्हें अच्छे से धोकर उसके बारीक-बारीक टुकड़े कर लें। इसके बाद पालक को धोकर उसके डंठल अलग करें और बारीक काट लें। अब एक गहरे तले वाली कड़ाही में पानी डालकर गर्म करें। जब पानी उबलने लगे तो उसमें सरसों के पत्ते और पालक के पत्ते डालकर मिलाएं और सभी को लगभग 5 मिनट तक पकने दें। इस दौरान बीच-बीच में इसे चलाते भी रहें।

तय समय के बाद एक छलनी लें और उसकी मदद से सरसों के पत्तों और पालक पत्तों का सारा अतिरिक्त पानी निकाल दें। इसके तत्काल बाद सरसों, पालक को ठंडा पानी से दो बार धोकर अच्छी तरह से छान लें। पानी निथारने के बाद इन्हें कुछ देर के लिए अलग रख दें। अब मिक्सर में एक कप पानी और सरसों, पालक के पत्ते डालकर ग्राइंड कर पेस्ट तैयार कर लें। इस पेस्ट को एक बर्तन में निकालकर अलग रख दें। अब एक कड़ाही में तेल डालकर उसे मध्यम आंच पर गर्म करें। जब तेल गर्म हो जाए तो उसमें जीरा और हींग डालकर कुछ सेकंड तक भूनें। फिर बारीक कटा लहसुन और अदरक डालकर फ्राई करें। 30 सेकंड तक भूनने के बाद इसमें बारीक कटा प्याज डालकर एक- दो मिनट तक पकाएं। जब प्याज का रंग बदलने लगे तो इसमें सरसों-पालक का पेस्ट डालकर मिक्स कर दें और 2 मिनट तक पकाएं। अब साग में हल्दी, लाल मिर्च पाउडर और स्वादानुसार नमक डालकर मिलाएं और सरसों साग को 3-4 मिनट के लिए धीमी आंच पर पकने दें। इस दौरान साग को बीच-बीच में चलाते भी रहें। स्वाद और पोषण से भरपूर सरसों की साग बनकर तैयार हो चुकी है। सरसों के साग को गर्म-गर्म मक्के की रोटी और छाछ के साथ खाने का आनन्द शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। इसे खाकर ही अनुभव किया जा सकता है। तो अब जाती हुई सर्दियों में एक-दो बार जरूर अपने परिवार को इस जायकेदार सब्जी का आनन्द उठाने दीजिए।

समाधान महाविद्यालय मे वार्षिक खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित

बेमेतरा। सर्वतोमुखी समाधान शिक्षा संस्कार समिति द्वारा संचालित समाधान महाविद्यालय एवं आईटीआई में वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ वंदना से किया गया। इसके पश्चात छत्तीसगढ़ के राजकीय गीत अरपा पैरी के धार एवं राष्ट्रगान का गायन सभी ने मिलकर किया। महाविद्यालय के डायरेक्टर अविनाश तिवारी ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि समाधान महाविद्यालय अपने नाम के अनुरूप निरंतर उत्कृष्ट कार्य कर रहा है। महाविद्यालय में आयोजित हर गतिविधि में पूरी तन्मयता और जिम्मेदारी के साथ भाग लेना चाहिए। भविष्य में जो विद्यार्थी शिक्षक बनेंगे, उन्हें स्वयं खेल में दक्ष होने के साथ-साथ दूसरों को खेल का प्रशिक्षण देने की क्षमता भी विकसित करनी होगी। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि जीवन में जिस ज्ञान और अभ्यास को जितना आत्मसात किया जाएगा, सफलता के अवसर उतने ही व्यापक और सुनिश्चित होंगे। महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी राजेश गजपाल ने कार्यक्रम की रूपरेखा को रखा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय पी.जी. कॉलेज बेमेतरा की प्राचार्या डॉ. वीणा त्रिपाठी रही। उन्होंने विद्यार्थियों को अभिप्रेरित करते हुए कहा कि महाविद्यालय प्रांगण में वार्षिक गतिविधियों के स्नेह सम्मेलन के तहत क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। खेल मानव जीवन का अत्यंत महत्वपूर्ण अंग है, जिसकी प्रक्रिया नवजात अवस्था से ही प्रारंभ हो जाती है। परिस्थितियों और शैक्षणिक प्रतिस्पर्धा के बीच भले ही खेल पीछे छूट जाए, परंतु व्यक्तित्व विकास में इसकी भूमिका सर्वाधिक प्रभावी होती है। स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है, और खेल में जीत से अधिक महत्त्वपूर्ण उसकी भागीदारी मानी जाती है। पिछले सत्र में महाविद्यालय द्वारा अंतर-महाविद्यालय खो-खो प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया गया था। अंतर-कक्षीय क्रीड़ा प्रतियोगिता में विद्यार्थियों की उभरती प्रतिभा देखने को मिलेगी, जो आगामी सत्र में एक सक्षम टीम के रूप में महाविद्यालय का प्रतिनिधित्व करने के लिए तैयार होगी। शासकीय पी.जी. कॉलेज बेमेतरा के क्रीड़ा अधिकारी दुर्गा प्रसाद जंघेल ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वार्षिक खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन समाधान महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी राजेश गजपाल के मार्गदर्शन में सुव्यवस्थित रूप से संपन्न हो रहा है। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों में निहित प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना और उनकी क्षमताओं को उजागर करना है, ताकि वे भविष्य में महाविद्यालय का गौरव बढ़ाने वाली मजबूत खेल-टीमों के रूप में सामने आ सकें। खेल का संचालन योगेश्वर सिन्हा, राजेंद्र वर्मा, आकाश हिरवानी व हरीश कुमार पटेल द्वारा किया गया। विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के खेलों में भाग लिया। खेल के निर्णायक के रूप में डॉ. जी. डी.मानिकपुरी, निधि तिवारी, नंदनी वर्मा, गायत्री राजपूत, अमित कुमार पटेल, शिवराज साहू, श्रद्धा राजपूत, नूतन मिश्रा, संगीता अग्रवाल, विनीता अग्रवाल,रूपेंद्र डहरिया, तुकाराम जोशी, होरीलाल देवांगन, शुभम गजभिए, राजेश यादव, रूपेंद्र डहरिया, श्रीयता तिवारी, रेशमा पटेल एवं जोगेंद्र साहू रहे। बालक 100 मीटर दौड़ में राजू सोनकर आईटीआई स्टेनो से प्रथम व सुनील वर्मा बीएड से द्वितीय, बालिका 100 मीटर दौड़ में पूर्वी वर्मा आईटीआई से प्रथम व ललिता पीजीडीसीए से द्वितीय, बालक 200 मीटर दौड़ में कामेश्वर यादव पीजीडीसीए से प्रथम व राजू सोनकर आईटीआई स्टेनो से द्वितीय, बालिका 200 मीटर दौड़ में ललिता साहू पीजीडीसीए से प्रथम व पूर्वी वर्मा आईटीआई कोपा से द्वितीय, जलेबी दौड़ बालक में जीतूराज पीजीडीसीए से प्रथम व कामेश पीजीडीसीए से द्वितीय, जलेबी दौड़ बालिका में डॉली पीजीडीसीए से प्रथम व मनीषा बीसीए से द्वितीय, गोला फेक बालक में कुलेश्वर राव बीएससी से प्रथम व इलेक्ट्रीशियन से कोमल यादव द्वितीय, गोला फेक बालिका में गामिनी डेहरे स्टेनो से प्रथम व डॉली पीजीडीसीए से द्वितीय, तवा फेक बालक में कामेश्वर पीजीडीसीए से प्रथम व जीतू साहू पीजीडीसीए से द्वितीय, तवा फेक बालिका में पायल पीजीडीसीए से प्रथम व डॉली पीजीडीसीए से द्वितीय, शतरंज बालक में यज्ञांश तिवारी बीएससी से प्रथम व मुकेश बीएससी से द्वितीय, शतरंज बालिका में केसर बीएड से प्रथम व सुनीता बीएड से द्वितीय, कैरम बालक में मुकेशलाल बीएससी से प्रथम व जीतू आईटीआई इलेक्ट्रीशियन से द्वितीय, कैरम बालिका में प्रीति लहरें व प्रीति साहू बीएड से प्रथम व आरती व मनीषा पीजीडीसीए से द्वितीय, लंबी कूद बालक में देवांश डीसीए से प्रथम व कामेश्वर पीजीडीसीए से द्वितीय, लंबी कूद बालिका में मेघा प्रथम व पायल साहू द्वितीय, गोली चम्मच बालिका में गनिता बीएड से प्रथम व दीप्ति बीएड से द्वितीय, गोला चम्मच बालक में कामेश्वर पीजीडीसीए से प्रथम व देवेंद्र बीएससी से द्वितीय, बैडमिंटन बालक में सुनील वर्मा व सुनील ध्रुव बीएड से प्रथम और यनीस घृतलहरें व डोमेन निषाद आईटीआई से द्वितीय तथा बैडमिंटन बालिका में सौम्या व नेहा धुर्वे बीएड से प्रथम व मिथिलेश्वरी व भूमिका बीएड से द्वितीय, सुई धागा बालक में देवांश डीसीए से प्रथम व युवराज साहू द्वितीय, सुई धागा बालिका में गनिता बीएड से प्रथम व श्वेता चतुर्वेदी बीएड से द्वितीय स्थान, भाला फेक बालक में डॉली वर्मा पीजीडीसीए से प्रथम व पायल साहू पीजीडीसीए से द्वितीय, भाला फेक बालिका में कोमल यादव इलेक्ट्रीशियन से प्रथम व कुलेश्वर बीएससी से द्वितीय, रस्सा कसी बालक में धनंजय, सुभाष, खेमलाल, कमलेश्वर व बलदेव बीएड से प्रथम तथा कामेश्वर, राकेश, रमेश, राज व पंकज द्वितीय, रस्सा कसी बालिका में निशा, दीक्षा, अंजना, प्रीति व गनिता बीएड से प्रथम और डॉली, ललिता, पायल, तारिणी व सोनम पीजीडीसीए से द्वितीय स्थान पर रहे। खो-खो बालक में इलेक्ट्रीशियन विजेता व डिग्री उपविजेता, खो-खो बालिका में डिग्री विजेता व बीएड उपविजेता, कबडडी बालक में इलेक्ट्रीशियन विजेता व बीएड उपविजेता, कबडडी बालिका में डिग्री विजेता व आईटीआई कोपा उपविजेता रहे। महाविद्यालय के विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र से सम्मानित किया गया। अतिथियों को शाल व श्रीफल से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के समस्त सहायक प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

राजस्व वसूली के संबंध में विशेष समीक्षा बैठक आयोजित

भिलाई। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय की अध्यक्षता में राजस्व करों की वसूली हेतु अपर आयुक्त, लेखाधिकारी, राजस्व टीम एवं अधिकृत एजेंसी पब्लिकेशन एंड स्टेशनर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि की उपस्थिति में वित्तीय वर्ष 2025-26 की राजस्व वसूली की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। निगम आयुक्त द्वारा निगम क्षेत्रांतर्गत स्थित भवनों/भूमियों पर बकाया संपत्तिकर एवं अन्य करों की वसूली हेतु करदाताओं से संपर्क कर राशि वसूल करने राजस्व टीम एवं अधिकृत एजेंसी को निर्देशित किये हैं। निर्धारित लक्ष्य अनुसार करों की वसूली कम होने पर आयुक्त ने एजेंसी से नाराजगी व्यक्त करते हुए कार्य में तेजी लाने निर्देशित किये है। करदाताओं से बकाया वसूली हेतु नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 173 के तहत तत्काल बिल जारी करने कहा गया है। निर्धारित अवधि में राशि का भुगतान नहीं करने पर अधिनियम की धारा 174 के अधीन मांग की सूचना जारी किया जाएगा। इसके बाद भी राशि जमा नहीं करते है, तो धारा 175 के तहत कुर्की (शक्ति वारंट) की कार्यवाही की जायेगी।राजस्व करों की वसूली हेतु एजेंसी को बड़े बकायादारों की सूची तैयार करने कहा गया है। साथ ही एजेंसी को एस.एम.एस. एवं व्हाटसअप के माध्यम से करदाताओं को सूचित करने निर्देशित किया गया है। राजस्व करों की वसूली हेतु प्रत्येक वार्ड में पर्याप्त कर्मचारी रखने एवं वार्ड में मुनादी कराने निर्देशित किये है। जिनका करदाताओं का संपत्तिकर आई.डी. में नाम दर्ज नहीं है, उनकी सूची तैयार करने एवं ऐसे भवनों/भूमि स्वामियों का संपत्तिकर आई.डी. में मोबाईल नंबर नहीं है, उसे अपडेट कराने कहा गया है।

निगम आयुक्त द्वारा नवनिर्मित सड़क एवं इंडोर स्टेडियम का किया गया निरीक्षण

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-4 शिवाजी नगर खुर्सीपार अंतर्गत नवीन डामरीकरण सड़क, नवनिर्मित सामुदायिक भवन, निगम स्वामित्व के भूखण्ड सहित इंडोर स्टेडियम का अवलोकन निगम आयुक्त द्वारा किया गया। निगम आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय एवं जोन आयुक्त अमरनाथ दुबे द्वारा वार्ड क्रं. 51 पंडित दीनदयाल कालोनी में नवीन डामरीकरण सड़क निर्माण का अवलोकन किया गया है। इस सड़क के निर्माण से सैकड़ो राहगीरों को आने-जाने में सुविधा मिलेगी। कालोनी में ही नवीन सामुदायिक भवन का निर्माण किया गया है, जहां पार्किंग एरिया में पूर्व से लगे पेवर ब्लाक को साफ -सफाई एवं व्यवस्थित कराने उप अभियंता चंद्रकांत साहू को निर्देशित किये हैं। निगम स्वामित्व के भूखण्ड का अवलोकन करते हुए भूखण्ड से निगम की आय बढ़ाने के संबंध में चर्चा की गई है। आयुक्त द्वारा खुर्सीपार में इंडोर स्टेडियम में चल रहे संधारण कार्य का अवलोकन किया गया एवं बेहतर व्यवस्था हेतु साफ-सफाई कराने जोन स्वास्थ्य अधिकारी हेमंत मांझी को निर्देशित किया गया है। साथ ही स्टेडियम को रूचि की अभिव्यक्ति बुलाकर निजी संस्था को दिये जाने के संबंध में चर्चा किया गया। जिसके कार्यवाही हेतु कार्यपालन अभियंता संजय वर्मा को निर्देशित किये है। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता निरीक्षक अतुल यादव, सुपरवाइजर वेंकट सहित जोन-4 के अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

तालाब के पास ग्रामीण की लाश मिली,ठंड से मौत होनें की आशंका, जांच में जुटी पुलिस

रायगढ़। रायगढ़ जिले में गुरूवार की सुबह तालाब के पास एक ग्रामीण की लाश मिलने से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मामला घरघोड़ा थाना क्षेत्र का है।

मिली जानकारी के अनुसार गुरूवार की सुबह घरघोड़ा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम पंचायत बरपाली के जोबा तालाब में विनोद कुमार राठिया 42 साल की लाश मिली है। बताया जा रहा है कि मृतक शराब पीने का आदि था और कल किसी काम के सिलसिले में घरघोड़ा गया था और देर रात तक घर नही पहुंचा था, इस दरम्यान आज सुबह से ही परिजन उसकी खोजबीन में जुटे हुए थे इसी बीच तालाब के पास विनोद की लाश मिली। मृतक के शरीर में किसी प्रकार के चोट के निशान नही मिले हैं, ऐसे में ग्रामीणों ने ठंड से मौत होनें की भी आशंका जताई है। तालाब के पास लाश मिलने की जानकारी मिलते ही गांव के सरपंच मृतक के परिजनों के साथ थाना पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी गई। जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस मर्ग पंचनामा कार्रवाई पश्चात शव को अपने कब्जे में लेते हुए पोस्टमार्टम के लिये अस्पताल भेजते हुए पूरे मामले को जांच में ले लिया है।

आदर्श ग्राम कौही में राशन दुकान संचालक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन, समय पर नहीं खुलता उचित मूल्य की दुकान

रानीतराई। जनपद पंचायत पाटन के आदर्श ग्राम पंचायत कौही में राशन कार्ड धारियों ने दुकान संचालक के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया है, जो उनकी परेशानियों को दर्शाता है। ग्रामीणों का आरोप है कि संचालक समय पर राशन नहीं दे रहा, खासकर नमक और शक्कर के लिए लोगों को महीनों चक्कर काटने पड़ रहे हैं। नवंबर माह का राशन अभी दिसंबर माह में दिया जा रहा है। आज फिर से चावल देने के लिए सेल्समैन आया, लेकिन 2 महीने से नमक और शक्कर न मिलने पर ग्रामीणों ने विरोध किया और राशन लेने से मना कर दिया। ग्रामीणों ने सरपंच से लिखित में मांग की है कि दुकान संचालक को हटाकर गांव के महिला समूह को दिया जाए। अब देखना होगा कि खाद्य विभाग और अनुविभागीय अधिकारी इस मामले में क्या कार्रवाई करते हैं। ग्रामीणों की मांग जायज़ है, उम्मीद है उचित कदम उठाए जाएंगे। मौके पर सत्यवती मारकंडे, उमा सोनकर, जानकी साहू, दुर्गेश नंदिनी साहू, उषा, जमुना बाई, विष्णु, टेकराम सोनकर, मानबाई, जागेश्वर, कीर्तन, प्रभा, प्रीतम, उत्तम कुमार, खूब लाल मेश्राम, दौवा राम,सुरेश ,दिलीप ठाकुर, तामेश्वर,चिंताराम सहित ग्रामीण जन मौजूद रहे।

राष्ट्रीय लोक अदालत 2025 : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा वर्ष की अंतिम लोक अदालत का आयोजन आज

दुर्ग : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में वर्ष 2025 का अंतिम राष्ट्रीय लोक अदालत आज आयोजित किया जा रहा है। लोक अदालत एक ऐसा मंच है, जहां न्यायालयों में सौहार्दपूर्ण तरीके से समझौता किया जाता है। वर्षों का विवाद मिनटों में सुलझ जाता है। लोक अदालत में पक्षकारों का स्वागत है। इसी संदेश के साथ जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा इस वर्ष के अंतिम लोक अदालत का आयोजन आज किया जा रहा है।

लोक अदालत में ना कोई जीतता है, ना कोई पक्ष हारता है, बल्कि दोनों पक्षों की जीत होती है। राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा व्यापक रूप से प्रचार प्रसार शिविर एवं डोर टू डोर कैंपेनिंग की गयी है, जिसमें लोक अदालत से संबंधित पॉम्पलेट्स वितरित किया गया है, साथ ही जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के यू-ट्यूब चैनल, फेसबुक पेज तथा इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से भी जनसामान्य को जागरूक किया गया है। निःशुल्क विधिक जानकारी के लिये आप जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग के यू-ट्यूब चैनल, फेसबुक पेज तथा इंस्टाग्राम पेज को फॉलो कर सकते हैं।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग द्वारा लोक अदालत में आने वाले पक्षकारों के लिये न्यायालय परिसर में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था जिला अस्पताल के समन्वय से किया गया है। इसके अतिरिक्त जरूरतमंदों की निःशुल्क सेवा हेतु रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया है, जिसमें प्रत्येक नागरिक हिस्सा ले सकता है तथा रक्तदान कर निःशुल्क रक्तदान सेवा में अपना महत्वपूर्ण योगदान सुनिश्चित कर सकता है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण दुर्ग का जनसामान्य से यह अपील है कि नेशनल लोक अदालत में सक्रिय सहभागिता लेकर उसका लाभ प्राप्त करें, जिससे नेशनल लोक अदालत के उद्देश्यों की पूर्ति हो सके तथा नेशनल लोक अदालत को अधिक से अधिक सफल बनाया जा सके। लोक अदालत में राजीनामा योग्य आपराधिक मामले, दीवानी मामले, चेक बाउंस के मामले, धन वसूली के मामले, मोटर दुर्घटना दावा तथा ट्रैफिक चालान का निराकरण किया जाएगा।

इसके साथ ही ऐसे मामले जो न्यायालय में प्रस्तुत नहीं हुए हैं, प्री-लिटिगेशन के माध्यम से निराकरण किए जायेंगे- जैसे बैंक वसूली, विद्युत बकाया, जल एवं संपत्ति कर बकाया, टेलीफोन बिल इत्यादि। नेशनल लोक अदालत हेतु जिला न्यायालय के साथ ही व्यवहार न्यायालय पाटन, भिलाई-3 तथा धमधा में भी खण्डपीठ का गठन किया गया है।

मिनी स्टेडियम खुर्सीपार में निर्मित दुकानें प्राप्त करने का सुनहरा अवसर 15 दिसम्बर 2025 तक

भिलाईनगर। नगर पालिक निगम भिलाई जोन-4 खुर्सीपार वार्ड क्रं. 51 शहीद वीर नारायण सिंह नगर स्थित पंडित दीनदयाल मिनी स्टेडियम खेल परिसर के दुकानों को अस्थाई किराये में दिया जा रहा है। स्टेडियम में भूतल पर निर्मित 32 एवं प्रथम तल पर निर्मित 28 इस प्रकार कुल 60 दुकानों को किराये में देने निविदा/आफर बुलाया गया है। इच्छुक व्यक्ति निविदा/आफर में भाग लेने अंतिम तिथि 15 दिसम्बर 2025 तक आवेदन कर सकते है। विस्तृत जानकारी के लिए निगम की वेबसाईट www.bhilainagar-nigam.com एवं शिवाजी नगर जोन-4 कार्यालय से जानकारी प्राप्त कर सकते है। दुकानों को किराये में देने का मुख्य उददेश्य आम नागरिको को रोजगार प्राप्त होगा, साथ ही निगम की आय में वृद्धि होगी। दुकानो का प्रकार भूतल ए टाइप 16 दुकान क्षेत्रफल 52.15 व.मी. मासिक किराया 7801 रूपये अमानत राशि 46806 रूपये, भूतल बी टाइप 6 दुकान क्षेत्रफल 28.70 व.मी. मासिक किराया 4293 रूपये अमानत राशि 25758 रूपये, भूतल सी टाइप 8 दुकान क्षेत्रफल 9.60 व.मी. मासिक किराया 1436 रूपये अमानत राशि 8616 रूपये, भूतल ए-1 टाइप 2 दुकान क्षेत्रफल 41.65 व.मी. मासिक किराया 6230 रूपये अमानत राशि 37380 रूपये, प्रथम तल ए टाइप 20 दुकान क्षेत्रफल 27.30 व.मी. मासिक किराया 3690 रूपये अमानत राशि 22140 रूपये, प्रथम तल बी टाइप 4 दुकान क्षेत्रफल 25.15 व.मी. मासिक किराया 3400 रूपये अमानत राशि 20400 रूपये एवं प्रथम तल सी टाइप 4 दुकान 11.20 व.मी. मासिक किराया 1514 रूपये अमानत राशि 9084 रूपये निर्धारित किया गया है। आवेदक अपनी इच्छानुसार दुकान का चयन कर निविदा/आफर में भाग लेने आवेदन कर सकते है।

त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ में गूंजीं कृष्ण लीलाएं, उमड़ा भक्तों का सैलाब; भाजपा नेता भी हुए शामिल

भिलाई/रिसाली। रिसाली के वीआईपी नगर में चल रहे सात दिवसीय 'त्रिवेणी ज्ञान यज्ञ सप्ताह' के पांचवें दिन कथा पंडाल भक्तिमय माहौल में डूब गया। प्रसिद्ध कथा वाचक पंडित भूपत नारायण शुक्ला ने भगवान श्रीकृष्ण की मनमोहक बाल लीलाओं का विस्तार से वर्णन किया, जिसे सुनकर उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो गए।

कथा के दौरान पूरा परिसर कृष्ण भक्ति में लीन नजर आया। बड़ी संख्या में स्थानीय भक्त कथा श्रवण के लिए पहुंचे।

इस आध्यात्मिक आयोजन में भारतीय जनता पार्टी के नेता भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा नेता बाल मुकुंद देवांगन और युवा नेता मनीष पांडे ने अपनी-अपनी पत्नियों के साथ पहुंचकर व्यासपीठ से आशीर्वाद लिया और कथा का श्रवण किया।

पंडित शुक्ला ने भागवत कथा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि श्रीमद् भागवत कथा जीवन को धर्म, सत्य और कर्तव्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है और मनुष्य को मोक्ष का मार्ग दिखाती है।

छत्तीसगढ़ कलार समाज का युवक-युवती परिचय सम्मलेन 25 को रायपुर में

रायपुर : नववर्ष की हार्दिक शुभकामनाओं के साथ आपको आमंत्रित करते हुए,अत्यंत हर्ष हो रहा है,की हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी छत्तीसगढ़ कलार समाज रायपुर जिला रायपुर में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी समाज के विवाह योग्य युवक-युवतियों का 35 वाँ ÷युवक-युवती परिचय सम्मलेन एवं मिलन समारोह÷ दिनांक 25.12.2025 को सुबह 10.00 बजे से शाम 5.00 बजे तक रायपुर में किया जा रहा है। कार्यक्रम में ÷युवक- युवतियों के संगृहीत जीवन-वृत्त÷ पुस्तिका का विमोचन भी किया जावेगा।उक्त कार्यक्रम में आप सपरिवार सादर आमंत्रित है। युवक-युवती परिचय पुस्तिका में युवक- युवतियों का जीवन-वृत्त (बायोडेटा) 20 दिसम्बर 2025 तक आमंत्रित है।निर्धारित आवेदन के साथ पासपोर्ट साईज फोटोग्राफबायोडाटा -सामान्य-300 रुपया क्वाटर पेज-500 रुपया हाप पेज -800रुपया फूल पेज -1500 रुपया विज्ञापन युवक ङ्क युवती परिचय पत्रिका संबंध में अपना नाम प्रकाशन हेतु संपर्क करें-पत्रिका संपादक-अमरकांत सिन्हारायपुर के पत्रिका (युवक-युवती परिचय सम्मेलन 25-12-2025) में बायोडाटा प्रकाशन के लिए सम्पर्क करें:-

अमरकांत सिन्हा- 9039044994, डॉ. कौशल सिन्हा-9826725383, प्रेमप्रकाश गजेंद्र-6264145523, अशोक सिन्हा ङ्क 9827484691। इसके अतिरिक्त रायपुर जिला के जिला एवं मंडल के पदाधिकारियों से भी संपर्क कर सकते हैं।

बॉयोडाटा साइज और निर्धारित शुल्क- फुल पेज - 1500, हाफ पेज -800, क्वार्टर पेज - 500, सामान्य - 300।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक संजय तिवारी द्वारा असमा पब्लिशर्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड, ग्रास मेमोरियल सेंटर के बाजू, जयस्तंभ चौक, रायपुर (छ.ग.)-492001 से मुद्रित करवाकर व गदा चौक, फरीद नगर रोड स्वर्गीय तुलाराम मेमोरियल स्कूल के पास सुपेला भिलाई, जिला- दुर्ग (छ.ग.) पिन कोड-490023 से प्रकाशित। संपादक : संजय तिवारी, मो. 9200000214 (समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार), समस्त विवादों का निपटारा न्यायालीन क्षेत्र दुर्ग होगा। Email : loktantraprahrinews@gmail.com